जबलपुर
रविवार, 25 जनवरी 2026
माघ मास शुक्ल पक्ष-07
वर्ष : 20, अंक : 267
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 22
न्यून. 14

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

बर्फ के बीच ट्रेन

जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में भारी बर्फबारी के कारण घंटों बाधित रहने के बाद ट्रेन सेवाएं बहाल हुईं। जिसके बाद रामबन जिले के बनिहाल रेलवे स्टेशन पर एक ट्रेन पहुंची।

10 डिग्री तक गिरा पारा, तीन दिन बाद कड़ाके की सर्दी

बर्फीली हवाओं ने घोली ठिठुरन, प्रदेश के उत्तरी हिस्से में बारिश, कुछ जिलों में कोहरे का असर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेश के उत्तरी और मध्य हिस्से में शनिवार दोपहर बाद से हवाओं का रूख बदलते ही ठिठुरन बढ़ गई। इससे दिन के तापमान में 10 डिग्री तक की कमी आ गई। अधिकांश जिलों में दो दिन से दिन-रात का पारा सामान्य से अधिक था, जिसमें शनिवार को तेजी से कमी आई। भोपाल में दिन का पारा 4.3 डिग्री गिरकर 23.1 डिग्री रहा, जबकि रात का पारा दो दिन में तेजी से बढ़ा। यहां शनिवार को 4.9 डिग्री की कमी रही। दिन के पारे में

राजधानी में जनवरी की लगातार दूसरी रात सबसे गर्म न्यूनतम पारा 5 डिग्री गिरा

सर्वाधिक कमी टीकमगढ़ में 9.5 डिग्री की रही। खजुराहो, दतिया और गुना में पारा 8 से 9 डिग्री तक गिरा है। दिन के तापमान में प्रदेशभर में औसतन 4 डिग्री की कमी रही, जबकि रात में औसतन 3 डिग्री तक की घट-बढ़ दर्ज हुई है। भोपाल में न्यूनतम पारा 4.9 डिग्री गिरकर 12.5 डिग्री रहा, जो जनवरी की दूसरी सबसे गर्म रात रही। इससे पहले शुक्रवार रात का पारा 17.5 डिग्री रहा, जो इस महीने की सबसे गर्म रात रही है। शुक्रवार से शनिवार के बीच मुरैना, ग्वालियर, दतिया सहित प्रदेश के उत्तरी और पूर्वी हिस्से में बारिश होने से अभी तापमान में घट-बढ़ रहेगी। मौसम केंद्र के अनुसार दो दिन तापमान में घट-बढ़ रहेगी। इसके बाद तापमान में कमी आएगी। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार एक पश्चिमी विक्षोभ जम्मू और पाकिस्तान से लगे हिस्सों में सक्रिय है। इसका इन्ड्यूस्ड सिस्टम पंजाब पर बना हुआ है। इससे अभी प्रदेश के उत्तरी और पूर्वी हिस्से में बारिश और कोहरे का असर है। यह क्रम रविवार को भी रहेगा। इसके बाद तापमान कुछ बढ़ेगा। 28 जनवरी के बाद सर्दी में तेजी से बढ़त होगी।

मावठ के साथ कोहरा बढ़ेगा

इसलिए शाम को बढ़ी ठंड

विशेषज्ञ शुक्ला के अनुसार भोपाल सहित उत्तरी और मध्य हिस्से में शनिवार को दोपहर बाद से हवाएं बदलकर उत्तरी और उत्तर पूर्वी हो गई हैं। इससे भोपाल में शाम को बर्फीली हवाओं ने ठिठुरन बढ़ाई है। सोमवार तक कुछ जगह बौछारें भी पड़ सकती हैं। इसके बाद तापमान तेजी से गिरेगा।

विशेषज्ञ शुक्ला के अनुसार एक नया पश्चिमी विक्षोभ 26 जनवरी को सक्रिय हो रहा है। इसके असर से 28 जनवरी तक तापमान में उतार-चढ़ाव रहेगा, जबकि इसके बाद सिस्टम के आगे बढ़ने से बर्फीली हवाएं प्रदेशभर में असर करेंगी। इससे कड़ाके की सर्दी का दौर शुरू हो सकता है। इस बीच अगले दो दिन में कुछ जगह बारिश भी होगी। कोहरे का असर भी बढ़ेगा। शनिवार को भोपाल, दतिया, नौगांव सहित कुछ जगह मध्यम कोहरा रहा। यहां दृश्यता 200 से 500 मीटर तक रही। रविवार को भी एक दर्जन जिलों में मध्यम से हल्का कोहरा रहा। 27 जनवरी तक मौसम ऐसा ही रहेगा।

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में हुआ इजाफा

नई दिल्ली। डॉलर में उतार-चढ़ाव के बीच भारत के लिए एक अच्छी खबर है। भारतीय रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार, फॉरेन करेंसी और सोने के भंडार में आई मजबूती की वजह से 16 जनवरी को खत्म हुए सप्ताह में भारत के फॉरेक्स रिजर्व में 14.17 अरब डॉलर की बढ़ोतरी देखने को मिली है। इसके बाद कुल भंडार बढ़कर 701.36 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। जो 17 अक्टूबर 2025 के बाद का सबसे ऊंचा लेवल है। इन आंकड़े से साफ पता चलता है कि फिलहाल देश की बाहरी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है।

40 से अधिक देशों में होगा एसआईआर, बनी सहमति

नई दिल्ली। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य अधिकांश लोकतांत्रिक देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों ने अपने यहां मतदाता सूची के शुद्धीकरण के लिए तरीका अपनाने पर बल दिया है। भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने आए 42 देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों और 27 देशों के मिशन प्रमुख ने मतदाता सूची के शुद्धीकरण के लिए प्रतिबद्धता जाहिर की।

अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा-भारत ने रूस से कच्चा तेल खरीदना काफी कम कर दिया

ट्रंप का भारत को बड़ा संकेत, एक्स्ट्रा 25% टैरिफ हटा सकता है अमेरिका

एजेंसी ⏭ वॉशिंगटन डीसी

कुछ हालिया रिपोर्टों में कहा गया है कि भारत की कुछ निजी कंपनियों ने रूस से तेल इंपोर्ट कम किया है, लेकिन भारत सरकार का कहना है कि रूस से तेल की खरीद जारी है। तेल खरीद का तरीका बदला है।

अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप सरकार भारत पर लगाए गए 50% टैरिफ में से आधा टैरिफ हटाने पर विचार कर सकती है। उन्होंने गुरुवार को अमेरिकी मीडिया वेबसाइट को दिए इंटरव्यू में कहा कि भारत ने रूस से कच्चा तेल खरीदना काफी कम कर दिया है, इसलिए टैरिफ में राहत देने की गुंजाइश बन रही है।

बेसेंट ने इसे अमेरिका की बड़ी जीत बताया और कहा कि भारत पर लगाया गया 25% टैरिफ काफी असरदार रहा है और इसकी वजह से भारत की रूसी तेल खरीद घट गई है। उन्होंने कहा कि टैरिफ अभी भी लागू हैं, लेकिन अब इन्हें हटाने का रास्ता निकल सकता है। बेसेंट ने यह भी कहा कि यूरोपीय देश भारत पर टैरिफ इसलिए नहीं लगा रहे हैं क्योंकि वे भारत के साथ बड़ा व्यापार समझौता करना चाहते हैं। साथ ही उन्होंने यूरोप पर आरोप लगाया कि वह भारत से रिफाइंड तेल खरीदकर खुद ही रूस की मदद कर रहा है। गौर हो कि अमेरिका ने अगस्त 2025 में भारत पर दो बार टैरिफ लगाया था। पहली बार 1 अगस्त व्यापार घाटे को लेकर 25% टैरिफ लगाया गया।

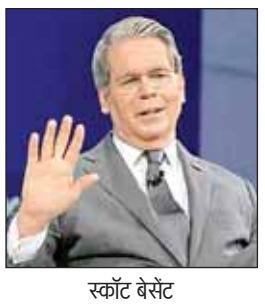

स्कॉट बेसेंट

अमेरिका ने अगस्त 2025 में भारत पर दो बार टैरिफ लगाया था

दिसंबर 2025 में भारत रूस से तेल खरीदने में तीसरे नंबर पर आ गया था

बेसेंट ने कहा

- यूरोपीय देश भारत पर टैरिफ इसलिए नहीं लगा रहे हैं क्योंकि वे भारत के साथ बड़ा व्यापार समझौता करना चाहते हैं
- यूरोप भारत से रिफाइंड तेल खरीदकर खुद ही रूस की मदद कर रहा

ट्रंप के पास टैरिफ लगाने के अधिकार

बेसेंट रूसी तेल खरीदने पर लगने वाले 500% टैरिफ प्रस्ताव पर बोल रहे थे। इसमें अमेरिका उन देशों पर 500% तक टैरिफ लगा जा सकता है, जो रुस का तेल खरीदते हैं। बेसेंट ने कहा कि 500% टैक्स लगाने का प्रस्ताव सीनेटर ग्राहम ने सीनेट में रखा है। हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप को इसकी जरूरत नहीं है।

चीन अब भी सबसे बड़ा खरीदार बना हुआ

चीन अब भी सबसे बड़ा खरीदार बना हुआ है। उसने दिसंबर में रूस से 6 बिलियन यूरो यानी करीब 63,100 करोड़ रुपए का तेल खरीदा। भारत की खरीद कम होने की सबसे बड़ी वजह रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी ने रूस से तेल खरीद करीब आधी कर दी। पहले रिलायंस पूरी सप्लाई रूस की कंपनी रोसनेफ्ट से लेती थी। लेकिन अमेरिका के प्रतिबंधों के डर से अब कंपनियां रूस से तेल कम खरीद रही हैं।

यूक्रेन वार के बाद रूसी तेल का बड़ा खरीदार बना था भारत

यूक्रेन युद्ध के बाद भारत, रूस से बड़ी मात्रा में सस्ता तेल खरीदने लगा था। युद्ध से पहले रूस से भारत का तेल आयात बहुत कम था, लेकिन बाद में यह तेजी से बढ़ा और भारत रूस का बड़ा खरीदार बन गया। रिपोर्ट के मुताबिक नवंबर 2025 में भारत का रूसी तेल आयात छह महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया था। उस महीने भारत ने रूस से 77 लाख टन तेल खरीदा था, जो कुल आयात का 35% से ज्यादा था। लेकिन दिसंबर में रूस से भारत को तेल की सप्लाई तीन साल के सबसे निचले स्तर पर आ गई। आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर में रूस से तेल आयात घटकर करीब 12.4 लाख बैरल प्रति दिन रह गया, जो दिसंबर 2022 के बाद सबसे कम है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि कुल आयात में जरूर कमी आई है, लेकिन सरकारी तेल कंपनियां अब भी रूस से तेल खरीद रही हैं।

अमेरिका रूसी तेल बिक्री रोककर पुतिन पर दबाव बढ़ाना चाह रहा

अमेरिका, पुतिन पर दबाव बढ़ाने के लिए भारत समेत कई देशों से कह रहा है कि वे रूस से तेल खरीद बंद करें। भारत ने इस दबाव को गलत और अनुचित बताया है और कहा है कि उसकी एनर्जी पॉलिसी देश के हितों के हिसाब से तय होती है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव फीता काटते हुए

सीएम ने वरिष्ठजन निवास 'संध्या छाया' का किया लोकार्पण

वृद्धजनों की सेवा और ओल्ड एज होम की स्थापना के लिए सरकार ने समाज को भी साथ जोड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

पत्रकार कॉलोनी लिंक रोड नंबर 3 पर है सांध्य छाया वृद्धाश्रम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार ने वृद्धजनों की सेवा और ओल्ड एज होम की स्थापना के लिए समाज को साथ जोड़ा है। दिव्यांगजन को भी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रोत्साहित कर उनमें क्षमताएं विकसित करने का सरकार प्रयास कर रही है।

दिव्यांगजनों के पास अद्भुत बौद्धिक क्षमता होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी में वरिष्ठजनों को परिवार जैसा वातावरण देने के लिए सेवा भारती के माध्यम से इस सर्व-सुविधायुक्त सशुल्क वरिष्ठजन निवास की शुरुआत की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नव निर्मित सशुल्क वृद्धाश्रम 'संध्या छाया' के लोकार्पण अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की ओर से पत्रकार कॉलोनी लिंक रोड नंबर 3 पर निर्मित सर्व सुविधायुक्त वृद्धाश्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने पीपीपी मोड पर बने संध्या छाया ओल्ड एज होम का शुभारंभ कर अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने यहां रह रहे एक दंपती का अभिवादन कर स्वागत भी किया। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में 54.52 लाख से अधिक पेंशन हितग्राहियों को 327.15 करोड़ रुपए से अधिक राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण किया।

हादसा: शाजापुर में रेल की पटरी टूटी

पटरी से उतरकर दो हिस्सों में बंटी मालगाड़ी, अफरा-तफरी

मालगाड़ी उज्जैन से गुना की ओर जा रही थी

हरिभूमि न्यूज ⏭ शाजापुर

यहां एक मालगाड़ी अचानक पटरी से उतर कर दो हिस्सों में बंट गई है। हादसे की वजह से इस रूट पर ट्रेनों का आवागमन बाधित हुआ है।

मक्सी रेलवे स्टेशन के समीप शनिवार को एक मालगाड़ी अचानक अनियंत्रित होकर पटरी से नीचे उतर गई। यह मालगाड़ी उज्जैन से गुना की ओर जा रही थी। घटना के बाद रेलवे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल मच गया। इस हादसे का मुख्य कारण रेल पटरी का टूटना बताया जा रहा है। पटरी टूटते ही मालगाड़ी का संतुलन बिगड़ गया और डिब्बे पटरी से उतर गए।

क्षतिग्रस्त मालगाड़ी

आईसीसी ने टी20 वर्ल्ड कप-2026

बांग्लादेश को किया 'बाहर' अब स्कॉटलैंड होगा शामिल

बीसीबी चेयरमैन अमिनुल इस्लाम बुलबुल को मेल भेजा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने आधिकारिक तौर पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को बता दिया है कि भारत और श्रीलंका की मेजबानी में अगले महीने से शुरू हो रहे टी 20 वर्ल्ड कप-2026 में उसकी जगह स्कॉटलैंड को जगह दे दी गई है।

फाइल फोटो

आईसीसी ने ये फैसला बांग्लादेश के सुरक्षा के कारण वर्ल्ड कप मैचों के लिए भारत न आने के फैसले के बाद लिया है। बीसीबी ने मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल-2026 से बाहर किए जाने के बाद ये रुख अपनाया था।

भोजशाला में शांति के बाद...वर्दी पर आया 'बसंत'

सभी पुलिसवालों ने डीजे पर किया डांस

धार। धार में शुक्रवार को बसंत पंचमी पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। यहां भोजशाला में जहां पूजा-पाठ होती रही, वहीं कमाल मौला मस्जिद में नमाज भी पढ़ी गई। सफलतापूर्वक आयोजन के बाद शनिवार को पुलिस कर्मचारियों ने जश्न मनाया। सभी ने डीजे पर डांस किया। इसका वीडियो भी सामने आया है। यह आयोजन प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती थी।

सत्र के दौरान उठने वाले अहम मुद्दों पर चर्चा होगी

28 को राष्ट्रपति का अभिभाषण

बजट सत्र से पहले 27 जनवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

बजट सत्र से पहले सरकार ने सियासी सहमति बनाने की कवायद तेज कर दी है। संसद के आगामी बजट सत्र से ठीक एक दिन पहले 27 जनवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है।

इस बैठक में विधायी कार्यसूची और सत्र के दौरान उठने वाले अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। सरकार का उद्देश्य सत्र को सुचारु रूप से चलाना और सभी दलों की राय जानना है। बजट सत्र की शुरुआत

फाइल फोटो

28 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक में अभिभाषण से होगी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक 27 जनवरी को सुबह 11 बजे संसद भवन एनेक्सी के मुख्य समिति कक्ष में होगी। इस बैठक में सरकार और विपक्ष सत्र के एजेंडे पर अपनी-अपनी बात रखेंगे। इस बार केंद्रीय बजट 1 फरवरी को पेश किया जाएगा, जो रविवार है। यह संसद के इतिहास में एक दुर्लभ अवसर माना जा रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार नौवां बजट पेश करेंगी।

बजट सत्र 2 अप्रैल तक चलेगा। सत्र का पहला चरण 13 फरवरी को समाप्त होगा, जबकि दूसरा चरण 9 मार्च से शुरू होगा।

प्रदेश में एक लूट दूसरी ठगी, एक डराती है तो दूसरी सिखाती है

1 शुक्रवार शनिवार की रात करीब साढ़े बारह बजे चार बदमाश घर में घुसे थे

रायखेड़ी में हथियार की नोक पर परिवार को बंधक बनाकर की 77 लाख की लूट

पुलिस जांच करती हुई

परिजनों के साथ मारपीट कर उन्हें रस्सी से बांध दिया था

हरिभूमि न्यूज ⏭ गंजबासौदा

त्योंदा थानांतर्गत ग्राम रायखेड़ी में बीती रात चार बदमाशों ने एक ग्रामीण के घर में लूट की और फरार हो गए। बदमाशों ने हथियारों की नोक पर परिवार को बंधक बनाया और आसानी से सोने, चांदी के आभूषण और नकदी लेकर फरार हो गए। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर टीमें बनाकर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

2 मोबाइल हैक करने के 20 दिन बाद खाते से रुपए निकाल लिए

ई-चालान के नाम से आई एपीके फाइल, फिर बैंक अकाउंट से निकल गए 9.42 लाख रुपए

पीडीएफ समझकर फाइल को डाउनलोड कर लिया था

हरिभूमि न्यूज ⏭ ग्वालियर

ई-चालान के नाम पर साइबर ठगी की घटनाएं लगातार हो रही हैं। अब मुरार के रहने वाले प्रॉपर्टी डील के साथ 9.42 लाख रुपए की ठगी हुई है। प्रॉपर्टी डीलर के वाट्सएप पर ई-चालान के नाम से एपीके फाइल आई। इसे उन्होंने

फाइल फोटो

पीडीएफ समझकर डाउनलोड कर लिया। इसके बाद उनका मोबाइल करीब आठ मिनट के लिए बंद हो गया। फिर मोबाइल चालू हो गया। शातिर हैकर ने मोबाइल का सारा एक्सेस ले लिया। फिर मोबाइल हैक होने के 20 दिन बाद खाते से रुपए निकाल लिए।

अर्थशास्त्री सेन ने बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया पर जताई चिंता और बोले

अमर्त्य ने 'सर' को लोकतांत्रिक भागीदारी पर खतरा बताया, चुनाव आयोग पर उठाए सवाल, इतने कम समय और 'बिना उचित तैयारी' पुनरीक्षण से लोग हो रहे परेशान

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अमर्त्य सेन ने पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यह अभ्यास 'बहुत जल्दबाजी' में किया जा रहा है और आने वाले विधानसभा चुनावों में लोकतांत्रिक भागीदारी को खतरे में डाल सकता है। एक साक्षात्कार में सेन ने कहा कि मतदाता सूची की समीक्षा का लोकतांत्रिक महत्व होता है और इसे मतदान के अधिकार को मजबूत करने के लिए सावधानीपूर्वक और पर्याप्त समय

लेकर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बंगाल में यह प्रक्रिया कम समय और बिना उचित तैयारी के की जा रही है। सेन ने कहा, पूरी तरह से और सावधानीपूर्वक की गई मतदाता सूची की समीक्षा एक अच्छा लोकतांत्रिक तरीका हो सकता है, लेकिन पश्चिम बंगाल में ऐसा नहीं हो रहा है।

यह भी कहा

- अमर्त्य सेन ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया जल्दबाजी में की जा रही है।
- उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों को अपना मताधिकार साबित करने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल रहा है।
- उन्होंने इसे मतदाताओं के खिलाफ अन्याय और भारतीय लोकतंत्र के लिए अनुचित बताया।

मेरे पास जन्म प्रमाण पत्र नहीं था

अर्थशास्त्री ने ग्रामीण क्षेत्रों में जन्मे नागरिकों की दस्तावेजों की चुनौतियों पर भी बात की। उन्होंने कहा, मैं और मेरे जैसे

कई ग्रामीण भारत में जन्मे नागरिक हैं, मेरे पास जन्म प्रमाण पत्र नहीं है और वोट देने के लिए मुझे अतिरिक्त कागजी कार्रवाई प्रस्तुत करनी पड़ी। हालांकि मेरे मामले का समाधान हो गया। हालांकि सेन ने उन नागरिकों को लेकर चिंता व्यक्त की जिनके पास ऐसी मदद उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके मित्रों ने सहायता की, लेकिन सभी के पास ऐसा सहारा नहीं होता।

सीएम ममता ने जताया कड़ा विरोध

बंगाली उपनामों को लेकर छिड़ा विवाद

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि यह बंगाल की संस्कृति और पहचान को कमतर आंकने की कोशिश है।मैं अंग्रेजी में 'ममता बनर्जी' लिखती हूं और बांग्ला में 'ममता बंद्योपाध्याय'। इसमें क्या समस्या है? मामला सदियों पुराने बंगाली उपनामों के छोटे और बड़े रूपों के बीच अंतर का है। आयोग का सॉफ्टवेयर उन लोगों पर सवाल उठा रहा है, जिनके उपनाम बदले हैं।

लोगों को बुलाया जा रहा

कोलकाता के हाजरा इलाके के निवासी स्पंदन भट्टाचार्जी जैसे कई मतदाता इसे लेकर परेशान हैं। उन्हें 29 जनवरी को सुनवाई के लिए बुलाया गया है क्योंकि उनके पिता का नाम 2002 की सूची में 'अशोक भट्टाचार्य' दर्ज है।

लंबे बंगाली उपनामों को किया था छोटा

बंद्योपाध्याय की जगह 'बनर्जी, चट्टोपाध्याय की जगह 'चटर्जी', गंगोपाध्याय की जगह गांगुली' व भट्टाचार्य की जगह भट्टाचार्जी। ब्रिटिश शासन में उच्चारण और दस्तावेजीकरण की सुगमता को लंबे बंगाली उपनामों को छोटा किया गया था।

खबर संक्षेप

मिर्जापुर धर्मांतरण केस मास्टरमाइंड इमरान अरेस्ट

मिर्जापुर। यूपी स्थित मिर्जापुर के जिम में दोस्ती कर धर्मान्तरण कराने के मामले में मुख्य आरोपी सरगना

इमरान को दिल्ली एयरपोर्ट से इमिग्रेशन डिपार्टमेंट ने गिरफ्तार कर लिया है। इमरान को शुक्रवार रात ही गिरफ्तार कर लिया गया था, जिसके बाद दिल्ली पुलिस के हवाले कर दिया गया। सूचना पर मिर्जापुर पुलिस शनिवार की सुबह दिल्ली पहुंची।

महाराष्ट्र में जीएसटी अधिकारी की मौत

बीड। महाराष्ट्र के बीड जिले में एक जीएसटी अधिकारी के मौत के मामले ने पूरे इलाके को झकझोर

कर रख दिया है। अधिकारी का शव कार में संदिग्ध स्थिति में बरामद हुआ। मामले में मृतक अधिकारी की पत्नी का कहना है कि दफ्तर में लगातार मानसिक उत्पीड़न और निजी जीवन में मिल रही धमकियों के कारण उनके पति टूटकर आत्महत्या कर ली।

कांग्रेस को बड़ा झटका सिद्दीकी ने छोड़ी पार्टी

लखनऊ। पश्चिमी यूपी में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। प्रदेश के पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता

नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने पार्टी के सभी पदों के साथ ही प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया है। उनके पार्टी छोड़ने की वजह फिलहाल साफ नहीं है लेकिन वे पार्ट से नाराज चल रहे थे। इस बीच अटकलों का बाजार गर्म है। वे फिर से बीएसपी का दामन थाम सकते हैं।

सरहिंद में रेलवे की आउटर लाइन पर ब्लास्ट

सरहिंद। गणतंत्र दिवस से पहले पंजाब में रेल लाइन पर धमाका हुआ है। शुक्रवार रात करीब नौ बजे

सरहिंद रेलवे स्टेशन की एक आउटर लाइन पर इंजन के गुजरने के दौरान धमाका हुआ। रात करीब 11 बजे इसकी सूचना राजकीय रेलवे पुलिस को दी गई। हमले में एक लोको पायलट के घायल होने की भी सूचना है। जीआरपी ने मामला दर्ज कर लिया है।

प्रधानमंत्री के भाई के घर तैनात पुलिसकर्मी को जेल

अहमदाबाद। यहां की एक मजिस्ट्रियल कोर्ट ने एक पुलिस कांस्टेबल को गुजरात निषेध

अधिनियम के प्रावधानों के तहत दोषी ठहराया और सजा सुनाई है। वह 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बड़े भाई सोमभाई मोदी के आवास पर सुरक्षा ड्यूटी के दौरान नशे की हालत में पाया गया था। लक्ष्मणसिंह परमार को 1 साल के साधारण कारावास दी है।

लखनऊ में शनिवार को यूपी दिवस पर बोले गृहमंत्री अमित शाह

उत्तर प्रदेश को बताया देश की धड़कन- आत्मा 15 लाख करोड़ की योजनाएं जमीन पर उतरीं

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

लखनऊ में शनिवार को यूपी दिवस पर कार्यक्रम हुआ। राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर 3 दिनी कार्यक्रम के पहले दिन केंद्रीय गृहमंत्री शाह पहुंचे

3 दिनी कार्यक्रम के पहले दिन शाह ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया

यह श्रीराम, कृष्ण, शिव, बुद्ध की धरती

संबोधन के दौरान गृहमंत्री शाह के साथ सीएम योगी और उपमुख्यमंत्री

राजधानी लखनऊ में शनिवार को यूपी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर चलने वाले तीन दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पहुंचे। उन्होंने यहां लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस मौके पर अमित शाह ने कहा कि 15 अगस्त 2047 को देश की आजादी का शताब्दी वर्ष होगा। यूपी विकसित उत्तर प्रदेश बनेगा। यूपी भारत की धड़कन और आत्मा है। भारत के विकास का इंजन है, और विकसित भारत का भी इंजन बनेगा। यह श्रीराम, कृष्ण, शिव, बुद्ध की धरती है। प्रेरणा स्थल पर पहली बार आया हूं।

- 'जय श्री राम' और 'भारत माता की जय' के नारे भी लगाए

यहां तीन महान विभूतियों की मूर्ति लगी है। यह स्थल राष्ट्र की जागृत का स्थल बनेगा। यह दशकों तक देश को दिशा देगा। 65 एकड़ में पहले कूड़े का पहाड़ था। भाजपा सरकार ने कूड़े को कंचन में बदला है। शाह ने 'जय श्री राम' का जयकारा लगाकर अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने 'भारत माता की जय' के भी नारे लगाए।

यूपी देश के विकास का इंजन भी बन रहा

लोगों को जोर से शाह के साथ नारे लगाए। मोदी जी ने विकसित भारत का संकल्प लिया है। योगीजी ने यूपी को विकसित बनाने का संकल्प लिया है। 15 अगस्त, 2047 को जब देश की आजादी की सदी मनाई जाएगी, तब यूपी विकसित बनेगा। विकसित भारत का अहम राज्य है। यूपी भारत की धड़कन और आत्मा है। देश के विकास का इंजन भी बन रहा है।

5 जिलों को सम्मानित किया

भाजपा सरकार ने कूड़े को कंचन में बदला है। सीएम युवा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 5 जिलों को सम्मानित। युवाओं को ऋण देंगे की व्यवस्था, 1.30 लाख युवाओं को करोड़ों का ऋण दिया है। शुभांशु शुक्ला, अलख पांडेय, सुधांशु सिंह, रश्मि आर्य को सम्मान। हरिओम पंवार को भी सम्मानित करने का मौका मिला है। लंबे समय से सुनता आया हूं। इससे लोगों को अच्छा करने का अवसर मिलेगा।

ओडीपीओ से वैश्विक पहचान मिलेगी

शाह ने शनिवार को उत्तर प्रदेश में 'एक जनपद-एक व्यंजन' योजना की शुरुआत की। इसका मकसद राज्य के 'एक जिला-एक उत्पाद' कार्यक्रम की तर्ज पर हर जिले के पारंपरिक खाने-पीने की खास चीजों को एक अलग पहचान देना है। ओडीओसी योजना की शुरुआत उत्तर प्रदेश दिवस के मौके पर राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान की गई। ओडीओपी योजना ने उत्तर प्रदेश के कई क्षेत्रीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में मदद की है। शाह ने विधानसभा चुनाव की बात करते हुए कहा कि मैं 2017 को याद करूंगा। यूपी का घोषणा पत्र बना रहा था। इसमें ओडीओपी को शामिल किया।

सरदार पटेल योजना की शुरुआत भी की

शाह ने सरदार पटेल योजना का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह 10 खराब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में काफी उपयोगी होगी। यूपी का हर जिला रोजगारयुक्त होगा। देशभर में जाने वाले को यूपी में रोजगार की व्यवस्था होगी। अपने माता-पिता की सेवा करें।

परिवारवादी पार्टियां कल्याण नहीं कर सकतीं

शाह ने कहा कि अगला साल चुनाव का साल है। यूपी के विकास के लिए प्रचंड बहुमत की सरकार बनाएं। परिवारवादी पार्टियां यूपी का कल्याण नहीं कर सकती हैं। भाजपा ही कर सकती है। मोदी, योगी ने विकास का सर्वश्रेष्ठ दिया है। डिफेंस कॉरिडोर, एक्सप्रेववे, हाईवे दिए। भ्रष्टाचार समाप्त किया। गरीब के लिए योजनाएं आईं।

योजनाओं से कृषि विकास दरे बढ़ेगी

शाह ने कहा पीएम के नेतृत्व में सीएम योगी ने योजनाओं को जमीन पर उतारा। कांग्रेस, सपा, बसपा ने बीमारू राज्य को ब्रेक थ्रू राज्य बनाया है। ये कृषि विकास दर बढ़ाने में अहम हैं।

थरूर बोले- कभी नहीं छोड़ा पार्टी का रुख

ऑपरेशन सिंदूर पर अपने बयान के लिए कभी नहीं मांगूंगा माफी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को कहा कि उन्होंने संसद में कभी भी पार्टी के रुख का उल्लंघन नहीं किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सैद्धांतिक रूप से उनकी एकमात्र सार्वजनिक असहमति ऑपरेशन सिंदूर को लेकर थी। थरूर केरल लिटरेचर फेस्टिवल में आयोजित एक सत्र के दौरान सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर उन्होंने सख्त रुख अपनाया था और वह इस अब भी बिना किसी पछतावे के इस रुख पर कायम हैं। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब इस तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं कि पार्टी नेतृत्व के साथ उनके मतभेद चल रहे हैं। इन अटकलों में यह भी शामिल है कि कोच्चि में हुए एक हालिया कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से उन्हें पर्याप्त महत्व न दिए जाने और राज्य के नेताओं की ओर से कई बार उन्हें किनारे लगाने की कोशिशों से वे नाराज हैं।

पहलगाम आतंकवादी हमला सख्त कार्रवाई हो

अपने रुख को स्पष्ट करते हुए थरूर ने कहा कि एक पर्यवेक्षक और लेखक के रूप में उन्होंने पहलगाम की घटना के बाद एक अखबार में लेख लिखा था। उस लेख में उन्होंने कहा था कि बिना सजा दिए इस मामले को नहीं छोड़ा जाना चाहिए और इसके जवाब में सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

पाकिस्तान पर सैन्य कार्रवाई पर कहा

- भारत का मुख्य ध्यान विकास पर है और उसे पाक के साथ लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष में नहीं फंसना चाहिए।
- अगर कार्रवाई हो, तो वह केवल आतंकवादी ठिकानों तक ही सीमित रहनी चाहिए।
- उन्हें हैरानी हुई कि भारत सरकार ने वही कदम उठाए, जिनकी उन्होंने सिफारिश की थी।

भारत को सर्वोपरि रखना चाहिए

उन्होंने कहा कि जवाहरलाल नेहरू ने ही वह प्रसिद्ध सवाल उठाया था- अगर भारत मर गया, तो कौन जिएगा? थरूर ने कहा कि जब भारत की प्रतिष्ठा दांव पर हो, जब भारत की सुरक्षा और दुनिया में उसकी जगह का सवाल हो, तब भारत सबसे पहले आता है। उन्होंने यह भी कहा कि बेहतर भारत के निर्माण की प्रक्रिया में राजनीतिक दलों के बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन जब राष्ट्रीय हितों की बात हो, तो भारत को सर्वोपरि रखना चाहिए।

बार काउंसिल के चुनाव पर दिया फैसला

एससी-एसटी अधिवक्ताओं के लिए इसमें सीटें आरक्षित नहीं की जाएंगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़े फैसले में राज्य बार काउंसिल और बार काउंसिल ऑफ इंडिया के चुनावों में एससी- एसटी अधिवक्ताओं के लिए सीटें आरक्षित करने के निर्देश जारी करने से इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ ने जोर दिया कि एसे आरक्षण को न्यायालय द्वारा जारी परमादेश के बजाए विधायी संशोधन से ही लागू किया जा सकता है। पीठ ने मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी।

सीजेआई बोले- बहुत देर कर दी...

न्यायिक हस्तक्षेप की सीमाओं को रेखांकित किया

सीजेआई की पीठ ने पेशेवर निकायों के भीतर सकारात्मक कार्रवाई से संबंधित मामलों में न्यायिक

हस्तक्षेप की सीमाओं को रेखांकित किया। यह फैसला यूनिवर्सल डॉ. आंबेडकर एडवोकेट्स एसोसिएशन द्वारा दायर रिट के जवाब में आया, जिसमें हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए आनुपातिक प्रतिनिधित्व या उपयुक्त कानून बनने तक अंतरिम उपाय जैसे सीट आरक्षण की मांग की गई थी।

भट्ट और बेटी पर करोड़ों की धोखाधड़ी का मामला दर्ज

मुंबई। फिल्म निर्माता विक्रम भट्ट एक बार फिर कानूनी पचड़े में फंस गए हैं। विक्रम भट्ट और उनकी बेटी कृष्णा भट्ट के खिलाफ वर्सोवा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पिता-पुत्री पर एक कारोबारी ने 13.5

करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। पुलिस में दर्ज शिकायत में आरोप लगाया गया है कि दोनों ने कारोबारी से फिल्म और अन्य बिजनेस में इन्वेस्ट करने पर भारी लाभ का वादा करके रकम ली थी। मामला दर्ज होने के बाद आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने जांच का जिम्मा संभाल लिया है। व्यापारी ने भट्ट द्वारा किए गए वादे के बाद लाभ न मिलने पर पुलिस में शिकायत की। व्यापारी ने कहा कि विक्रम और कृष्णा ने उन्हें भारी मुनाफे का आश्वासन देकर निवेश करने के लिए प्रेरित किया, लेकिन अपने वादे पूरे नहीं किए।

गणतंत्र दिवस पर दिखेगा 'ऑपरेशन सिंदूर'

नई दिल्ली। इस बार का गणतंत्र दिवस कुछ खास दिखाई देगा। इसमें सेना का शौर्य 'ऑपरेशन सिंदूर' दिखाई देगा।

हिमाचल में बारिश और बर्फबारी ने 4 महीने का सूखा किया खत्म

5 हाईवे समेत 563 सड़कें बंद, गांवों में ब्लैकआउट

एजेंसी ▶▶ शिमला

बारिश के साथ ओले भी गिरे

हिमाचल प्रदेश में 4 महीने से जारी सूखे का दौर भारी बर्फबारी और बारिश के साथ खत्म हो गया है। शुक्रवार को प्रदेश के कई इलाके बर्फ से लकदक हो गए। पहाड़ों की रानी शिमला, मनाली, डलहौजी और चायल जैसे पर्यटन स्थलों में सीजन का पहला हिमपात हुआ है। निचले क्षेत्रों में झमाझम बारिश के साथ कई स्थानों पर ओले भी गिरे हैं। भारी बर्फबारी-बारिश से 5नेशनल हाईवे समेत प्रदेश में 563 सड़कें बंद हो गई हैं। प्रदेश के कई इलाके कट गए हैं। प्रदेश में 10,384 ट्रांसफार्मर ठप होने से सैकड़ों गांवों में बिजली नहीं है।

शिमला, मनाली, डलहौजी और चायल में सीजन का पहला हिमपात

148 को किया गया रेस्क्यू, पर्यटक फंसे

शिमला मे बर्फबारी के बीच पर्यटक

कुफरी-फागू से 100 और आनी के रघुपुरगढ़ से 48 को किया रेस्क्यू किया गया है। बारिश-बर्फबारी से फसलों को संजीवनी के साथ पर्यटन को भी पंख लगने की उम्मीद है। शिमला-मनाली में पर्यटकों ने मस्ती की। उधर, मनाली और बंजार उपमंडल के सभी शैक्षणिक संस्थानों में अवकाश घोषित किया गया है। मनाली विंटर कार्निवल के सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं।

बर्फीला तूफान भी चला आवागमन ठप

शिमला, लाहौल-स्पीति में बर्फीला तूफान भी चला। तूफान के बीच पैदल चलना भी मुश्किल हो गया। सैकड़ों पर्यटक वाहन बर्फ में घंटों फंसे रहे। आनी-कुल्लू, शिमला-किन्नौर, मनाली-लेह, हाटकोटी-पांवटा साहिब व चंबा-भरमौर एनएच समेत सैकड़ों सड़कें बंद होने से परिवहन सेवाएं भी ठप हो गई है।

कई शहरों से उड़ानें रद्द रहीं

शुक्रवार को कांगड़ा, कुल्लू और शिमला हवाई अड्डों पर उड़ानें रद्द रहीं। कालका-शिमला ट्रैक पर पेड़ गिरने से 3-4 घंटे तक ट्रेनें बाधित रहीं। चौहार घाटी व छोटा भंगाल के सभी गांवों में दो से 20 सेमी तक बर्फबारी रिकार्ड की गई है। चंबा में शुक्रवार को एक से डेढ़ फीट और निचले क्षेत्रों में 25.4 सेमी हिमपात हुआ। तेज हवाएं चलने से भरमौर की गाण, सुनारा और छतराड़ी पंचायतों में 12 मकानों की छतें उड़ गईं। लाहौल का संपर्क कुल्लू से कट गया।

एनसीपी की दोनों जगह भूमिका अहम

अकोला-सांगली में भाजपा बहुमत से चूकी, शरद पर 'टिकी' निगाहें

एजेंसी ▶▶ अंकोला

महाराष्ट्र की नगर राजनीति में नया समीकरण उभर आया है। सांगली और अकोला नगर निगमों में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, लेकिन बहुमत से चूक गई है। ऐसे में एनसीपी (एसपी) दोनों निकायों में निर्णायक भूमिका में है। 3-3 पार्षदों के साथ यह सत्ता गठन की दिशा तय करने वाला बन गया है। 78 सदस्यीय सांगली-मिरज-कुपवाड़ में भाजपा को 39 सीटें मिली हैं, जबकि बहुमत के लिए 40 की जरूरत है। कांग्रेस को 18, अजित को 16, शिंदे को 2 सीटें मिलीं हैं।

समर्थन को लेकर बातचीत तेज हो गई

दोनों नगर निगमों में सत्ता गठन के लिए तेज राजनीतिक बातचीत चल रही है। भाजपा को बहुमत के लिए या तो छोटे दलों का साथ चाहिए या निर्दलीयों का समर्थन। इस बीच खबरें हैं कि एनसीपी (एसपी) के पार्षद भाजपा के संपर्क में हैं।

इसरो की महत्वाकांक्षी परियोजना शुरू

स्थाई स्वदेशी स्पेस स्टेशन निर्माण के लिए बुलाई निविदा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) की आधारशिला रखने की प्रक्रिया तेज कर दी है। योजना के अनुसार, इसका पहला मॉड्यूल वर्ष 2028 तक अंतरिक्ष में भेजा जाएगा, जबकि 2035 तक इसे पूरी तरह से वर्किंग स्पेस स्टेशन के रूप में विकसित किया जाएगा। इसरो के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र ने हाल ही में भारतीय कंपनियों से 'एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (इओआई)' जारी कर बीएएस-01 नामक पहले मॉड्यूल के निर्माण में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया है।

यह पहली बार है जब भारत ने अपने स्थाई मानवयुक्त अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण की दिशा में औपचारिक और ठोस कदम उठाया है। बीएएस के माध्यम से लक्ष्य अंतरिक्ष में लंबे समय तक इंसानी उपस्थिति स्थापित करना है। भारत अब केवल अंतरिक्ष में जाने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वहां रहकर वैज्ञानिक शोध और तकनीकी प्रयोग भी करेगा।

- इसरो कंपनियों को कच्चा माल तकनीकी ड्रॉइंग और थ्री-डी मॉडल देगा
- कंपनियों को किसी महत्वपूर्ण प्रक्रिया को आउटसोर्स करने की अनुमति नहीं

योजना के अनुसार, इसका पहला मॉड्यूल वर्ष 2028 तक अंतरिक्ष में भेजा जाएगा जबकि 2035 तक इसे पूरी तरह से वर्किंग स्पेस स्टेशन के रूप में विकसित किया जाएगा

अंतरिक्ष में इस तरह दिखेगा स्वदेशी स्पेस स्टेशन

पूरी तरह से स्वदेशी

इस परियोजना की एक खास बात यह है कि यह पूरी तरह भारतीय प्रयास होगा। सरकार की ओर से उत्पादन सुविधाएं स्थापित करने के लिए कोई वित्तीय सहायता नहीं दी जाएगी और न ही किसी महत्वपूर्ण प्रक्रिया को आउटसोर्स करने की अनुमति होगी। इसरो कंपनियों को कच्चा माल, तकनीकी ड्रॉइंग और थ्री-डी मॉडल उपलब्ध कराएगा।

उच्च मानकों का पालन करना होगा

इसरो ने दो पूर्ण सेट मॉड्यूल धरती पर तैयार करने की योजना बनाई है, ताकि परीक्षण और गुणवत्ता मूल्यांकन के बाद सर्वश्रेष्ठ हार्डवेयर को अंतरिक्ष में भेजा जा सके। यह कार्य सामान्य निर्माण प्रक्रिया से कहीं अधिक जटिल है। कंपनियों को विशेष वेल्डिंग तकनीकों का विकास करना होगा और उच्च मानकों का पालन करना होगा।

भारत चुनिंदा देशों में शामिल होगा

यह उपलब्धि भारत को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में ला खड़ा करेगी, जिन्होंने न केवल अंतरिक्ष में मानव भेजा है, बल्कि वहां स्थायी मानव उपस्थिति स्थापित करने की क्षमता भी हासिल की है। यह भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के इतिहास में एक नया अध्याय होगा और आने वाले दशकों में देश की वैज्ञानिक क्षमताओं को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक बनेगा।

बीएएस-01 नामक मॉड्यूल का निर्माण किया जाएगा

बीएएस-01 मॉड्यूल का स्ट्रक्चर अल्ट्रा मॉडर्न होगा। प्रत्येक मॉड्यूल का व्यास लगभग 3.8 मीटर और ऊंचाई करीब 8 मीटर होगी। इन्हें हाई-पावर्ड एल्यूमिनियम एलॉय (एए-2219) से तैयार किया जाएगा, जो ह्यूमन मिशनों के लिए मान्यता प्राप्त सामग्री है। इसरो ने स्पष्ट किया है कि इन मॉड्यूल्स को वही सुरक्षा और गुणवत्ता मानक पूरे करने होंगे, जो गगनयान मिशन के लिए अनिवार्य हैं, क्योंकि भविष्य में अंतरिक्ष यात्री इन्हीं मॉड्यूल्स के भीतर रहकर काम करेंगे।

कई तरह के अनुसंधान हो सकेंगे: *इसरो का मानना है कि भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन देश के वैज्ञानिक और तकनीकी भविष्य में अहम भूमिका निभाएगा। यहां माइक्रोग्रैविटी में दीर्घकालिक प्रयोग किए जा सकेंगे। मानव शरीर पर अंतरिक्ष वातावरण के प्रभावों का अध्ययन होगा और नई तकनीकों का परीक्षण करेंगे।*

खबर संक्षेप

इंडोनेशिया में भूस्खलन से 8 की मौत, 82 लापता

जकार्ता। इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा में शनिवार की तड़के मूसलाधार बारिश के कारण हुए

भूस्खलन में कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई और 82 अन्य लापता हो गए। बचावकर्मी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहारी ने बताया कि मलबे और कीचड़ में दबे होने की आशंका में 82 ग्रामीणों की तलाश के लिए बचाव दल अभियान चला रहे हैं, जबकि 24 लोग सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे। तड़के लगभग तीन बजे हुए भूस्खलन में सबसे अधिक प्रभावित पासिर कुनिंग बस्ती में कई लोग बह गए।

मेटा ने किशोरों के लिए 'एआई कैरेक्टर' बैन किया

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका की सोशल मीडिया कंपनी मेटा ने कहा है कि वह किशोरों के लिए 'एआई

कैरेक्टर' तक पहुंच को अस्थायी रूप से रोक रही है। कंपनी ने शुक्रवार को एक ब्लॉग पोस्ट में इसकी जानकारी दी। इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप की मालिकाना हक वाली कंपनी 'मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक' ने बताया कि आने वाले कुछ हफ्तों में किशोरों को 'एआई कैरेक्टर' (एआई आधारित डिजिटल किरदार) तक पहुंच नहीं दी जाएगी और यह रोक तब तक लागू रहेगी, जब तक इसका नया और बेहतर संस्करण तैयार नहीं हो जाता।

मानवाधिकार परिषद में ईरान के साथ खड़े हुए भारत, पाकिस्तान और चीन

ईरान के खिलाफ लाए गए निंदा प्रस्ताव के विरोध में की वोटिंग, बताया पश्चिमी एजेंडा

एजेंसी ▶▶ जिनेवा

भारत ने सीधे विरोध में वोट डालकर यह भी संदेश देने की कोशिश की है कि वह दोहरा मापदंडों के खिलाफ खड़ा है और मानवाधिकार उल्लंघन के नाम पर किसी देश के अंदरूनी मामलों में दखलंदाजी को स्वीकार नहीं करेगा। 25 वोट होने के कारण यह प्रस्ताव परिषद में पारित हो गया

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 39वें विशेष सत्र में शुक्रवार को भारत ने पश्चिमी देशों, खासकर अमेरिका को चौंका दिया। दरअसल, इस सत्र में ईरान में मानवाधिकारों की स्थिति को लेकर पश्चिमी देशों की ओर से एक निंदा प्रस्ताव पेश किया गया। लेकिन भारत ने खुले तौर पर इसमें ईरान का साथ दिया और इस प्रस्ताव के विरोध में वोट किया। पश्चिमी देशों की ओर से प्रस्ताव संख्या ए/ एचआरसी/ एस/एल1 पेश किया गया, जिस पर मतदान किया गया।

- 25 देशों ने पक्ष में दिए वोट, प्रस्ताव पारित

इस प्रस्ताव का मकसद 'इस्लामी गणराज्य ईरान में मानवाधिकारों की बिगड़ती स्थिति' की निंदा करना था। खासतौर पर ईरान में पिछले महीने भड़के विरोध प्रदर्शनों और हजारों लोगों की मौतों के मद्देनजर यह प्रस्ताव लाया गया था। पश्चिमी देश चाहते थे कि संयुक्त राष्ट्र ईरान पर सख्त रुख अपनाए। लेकिन वैश्विक दक्षिण के कई अहम देशों ने इसे खारिज किया और पश्चिमी एजेंडा करार दिया।

भारत की विदेश नीति में बदलाव का संकेत

यूनाइटेड नेशन्स

14 देश तटस्थ रहे

वहीं, वैश्विक दक्षिण के कई देशों ने मतदान से दूरी बनाई। कुल 14 सदस्यों देशों ने मतदान से परहेज किया। यानी इन देशों ने वोटिंग के दौरान तटस्थ रहने का विकल्प चुना। इनमें ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, कतर, कुवैत, मलयेशिया और बांग्लादेश शामिल हैं।

47 सदस्यीय परिषद में पेश किया गया

प्रस्ताव में तेहरान से मानवाधिकार उल्लंघन को रोकने की मांग की गई थी। इसे 47 सदस्यीय परिषद में पेश किया गया। परिषद के 25 सदस्यों ने इसके पक्ष में मतदान किया। इनमें प्रमुख रूप फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, जापान, दक्षिण कोरिया, अर्जेंटीना, कोस्टा रिका, चिली जैसे देश शामिल थे। जबकि 14 सदस्य देश इसमें तटस्थ रहे। 7 देशों ने इस प्रस्ताव के खिलाफ वोट किया।

...अब भारत पश्चिम के दबाव में नहीं

पारंपरिक रूप से विवादित अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर तटस्थ रहने की नीति अपनाता रहा है। लेकिन इस बार उसने सीधे विपक्ष में वोट दिया है। इसके भारत की विदेश नीति में बदलाव का संकेत माना जा रहा है। अमेरिका की ओर से भारी टैरिफ लगाए जाने के बाद से दोनों देशों के संबंधों में तनाव है। यूएनएचआरसी में अपने वोट से भारत ने स्पष्ट किया है कि वह पश्चिम के किसी भी दबाव में नहीं आएगा। ईरान के साथ भी भारत के मजबूत संबंध रहे हैं।

तटस्थ रहने के बजाए इस बार भारत की सीधे 'ना'

आम तौर पर भारत इस तरह के विवादित प्रस्तावों पर सीधे 'हां' या 'ना' वोट देने की बजाए 'तटस्थ' रहने की कूटनीति अपनाता रहा है। लेकिन इस बार उसने तटस्थ रहने के बजाए सीधे 'ना' वोट किया। जिन देशों ने इस प्रस्ताव के खिलाफ वोट किया उनमें भारत, चीन, पाकिस्तान, इराक, वियतनाम, इंडोनेशिया और क्यूबा शामिल थे। यह दुर्लभ मौका था, जब किसी अंतरराष्ट्रीय पर भारत और उसके पड़ोसी देश चीन व पाकिस्तान ने एक ही पक्ष की तरफ वोट किया।

दोहरे मापदंडों के खिलाफ भारत

अमेरिकी की ओर से सख्त प्रतिबंध लगाए जाने से ईरान भारत की उर्जा जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभाता रहा। इसके अलावा, रणनीति रूप से महत्वपूर्ण चाबहार बंदरगाह जैसी परियोजनाओं के लिए ईरान भारत के अहम है। भारत ने सीधे विरोध में वोट डालकर यह भी संदेश देने की कोशिश की है कि वह दोहरा मापदंडों के खिलाफ खड़ा है और मानवाधिकार उल्लंघन के नाम पर किसी देश के अंदरूनी मामलों में दखलंदाजी को स्वीकार नहीं करेगा। हालांकि, 25 वोट होने के कारण यह प्रस्ताव परिषद में पारित हो गया।

जापान ने वीजा नियम बदले

वैध जापान वीजा वाले भारतीय कर सकेंगे 7 अन्य देशों की यात्रा

भारत और जापान के विदेश मंत्रियों की बैठक फाइल फोटो

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हाल ही में जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी तीन दिवसीय दौरे पर भारत पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से मुलाकात की। इस बैठक के बाद आई जानकारी के अनुसार, जापान ने भारतीय नागरिकों के लिए अपने वीजा नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। इसके तहत जापान का वैध वीजा रखने वाले भारतीय यात्रियों को कई अन्य देशों की यात्रा में भी सुविधा मिलेगी, जिससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी।

नए नियमों के अनुसार, वैध जापान वीजा वाले भारतीय पासपोर्ट होल्डर अब सात अन्य देशों की यात्रा कर सकेंगे। ये देश यूरोप, एशिया, मिडिल ईस्ट और नॉर्थ अमेरिका में स्थित हैं और यात्रा संबंधित देशों की शर्तों पर निर्भर करेगी। इन देशों में जॉर्जिया, फिलीपींस, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात, ताइवान, मोंटेनेग्रो और मेक्सिको शामिल हैं।

रणनीतिक साझेदारी के 75 साल पूरे

भारत और जापान वर्ष 2027 में अपनी रणनीतिक साझेदारी के 75 वर्ष पूरे करेंगे। वहीं, इसी साल जापान की 'फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक' (एफओआईपी) रणनीति की 10वीं वर्षगांठ भी है। ऐसे में दोनों देशों के बीच बढ़ता सहयोग खास महत्व रखता है। हाल ही में हुई बैठक में दोनों देशों ने 2026 की पहली तिमाही में प्राइवेट-सेक्टर डायलॉग ऑन इकोनॉमिक सिक्योरिटी शुरू करने पर सहमति जताई है। इस संवाद में सेमीकंडक्टर, जरूरी मिनरल, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी), क्लीन एनर्जी और फार्मास्यूटिकल्स-इन पांच प्राथमिक क्षेत्रों पर फोकस किया जाएगा।

रेयर अर्थ तत्वों की आपूर्ति करेंगे

दोनों देशों ने वैश्विक निर्भरता को कम करने के उद्देश्य से और अपनी अर्थव्यवस्थाओं के लिए जरूरी बैटरी और चिप्स निर्माण में उपयोग होने वाले रेयर अर्थ तत्वों की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आपसी सहयोग को बढ़ावा देंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ाने के लिए जापान-इंडिया एआई कोऑपरेशन इनिशिएटिव (जेएआई) के तहत जापान-भारत एआई स्ट्रेटेजिक डायलॉग को और मजबूत किया गया है।

गुवाहाटी में पतंग महोत्सव

गुवाहाटी। असम की राजधानी गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे 15वें जीवन पतंग महोत्सव के दौरान लोग पतंग उड़ाते हुए। यह पतंग उत्सव मुख्य रूप से ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर, मछखोवा बालू घाट में आयोजित किया जाता है। जीवन इनिशिएटिव द्वारा आयोजित लोकप्रिय 'जीवन पतंग नदी महोत्सव' के दिन रंग-बिरंगी पतंगों, सांस्कृतिक शो और स्थानीय व्यंजनों के साथ मनाया जाता है। यह उत्सव बसंत पंचमी से प्रारंभ होकर कई दिनों तक चलता है।

मामूली पारिवारिक विवाद 'मातम' में बदला

भारतीय मूल के व्यक्ति ने पत्नी को गोली मारी, 3 रिश्तेदारों की भी हत्या

आरोपी विजय कुमार पत्नी मीमू डोगरा

एजेंसी ▶▶ जॉर्जिया

अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में पारिवारिक विवाद के कारण भारतीय मूल के 51 वर्षीय व्यक्ति को पत्नी और तीन रिश्तेदारों की गोली मारकर हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। ग्विनेट काउंटी पुलिस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि आरोपी विजय कुमार को लॉरेंसविले शहर में उस आवास से थोड़ी ही दूरी पर हिरासत में लिया गया।

पुलिस ने मरने वालों की पहचान कुमार की पत्नी मीमू डोगरा (43) जो भारतीय नागरिक है और रिश्तेदारों गौरव कुमार (33), निधि चंदर (37) और हरीश चंदर (38) के रूप में की है। अटलांटा स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने गोलीबारी की घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि कथित हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है और पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है।

अमेरिका के 18 राज्यों में बर्फीले तूफान का खतरा

आपातकाल घोषित, 20 करोड़ लोगों पर आफत, 9000 से ज्यादा फ्लाइट्स रद्द कीं

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका में बर्फीले तूफान की चेतावनी के बाद 18 राज्यों में इमरजेंसी ने घोषित कर दी गई है। वहीं शनिवार को अमेरिका में 3,259 से अधिक उड़ानें और रविवार को करीब 5,826 से उड़ानें रद्द हुईं।

नेशनल वेदर सर्विस के मुताबिक, 20 करोड़ यानी करीब दो-तिहाई अमेरिकी इस तूफान की चपेट में आ सकते हैं। तूफान के डर से लोग ग्रॉसरी स्टोर पर जमा हो रहे हैं। कई दुकानों में पानी, अंडे, मक्खन और मीट की कमी हो गई है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि तूफान के साथ भारी बर्फबारी, बारिश और ठंड आएगी, जिससे हालात बेहद खतरनाक हो सकते हैं।

अमेरिका के कई राज्यों में बर्फबारी से सड़कें ढंक गई।

एयर इंडिया ने न्यूयॉर्क जाने वाली फ्लाइट कैंसिल की

भीषण तूफान के कारण एयर इंडिया ने 25 और 26 जनवरी को न्यूयॉर्क और नेवार्क से आने-जाने वाली अपनी सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। यात्रा संबंधी सलाह में, एयरलाइन ने कहा कि रविवार की सुबह से सोमवार तक न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और आसपास के क्षेत्रों में भारी बर्फबारी होने की संभावना है, जिससे उड़ान संचालन में दिक्कत हो सकती है।

रूबिक्स डेटा साइंसेज की रिपोर्ट में खुलासा, भारत-ईयू एफटीए से निर्यात क्षेत्र को मजबूती

11 अरब डॉलर तक लाभ होने की संभावना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यूरोपीय यूनियन (ईयू) के साथ प्रस्तावित फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) से भारतीय निर्यातकों के लिए 10-11 अरब डॉलर के अतिरिक्त निर्यात के अवसर खुलेंगे। यह जानकारी शुक्रवार को जारी की गई रिपोर्ट में दी गई। रूबिक्स डेटा साइंसेज की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया कि भारत इस अतिरिक्त निर्यात को बिना क्षमता बढ़ाए केवल अमेरिकी टैरिफ से प्रभावित हुए निर्यात रिडायरेक्ट करके पूरी कर सकता है।

भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात में टॉप 15 उत्पाद श्रेणी का हिस्सा लगभग 52 प्रतिशत है, जिसकी वैल्यू करीब 45 अरब डॉलर है। इनमें से 12 श्रेणी में करीब 21 अरब डॉलर का निर्यात होता है, जिनकी अभी ईयू के आयात बास्केट में सीमित मौजूदगी है।

अमेरिकी को 50% निर्यात किए बगैर भारत पा लेगा लक्ष्य

भारत और यूरोपीयन यूनियन का झंडा

ईयू भारत में बड़ा निवेशक

रिपोर्ट में आगे बताया गया कि 21.1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला देशों का समूह ईयू की वृद्धि दर 1.4 प्रतिशत पर है। बड़ी अर्थव्यवस्थाओं जर्मनी, फ्रांस और इटली में मंदी देखी जा रही है। व्यापार के अतिरिक्त ईयू भारत में बड़ा विदेशी निवेशक है। अप्रैल 2000 से लेकर दिसंबर 2024 तक ईयू ने भारत में कुल 119.2 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश किया है, जो कि देश के कुल एफडीआई प्रवाह का 16.5 प्रतिशत है।

भारत को मिलेगा ईयू का बड़ा बाजार

रिपोर्ट में बताया गया कि अगर इन निर्यात का 50 प्रतिशत भी टैरिफ में कमी और बेहतर मार्केट एक्सेस के जरिए धीरे-धीरे ईयू की तरफ मोड़ दिया जाता है, तो यह बदलाव भारत-ईयू व्यापार समीकरण को काफी हद तक बदल सकता है। भारत को ईयू देशों का एक बड़ा बाजार मिल जाएगा। हालांकि, भारत-ईयू द्विपक्षीय व्यापार बीते तीन वर्ष (वित्त वर्ष 23 से वित्त वर्ष 25) के बीच 136.5 अरब डॉलर पर सपाट बना हुआ है। वित्त वर्ष 25 में ईयू, यूएस को पछाड़कर भारत का सबसे बड़ा द्विपक्षीय साझेदार था।

भारत से 70% निर्यात ईयू के 5 देशों को

भारत की ईयू के आयात में हिस्सेदारी सिर्फ 2.9 प्रतिशत और उसके निर्यात में हिस्सेदारी 1.9 प्रतिशत है, जो रणनीतिक इरादे और असल में हुए ट्रेड नतीजों के बीच के अंतर को दिखाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का ईयू को ट्रेड फ्लो भी बहुत ज्यादा केंद्रित है, जिसमें भारत का ईयू को होने वाला 70 प्रतिशत से ज्यादा एक्सपोर्ट सिर्फ पांच सदस्य देशों को होता है।

विदेशों में छिपे 71 भगोड़ों ट्रेस हुए 47 अनुरोधों पर कार्रवाई की मंजूरी

नई दिल्ली। पिछले एक साल में सीबीआई को भगोड़ों के खिलाफ बड़ी सफलता हाथ लगी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत को वांछित 70 से ज्यादा अपराधियों और भगोड़ों को विदेशों में ढूंढ लिया गया है। वहीं, इसी दौरान भारत में छिपे दूसरे देशों के 203 भगोड़ों का भी पता लगाया गया है। केंद्र सरकार के कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट में बताया गया है कि 2024-25 के दौरान कुल 71 भगोड़ों की लोकेशन विदेशों में ट्रेस की गई। विदेशों में छिपे भारतीय भगोड़ों को ना केवल ट्रेस किया गया, बल्कि पिछले वित्तीय वर्ष में 27 भगोड़ों को विदेश से भारत वापस भी लाया गया है।

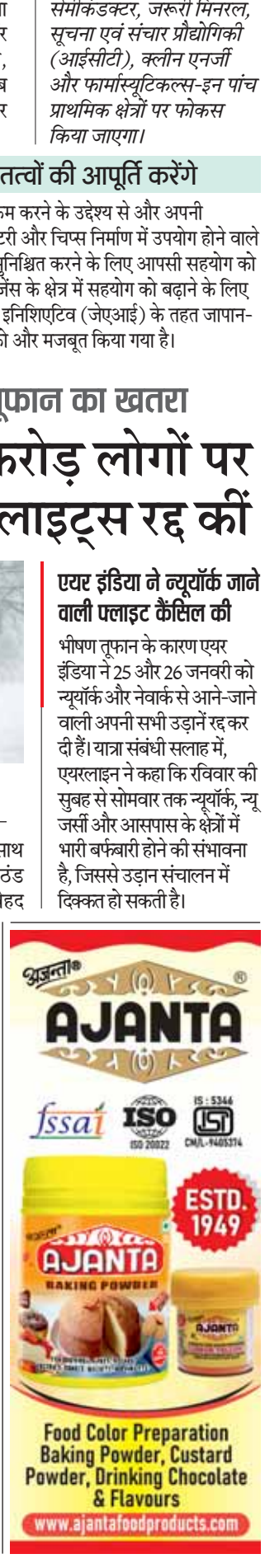

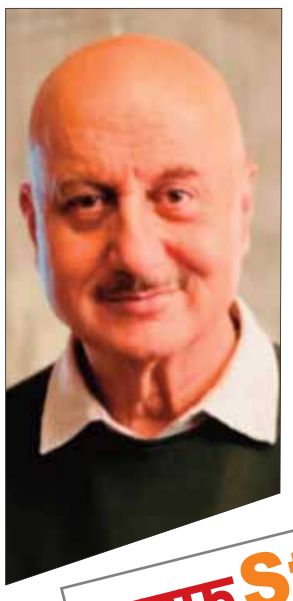

अनुपम ने 'खोसला का घोसला 2' की रिलीज से उठाया पर्दा

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने 'खोसला का घोसला 2' पर अपनी खुशी जाहिर की है। साल 2006 में इसी नाम से रिलीज फिल्म का सीक्वल बन रहा है जिससे जुड़े अपडेट सोशल मीडिया पर लोगों की उत्सुकता को बढ़ा रहे हैं। करीब 19 साल के बाद फिल्म के सितारों को दोबारा सीक्वल में देखना लोगों के लिए काफी दिलचस्प होगा। इसी उत्सुकता के बीच, अनुपम ने सीक्वल की रिलीज को लेकर बड़ा अपडेट साझा कर दिया है। एक इंटरव्यू में बातचीत में, अनुपम ने स्वीकारा कि 'खोसला का घोसला 2' की घोषणा के बाद लोगों द्वारा मिलने वाली सराहना ने उन्हें चौंकाया है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता था कि इस फिल्म की इतनी लोकप्रियता होगी।

लाइफ Style

नेहा

दुनियादारी से दूरी बनाने का ऐलान

एजेंसी ▶▶ मुंबई

नेहा कक्कड़ को पिछले दिनों 'कैंडी शॉप' गाने को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। अब गायिका ने सोशल मीडिया पर फिर से हलचल मचा दी है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर 2 पोस्ट साझा किए।

पहली पोस्ट में गायिका ने कामकाजी और रिश्तों से दूरी बनाने का ऐलान किया, जबकि दूसरी पोस्ट में पैपराजी से उनकी निजता का सम्मान करने की उम्मीद की। हैरानी की बात ये है कि कुछ देर बाद नेहा ने इन पोस्ट को डिलीट कर दिया। इंस्टाग्राम स्टोरी पर नेहा ने लिखा, 'जिम्मेदारियों, रिश्तों, काम और उन सभी चीजों से कुछ वक्त के लिए ब्रेक लेने का समय आ गया है जिनके बारे में मैं अभी सोच सकती हूं। नहीं पता कि मैं वापस आऊंगी या नहीं। धन्यवाद।' उन्होंने आगे लिखा, 'मैं पैपराजी और फैंस से निवेदन करती हूं कि मेरा वीडियो न बनाएं मुझे उम्मीद है कि आप मेरी निजता का सम्मान करेंगे। मुझे इस दुनिया में स्वतंत्र रूप से जीने देंगे।' नेहा और उनके भाई टोनी कक्कड़ ने 15 दिसंबर, 2025 को अपना सिंगल गाना 'कैंडी शॉप' रिलीज किया था। सोशल मीडिया पर इसे जमकर ट्रोल किया गया था। लोगों ने गाने में मौजूद डांस स्टेप्स को घटिया और अश्लील बताते हुए गायिकों पर के-पॉप कलाकारों की नकल करने का आरोप लगाया था। इस विवाद के करीब एक महीने बाद नेहा की नई पोस्ट ने लोगों का ध्यान खींचा है, जिसे कुछ ही देर में उन्होंने डिलीट कर दिया।

हॉलीवुड मसाला

ऑस्कर की सूची में अभिनेता

लियोनार्डो

लॉस एंजिल्स। ऑस्कर 2026 के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेताओं की नामांकन सूची जारी कर दी गई है, जिसमें लियोनार्डो डिकैप्रियो का बोलबाला देखने को मिला है। अकेडमी अवॉर्ड्स ने अभिनेता को उनकी फिल्म 'वन बैटल आफ्टर अनदर' (2025) के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता की नामांकन सूची में शामिल किया है। उनके अलावा, टिमोथी चालमेट को 'मार्टी सुप्रीम' के लिए नामांकन मिला है।
इस रेस में माइकल बी जॉर्डन, ईथन हॉक और वैगनर मौरा भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराने में कामयाब रहे।

ऑस्कर 2026 में अभिनेत्री की श्रेणी एम्मा शामिल...

लॉस एंजिल्स। ऑस्कर 2026 की सबसे प्रतिष्ठित श्रेणियों में से एक सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए मुकाबला इस बार बेहद कड़ा होने वाला है। अकेडमी अवॉर्ड्स ने इस साल उन 5 अभिनेत्रियों के नामों को नामांकन की सूची में शामिल किया, जिन्होंने अपने असाधारण अभिनय से पर्दे पर अपना खूब जादू बिखेरा। इस दौड़ में जहां एम्मा स्टोन जैसी दिग्गज अभिनेत्री एक बार फिर अपनी धाक जमाती दिख रही हैं, वहीं अभिनेत्री जेसी बकले ने भी अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की श्रेणी में एम्मा को उनकी फिल्म 'बुगोनिया' के लिए नामांकन मिला है। उनके अलावा 4 अन्य अभिनेत्रियों ने भी अपनी दमदार परफॉर्मेंस के दम पर इस प्रतिष्ठित सूची में जगह बनाई है।

अब 'द-50' शो की ज्वॉइन

टीवी से बनाई दूरी

मुंबई। कुछ समय तक लाइमलाइट से दूर रहने के बाद, उर्वशी ढोलकिया अपनी शर्तों पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। टीवी पर अपनी यादगार भूमिकाओं के लिए मशहूर ये अदाकारा अब रियलिटी शो 'द 50' में नजर आने वाली हैं, जिसे वह अपने अब तक के सभी कामों से बिल्कुल अलग बताती हैं। उर्वशी के लिए, यह फैसला टेलीविजन से लंबे समय तक खुद को अलग रखने के बाद खुद को चुनौती देने की दिशा में उठाया गया एक कदम है। न्यूज 18 की रिपोर्ट के मुताबिक शो में शामिल होने के पीछे का कारण बताते हुए उर्वशी कहती हैं, मैं काफी लंबे समय से आराम कर रही थी, और अब समय आ गया था कि मैं खुद को एक बार फिर थोड़ी और चुनौती दूं। वे 'द 50' को अनप्रिडिक्टिबेल बताते हुए कहती हैं, इस शो का अपना अलग ही अंदाज है।

'बाल तन्हाजी' की दिखाई

पहली झलक...

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने अपनी नई प्रोडक्शन कंपनी, लेंस वॉल्ट स्टूडियोज के तहत बनी पहली AI जनरेटिव फिल्म 'बाल तन्हाजी' का दीदार दुनिया से करवाया है। यूट्यूब पर फिल्म का टीजर जारी हुआ है जिसने उनकी 2020 में आई सुपरहिट फिल्म 'तान्हाजीः द अनसंग वॉरियर' की यादों को ताजा कर दिया। दरअसल निर्माताओं ने इसके जरिए 'तान्हाजी' फ्रैंचाइजी का विस्तार किया है। फिल्म की ऐतिहासिक कहानी को एआई-आधारित कथा में रूपांतरित करना निर्माताओं के लिए खास कदम है। निर्माताओं ने एआई निर्मित 'बाल तन्हाजी' का टीजर जारी करते हुए कैप्शन दिया, 'महान योद्धा गौरवशाली जीवन में जन्म नहीं लेते। वे मौन में गढ़े जाते हैं। अनगिनत वर्षों में एक योद्धा का निर्माण होता है।

टीवी मसाला

पोपटलाल की लव स्टोरी, मंदिर में की थी शादी व एनएसडी में रिसेप्शन

मुंबई। तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो में कई बार पोपटलाल की शादी के ट्रैक को दिखाया गया है लेकिन, हर बार वो दूल्हा बनते-बनते रह गए। ऐसे में दर्शकों को उस दिन का बेसब्री से इंतजार है, जिस दिन पोपटलाल घोड़ी चढ़ेंगे। हालांकि, अब ऐसा लग रहा है कि दर्शकों का ये इंतजार खत्म होने वाला है। तारक मेहता शो में पोपटलाल की शादी होने जा रही है, इसी बीच एक मजेदार ट्विस्ट भी देखने को मिलेगा। अब तो पोपटलाल की शादी के लिए टीम जयपुर भी पहुंच चुकी है। वैसे आपको बता दें कि पोपटलाल की भूमिका निभाने वाले श्याम पाठक रियल लाइफ में मैरिड हैं और तीन बच्चों के पिता हैं। श्याम पाठक की लव स्टोरी बेहद ही फिल्मी है और एनएसडी से तो इसका खास कनेक्शन है। श्याम पाठक का रियल नेम श्याम नवनीत भाई पाठक है। उनकी लाइफ में एनएसडी का बेहद ही अहम रोल रहा है। दरअसल, यहीं से पढ़ाई करते वक्त उनकी मुलाकात उनकी जिंदगी के प्यार और हमसफर रेशमी से हुई थी।

एनएसडी में हुई थी रेशमी से मुलाकात : वैसे तो श्याम पाठक चार्टेड काउंटेंट थे और इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टेड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया में पढ़ रहे थे, पर उसे छोड़कर उन्होंने एनएसडी में एडमिशन ले लिया। क्योंकि वो एक्टर बनना चाहते थे। वहीं उनकी मुलाकात रेशमी से हो गई। श्याम पाठक जहां एक्टिंग सीख रहे थे, वहीं रेशमी डायरेक्शन और प्रोडक्शन सीख रही थीं। धीरे-धीरे दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो गया और उन्होंने शादी करने का फैसला कर लिया। हालांकि, श्याम पाठक के परिवारवाले इस शादी के खिलाफ थे क्योंकि, श्याम पाठक गुजराती हैं और रेशमी केरल से ताल्लुक रखती हैं। वहीं, रेशमी के घरवालों को भी ये रिश्ता मंजूर नहीं था।

'तारक मेहता का ...' में सोनू नहीं करेंगी वापसी

मुंबई। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में सोनू की भूमिका निभाकर पॉपुलैरिटी हासिल करने वाली झील मेहता किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। झील आज

जिस मुकाम पर हैं, उसके पीछे उनकी कड़ी मेहनत है। झील मेहता ने काफी पहले ही तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो छोड़ दिया था लेकिन, आज भी उनके फैंस उन्हें काफी मिस करते हैं और उनकी वापसी का इंतजार करते हैं। झील मेहता ने हाल ही में आस्क मी एनीथिंग सेशन रखा था। ऐसे में एक फैन ने उनसे पूछा कि क्या उन्हें फिर से सोनू का रोल ऑफर होगा तो शो में वापसी करेंगी। इस सवाल पर झील मेहता ने अपना इमोशनल रिएक्शन दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि नहीं, मैं कभी वापसी नहीं करूंगी। झील ने आगे कहा कि मैं उस वक्त को काफी संजोय कर रखूंगी जो उस शो की वजह से मैंने जिया है लेकिन, अब यूनिवर्स ने मेरे लिए कुछ और ही सोचा है। अपना रिएक्शन देते हुए झील ने हॉर्ट की इमोजी भी लगाई, जिससे देख ऐसा लगा कि शो उनके दिल के काफी करीब है लेकिन अब वो अपनी जिंदगी में काफी आगे बढ़ चुकी हैं।

राजामौली की 'वाराणसी' से प्रियंका की हिंदी फिल्मों में वापसी

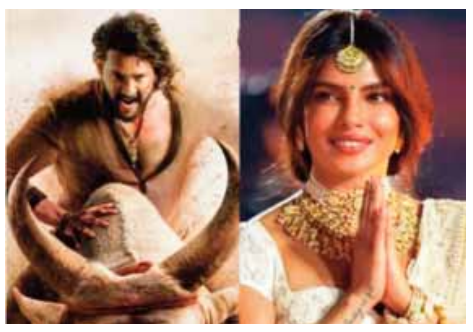

मुंबई। एसएस राजामौली 'आरआरआर ' की महासफलता के बाद अपनी अगली भव्य परियोजना के साथ लौट रहे हैं। फिल्म का नाम 'वाराणसी' है, जिसका ऐलान 2025 में कर दिया गया था। महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन फिल्म का हिस्सा हैं। इसके जरिए प्रियंका हिंदी सिनेमा में वापसी करेंगी। 'वाराणसी' की रिलीज तारीख का ऐलान बाकी है, लेकिन निर्माताओं की हालिया पोस्ट ने इसे लेकर बड़ा संकेत दिया है। अटकलें हैं कि फिल्म 2027 में राम नवमी पर आ सकती है।

अप्रैल, 2027 को सिनेमाघरों का रुख कर सकती है 'वाराणसी'

खबरों के मुताबिक, 'वाराणसी' राम नवमी के अवसर पर 9 अप्रैल, 2027 को रिलीज हो सकती है। फिल्म से जुड़ा एक क्लिप सामने आया है जिसमें त्रेतायुग, लंका नगरम, 7200 ईसा पूर्व के दृश्य दर्शाए गए हैं। वीडियो में हनुमान और अन्य को युद्ध करते दिखाया गया है। वीडियो ने राम नवमी 2027 पर फिल्म रिलीज करने की अफवाहों की पुष्टि कर दी है। चर्चा यह भी है कि निर्माता 26 जनवरी को आधिकारिक रिलीज तारीख का ऐलान करेंगे।

'अस्सी' से सामने आई तापसी पन्नू की झलक

मौत के डर से भागती दिखीं अभिनेत्री...

मुंबई। बालीवुड की 'थ्रिलर क्वीन' तापसी पन्नू फिर दर्शकों की सांसें थामने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उनकी आने वाली फिल्म 'अस्सी' का पहला मोशन पोस्टर रिलीज कर दिया गया है, जो देखते ही देखते इंटरनेट पर वायरल हो गया है। इस पोस्टर में तापसी का एक ऐसा अवतार सामने आया है, जो डर, तनाव और जीने की तड़प को बयां कर रहा है। इस फिल्म के जरिए तापसी ने एक बार फिर निर्देशक अनुभव सिन्हा से हाथ मिलाया है।

बदहवास तापसी, पीछे मौत की आहट: पोस्टर में तापसी बदहवास होकर अपनी जान बचाने के लिए भागती नजर आ रही हैं। उनके चेहरे पर छाई चिंता और बैकग्राउंड का म्यूजिक साफ इशारा कर रहा है

कि ये फिल्म एक जबरदस्त सर्वाइवल थ्रिलर होने वाली है। तापसी का किरदार एक ऐसी स्थिति में फंसा हुआ है, जहां हर सेकेंड मौत का साया उनके पीछे है। उनके दौड़ने का अंदाज बताता है कि ये सिर्फ एक रेस नहीं, बल्कि उनके जीवन की सबसे कठिन जंग है।

तापसी ने बताई फिल्म की रिलीज तारीख : तापसी ने सोशल मीडिया पर पोस्टर साझा कर लिखा, 'बहुत समय हो गया... इसे सामान्य माने हुए बहुत समय बीत गया... मिलते हैं कोर्ट में 20 फरवरी को... मेरा मतलब है सिनेमाघरों में।' तापसी के इस पोस्ट से जाहिर है कि फिल्म की कहानी किसी कानूनी लड़ाई, सामाजिक अन्याय या किसी ऐसे अपराध से जुड़ी है, जो समाज में सामान्य हो गया है। पोस्टर में धड़कनें तेज कर देने वाला संगीत मन में डर के साथ-साथ उत्सुकता पैदा करता है।

तापसी और अनुभव इन फिल्मों के लिए आए साथ : तापसी और निर्देशक अनुभव सिन्हा की जोड़ी ने 'अस्सी' से पहले दर्शकों को ऐसी फिल्में दी हैं, जिन्होंने न सिर्फ समीक्षकों का दिल जीता, बल्कि समाज को आईना दिखाने का काम भी किया है। साल 2018 में तापसी और अनुभव फिल्म 'मुल्क' के लिए साथ आए थे और साल 2020 में उनकी बेहतरीन फिल्म 'थप्पड़' रिलीज हुई थी। अब एक्टर और डायरेक्टर की ये जोड़ी 'अस्सी' के जरिए सिनेमाघरों में धमाल मचाने को तैयार हैं।

तापसी की ये फिल्में भी कतार में: 'अस्सी' के धमाके के साथ-साथ तापसी के पास फिलहाल एक से बढ़कर एक फिल्में हैं। उनकी फिल्म 'गांधारी' की शूटिंग पूरी हो चुकी है, जिसकी निर्देशक और लेखिका कनिका ढिल्लों हैं। अनुभव और तापसी की जोड़ी अपनी कल्ट क्लासिक फिल्म 'मुल्क' का सीक्वल लेकर आ रही है। 'मुल्क 2' में एक बार फिर सामाजिक न्याय और कड़वे सच की कहानी दिखाई जाएगी।

800 करोड़ी फिल्म में एंट्री, बॉक्स ऑफिस में सुनामी आने के संकेत

एटली ने बरसों बाद काजोल को साउथ में उतारा

अपना दमखम दिखाने को तैयार

एटली फिल्मों में मजबूत महिला किरदारों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने काजोल के लिए एक ऐसा रोल तैयार किया है, जो फिल्म की कहानी का रुख बदलकर रख देगा। 800 करोड़ रुपये के भारी-भरकम बजट के साथ बनाई जा रही इस फिल्म में एक्शन का स्तर अंतरराष्ट्रीय होने वाला है। 'पुष्पा 2' के बाद अल्लू अर्जुन की लोकप्रियता सातवें आसमान पर है और एटली व काजोल संग उनका मिलना बॉक्स ऑफिस पर सुनामी आने के संकेत दे रहा है।

काजोल की पहली तमिल फिल्म

काजोल ने साल 1997 में फिल्म 'मिनसारा कनवु' के जरिए तमिल सिनेमा में अपना पहला कदम रखा था। हिंदी भाषी दर्शकों के बीच ये फिल्म 'सपनें' नाम से रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने न सिर्फ दर्शकों और समीक्षकों का दिल जीता, बल्कि 4 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समेत कई अन्य प्रतिष्ठित पुरस्कार अपने नाम किए थे। अरविंद स्वामी और प्रभु देवा ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई थी। उनकी आखिरी तमिल फिल्म धनुष अभिनीत 'वेलैइल्ला पट्टाधारी 2' थी।

मुंबई। *भारतीय सिनेमा में एक ऐसा धमाका होने जा रहा है, जिसकी गूंज उत्तर से लेकर दक्षिण तक सुनाई देगी। 'जवान' वाले निर्देशक एटली अब एक बड़ा दांव खेलने जा रहे हैं। अल्लू अर्जुन की बहुप्रतीक्षित 800 करोड़ी फिल्म में काजोल की एंट्री हो चुकी है। इसके जरिए काजोल 9 साल बाद साउथ सिनेमा में एक बड़े और प्रभावशाली किरदार के साथ वापसी करने जा रही हैं। पिछली बार काजोल साल 2017 में धनुष संग 'वेलैइल्ला पट्टाधारी 2' में दिखी थीं।*

एटली दोहराएंगे 'जवान' वाला इतिहास?

भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े निर्देशकों में शुमार एटली, जिन्होंने 'जवान' के साथ बॉक्स ऑफिस के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे, अब अपनी अगली पैन-इंडिया फिल्म के साथ इतिहास दोहराने के लिए तैयार हैं। इस बार उनके साथ साउथ के स्टार अल्लू अर्जुन और बॉलीवुड की लेडी सुपरस्टार दीपिका पादुकोण हैं। काजोल की एंट्री के साथ ही ये फिल्म भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी स्टार-कास्ट वाली फिल्मों में से एक बन गई है।

इस फिल्म को लेकर भी चर्चा में

काजोल की फिल्म 'महाराग्निः क्वीन्स ऑफ क्वीन्स' उनके करियर की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक मानी जा रही है। ये खास है, क्योंकि इसमें काजोल एक ऐसे अवतार में नजर आने वाली हैं, जिसे उनके फैंस ने पिछले 3 दशकों में कभी नहीं देखा। प्रभु देवा, जीशू सेन गुप्ता और नसीरुद्दीन शाह भी इस फिल्म में अहम भूमिका में हैं। मूल रूप से हिंदी में बन रही ये फिल्म तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा में भी रिलीज होगी।

नर्मदा प्रकटोत्सव पर आज बहेगी भक्ति की धारा

1100 फुट की चुनरी से मां नर्मदा मैया का श्रृंगार, दुग्ध अभिषेक, पुष्प अर्चन

जीवनदायिनी माँ नर्मदा के जन्मोत्सव के मौके पर आज शहर में विविध आयोजन किए गए हैं। जगह-जगह माँ नर्मदा जी की प्रतिमा स्थापित की गई हैं। हवन, पूजन भंडारों का आयोजन किया गया हैं। शहर के पावन नर्मदा तट गौरीघाट, उमाघाट, जिलहरी घाट, तिलवारा घाट, भेड़ाघाट में पुण्य सलिला नर्मदा तट पर श्रद्धालु उपस्थित होकर स्नान ध्यान और पूजन कर मां नर्मदा का गुणगान करेंगे।

हरिभूमि जबलपुर।

नर्मदा जन्मोत्सव पर्व को लेकर शहर भर में चौतरफा उल्लास के साथ भक्तिभाव का नजारा दिखाई दे रहा है। प्रकटोत्सव की पूर्व संध्या पर जहां गौरीघाट में माँ नर्मदा का एक हजार एक सौ फीट चुनरी से भव्य श्रृंगार किया गया। वहीं शहर के अनेक स्थानों पर नर्मदा मैया की प्रतिमाओं की स्थापना की गई है। जिनकी शोभायात्रा आज रविवार को बाजे गाजे के साथ निकाली जायेगी। प्रकटोत्सव पर्व को लेकर आज नर्मदा के विभिन्न तटों पर खासतौर से गौरीघाट में भक्तों की अच्छी खासी भीड़ जुटेगी जहां श्रद्धालुजन भक्तिभाव के साथ नर्मदा तटों पर पुण्य स्नान कर मां नर्मदा का पूजनपाठ, दुग्धाभिषेक, दीपदान करेंगे। शास्त्रों में ऐसी मान्यता है कि जो फल गंगा में स्नान के बाद मिलता है, वैसा फल नर्मदा के दर्शन मात्र से मिलता है।

1100 फुट की चुनरी से किया श्रृंगार

मां नर्मदा उमाशंकर चुनरी भक्त समिति के द्वारा उमाघाट पर 1100 फुट की चुनरी नर्मदा मैया को इस पार से उस पर गुरुद्वारा घाट तक अर्पित की गई 51 लीटर दूध से दुग्धअभिषेक किया गया। गर्भ ग्रह से नर्मदा मैया की पादुका पूजन किया गया। विशेष नाव में हलवा व 56 भोग का भंडारा महा आरती के बाद वितरित किया गया। इस अवसर पर स्वामी नरसिंहदास महाराज, स्वामी गिरिशनन्द महाराज, स्वामी मुकुंद दास महाराज मैत्री दीदी इंद्रभान महाराज चंद्रशेखरआनंद महाराज निशा कृष्णा दीदी राम बहादुर महाराज राजेश योगी महाराज राम भारती महाराज संतोष शास्त्री सुरेंद्र नाथ महाराज बड़ी खेरमाई ट्रस्ट के अध्यक्ष शरद अग्रवाल उपस्थित थे पूजन अर्चन पं सौरभ दुबे ने कराया। इस अवसर पर चुनरी समिति के संरक्षक नर्मदा महा आरती के संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल समिति समिति अध्यक्ष जयकिशन गुप्ता एडवोकेट नर्मदा पुत्र अमर सिंह ठाकुर डॉ सुचित्रा मिश्रा राकेश अहिरवार सोनू सैनी प्रमोद नगर सुरेंद्र खरे राजेश साहू समीर पटेल नितेश पटेल अतुल विश्वकर्मा अंकुर श्रीवास्तव मोनू सोनकर आशीष बाजपेई गोलू पुरी गोस्वामी कमल विश्वकर्मा मनोज कुशवाहा आदि उपस्थित थे।

प्रतिमाओं के जुलूस आज

नर्मदा प्रकटोत्सव पर जगह-जगह मां रेवा की प्रतिमाओं की स्थापना की गई है। दमोह नाका चौक, कोतवाली, रामपुर चौराहा, गोरखपुर, पोलीपाथर, सदर, रानीताल, रांझी, गढ़ा के विभिन्न क्षेत्रों में मां रेवा की प्रतिमाओं की स्थापना की गई है। इन प्रतिमाओं को आज पूजन अर्चन के साथ जुलूस के रूप में विसर्जन के लिये गौरीघाट ले जाया जाएगा।

सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम

नर्मदा प्रकटोत्सव पर रेवातट पर उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुये जिला, पुलिस और नगर निगम प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किये हैं। घाटों पर किसी अनहोनी की घटना के नियंत्रण हेतु गोताखोरों की तैनाती की गई है साथ ही पर्याप्त पुलिस बल, सुरक्षा सैनिकों, मोटर वोट के अलावा स्वयंसेवक सुबह से शाम तक सुरक्षा व्यवस्था में नजर रखे हुये दिखाई देंगे।

आज नौकाओं का संचालन प्रतिबंधित रहेगा

जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने आदेश जारी कर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर नर्मदा जयंती पर माँ नर्मदा के घाटों गौरीघाट, जिलहरीघाट, लम्हेटाघाट, तिलवाराघाट, भेड़ाघाट एवं सरस्वतीघाट पर नौकाओं के संचालन को पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया है। नर्मदा किनारे स्थित गांवों के नागरिकों के परिवहन हेतु नियमित रूप से संचालित की जा रही नौकाओं को इससे छूट रहेगी। शेष सभी नौकाओं से 25 जनवरी को नर्मदा जन्मोत्सव पर किसी भी प्रकार का परिवहन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

नर्मदा जन्मोत्सव : व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन अलर्ट

नर्मदा प्रकटोत्सव आज रविवार को श्रद्धा और आस्था के साथ मनाई जाएगी। इस अवसर पर नर्मदा घाटों में स्नान और पूजा-अर्चना के लिए लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन, पुलिस और नगर निगम ने सुरक्षा व व्यवस्थाओं को लेकर व्यापक तैयारियां की हैं। ग्वारीघाट, भेड़ाघाट सहित शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के सभी प्रमुख नर्मदा घाटों पर पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। प्रशासन द्वारा तैयार किए गए सुरक्षा प्लान के तहत नर्मदा नदी के सभी घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। इसके साथ ही होमगार्ड के प्रशिक्षित गोताखोर, नगर सैनिक और स्थानीय तैराकों की भी ड्यूटी लगाई जा रही है। विशेष रूप से ग्वारीघाट और भेड़ाघाट जैसे भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने स्वयं मौके पर पहुंचकर घाटों और आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया और यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था को अंतिम रूप दिया।

भारी वाहन रहेंगे प्रतिबंधित

भीड़ प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए यातायात व्यवस्था में भी बदलाव किया गया है। मकर संक्रांति और नर्मदा जयंती के अवसर पर रामपुर चौक के आगे मिनी मेट्रो बसों को छोड़कर अन्य भारी और लोडिंग वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। दोपहिया वाहन और निजी कारें रामपुर चौक से खंदारी नाला होते हुए अवधपुरी मोड़ तक ही जा सकेंगी। मेट्रो बसें सिद्धगणेश मंदिर के पास यात्रियों को उतारकर उसी मार्ग से वापस लौटेंगी। वहीं ऑटो रिक्शा खंदारी नाला से रेत नाका होते हुए रामलला मंदिर तक ही संचालित होंगे। इसी तरह गोराबाजार, बिलहरी, तिलहरी और बरेला की ओर से आने वाले वाहन पेंटी नाका, बंदरिया तिराहा और सदर होते हुए रामपुर चौक से सिद्धगणेश मंदिर तक ही पहुंच सकेंगे। यातायात पुलिस द्वारा मार्गों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी, ताकि जाम की स्थिति न बने और श्रद्धालु सुगमता से घाटों तक पहुंच सकें।

भगवान दादा गुरु के नगर आगमन पर हुआ भव्य स्वागत

जबलपुर। भगवान दादा गुरु का आगमन 24 जनवरी को माँ नर्मदा परिक्रमा सेवा के तहत जबलपुर हुआ। भेड़ाघाट सरस्वतीघाट से प्रारंभ शोभायात्रा तिलवारा, मेडीकल, एलआईसी, मदन महल, गोरखपुर से होते हुए ग्वारीघाट पहुंची, जहां उमाघाट में समापन हुआ। प्रकृति को हरा-भरा रखने के लिए त्याग, तपस्या से अभिभूत होकर भक्तों ने भगवान दादा गुरु का जगह-जगह फूलमालाओं से स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व पार्षद ठाणेश्वर महावर, घनश्याम राठौर, मुकेश राधे, उदित ठाकुर, राकेश विश्वकर्मा, अरुण महावर, पप्पू प्रजापति, शिव पाठक, दिलीप सिंगरौले, राजेन्द्र तिवारी सहित अनेक भक्तजन उपस्थित रहे।

मावे महिला उद्यमियों ने स्व-निर्मित उत्पादों से किया मुख्यमंत्री का स्वागत

जबलपुर। संस्कारधानी जबलपुर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 23 जनवरी को आगमन हुआ। कार्यक्रम वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम, दावोस में मध्यप्रदेश की सफलता के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर मावे की चेयरपर्सन डॉ. अर्चना भटनागर और अध्यक्ष भावना मदान ने मुख्यमंत्री का स्वागत महिला उद्यमियों द्वारा निर्मित उत्पाद भेंट करके किया। मुख्यमंत्री ने मावे की पहल और महिला उद्यमियों के योगदान की सराहना की। कार्यक्रम में मावे की ज्वाइंट सेक्रेटरी प्रियंका कौर भी उपस्थित रही। मुख्यमंत्री ने जबलपुर को मेट्रोपोलिटन सिटी के रूप में विकसित करने की योजना की घोषणा की।

नया मोहल्ला में ध्वजारोहण कार्यक्रम 26 को

जबलपुर। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में गुलशने मदीना कमेटी एवं मध्य प्रदेश मुस्लिम विकास परिषद द्वारा हुसैन चौक, मुबीन मंजिल नया मुहल्ला में 26 जनवरी को सुबह 10:30 बजे ध्वजारोहण का कार्यक्रम रखा गया है। आयोजन के मुख्य अतिथि यश लखन घनघोरिया (प्रदेश अध्यक्ष म.प्र. युवक कांग्रेस), दिनेश यादव (प्रदेश महामंत्री म.प्र. कांग्रेस कमेटी) होंगे, अध्यक्षता सौरभ नाटी शर्मा (नगर अध्यक्ष शहर जिला कांग्रेस कमेटी जबलपुर) करेंगे। विशिष्ट अतिथि अमरीश मिश्रा नेता प्रतिपक्ष, अयोध्या तिवारी सचेतक कांग्रेस पार्षद दल, गुड्डू नबी, अशरफ मंसूरी (नगर अध्यक्ष अल्पसंख्यक विभाग, हाजी मो. सलीम खान (सैफ नगर), बाबा रिजवान, पप्पू वसीम खान, मो. नसीम खान, आरिफ बैग (इंका नेता), एड. अल्तमस खान, अतिथि हाजी मो. सलीम (ठेकेदार), मो. कलीम खान, रिजवान अली कोटी, एड. हाकिम खान, एड. शैख इरफान, एड. तनवीर फैजल, सैय्यद लियाकत अली, अशरफ शिराजी, नकी खान होंगे।

दो कर्मचारी नेताओं पर गिर सकती है निलंबन की गाज

रादुविवि में प्रशासनिक कार्रवाईयों से बढ़ा तनाव

हरिभूमि जबलपुर।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय (रादुविवि) में कर्मचारी संघ चुनाव की सरगर्मी के साथ ही अंदरूनी खेमेबंदी खुलकर सामने आने लगी है। चुनाव की तारीख नजदीक आते ही विश्वविद्यालय परिसर में प्रशासन और कर्मचारी नेताओं के बीच टकराव की स्थिति बनती नजर आ रही है। सूत्रों के अनुसार पहले चरण में कर्मचारी नेता मनीष पांडे पर कुलगुरु प्रोफेसर राजेश वर्मा से कथित अभद्र व्यवहार के मामले में कार्रवाई हो चुकी है, जबकि अब दो अन्य कर्मचारी नेताओं पर भी अनुशासनात्मक कदम उठाने की तैयारी चल रही है।

विश्वविद्यालय के भीतर चर्चा है कि जिन नेताओं पर कार्रवाई हुई है या होने वाली है, वे सभी कर्मचारी संघ अध्यक्ष वीरेंद्र पटेल के विरोधी माने जाते हैं। ऐसे में यह धारणा बन रही है कि विश्वविद्यालय प्रशासन की सहानुभूति एक विशेष गुट के साथ है और चुनाव से पहले माहौल को उसी दिशा में मोड़ा जा रहा है। दूसरी ओर विरोधी गुट से जुड़े कर्मचारियों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

सूत्र बताते हैं कि प्रशासन के निशाने पर फिलहाल दो प्रमुख कर्मचारी नेता हैं। इनमें से एक संजय यादव हैं, जिन पर कुछ दिन पहले लेखा विभाग में कुलगुरु के साथ अभद्रता करने के आरोप लगे थे। यह मामला कार्यपरिषद की बैठक में भी उठा था, हालांकि उस समय तत्कालीन कुलसचिव ने सख्त कार्रवाई से परहेज किया था। मौजूदा परिस्थितियों में संजय यादव के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई लगभग तय मानी जा रही है और संबंधित फाइल तैयार होने की बातें सामने आ रही हैं।

इसी बीच कर्मचारी संघ महासचिव राजेंद्र शुक्ला

पर भी प्रशासन की सख्ती बढ़ती दिखाई दे रही है। उन पर कर्मचारी संघ अध्यक्ष के आह्वान पर हुई हड़ताल के दौरान अनुचित प्रदर्शन करने का आरोप लगाते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। विश्वविद्यालय परिसर में यह भी चर्चा है कि महासचिव भी अध्यक्ष के विरोधी खेमे में हैं, इसलिए उनके खिलाफ आगे और कठोर कदम उठाए जा सकते हैं। नोटिस के जवाब को लेकर प्रशासन द्वारा विधिक सलाह ली जा रही है।

दो माह बाद हैं चुनाव

गौरतलब है कि आरडीयू कर्मचारी संघ के चुनाव इस वर्ष भी संभावित रूप से मार्च माह में आयोजित होंगे। पिछली बार जीत दर्ज करने वाले पैनल के भीतर इस बार मतभेद खुलकर सामने आ चुके हैं। जहां अध्यक्ष वीरेंद्र पटेल को प्रशासन के करीबी के रूप में देखा जा रहा है, वहीं महासचिव, उपाध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारी प्रशासन के रुख से असहमत नजर आ रहे हैं। ऐसे में चुनाव से पहले की यह खींचतान विश्वविद्यालय के माहौल को और अधिक तनावपूर्ण बना रही है।

नौग्रह करेंगे मां नर्मदा की महाआरती

जबलपुर। मां नर्मदा प्रकट उत्सव पर्व पर विश्वास संस्था अध्यक्ष एवं अंत्योदय प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक अमर मिश्रा ने बताया कि विश्वास सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था द्वारा प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी 25 जनवरी को मां नर्मदा का प्रकटोत्सव पर्व धार्मिक आयोजनों के साथ धूमधाम से मनाया जाएगा। इसी कड़ी में सुबह 11:00 बजे गौ पूजन, 5 बजे मां नर्मदा का दुग्धाभिषेक एवं 7:00 बजे विशेष आकर्षण का केंद्र नौ ग्रहों द्वारा मां नर्मदा की महाआरती की जाएगी । इसके पश्चात मां नर्मदा को विशेष भोग लगाया जाएगा जिसका वितरण अनवरत जारी रहेगा । कार्यक्रम में उपस्थिति की अपील संस्था के गौरी शंकर दुबे, शक्ति मिश्रा, हेमंत साहू,अमित सैनी, वीरेंद्र श्रीवास्तव, आशीष चौबे, शिवम चौबे, अचल तिवारी, अक्षय चौबे, दिनेश मिश्रा, हर्ष चौबे, अभिनव चौबे,सुभाष जैसवाल, कल्लू दुबे, नवल बर्मन आदि ने की है।

श्रमिकों के बच्चों को स्वाभिमान के साथ उड़ान देने का सशक्त मंच है श्रमोदय विद्यालय : मंत्री पटेल

श्रमोदय विद्यालय में आयोजित हार्टफुलनेस हेल्प कार्यक्रम का समापन

जबलपुर

श्रमोदय विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि निर्माण श्रमिकों के बच्चों को स्वाभिमान के साथ उड़ान देने का सशक्त मंच है। ये विचार प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने शनिवार को श्रमोदय विद्यालय में आयोजित हार्टफुलनेस हेल्प कार्यक्रम के समापन समारोह में उपस्थित विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि की आसंदी से संबोधित करते हुये व्यक्त किये। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय विधायक नीरज सिंह थे।

मंत्री श्री पटेल ने अपने संबोधन में आगे कहा कि जीवन की चुनौतियों से घबराने के बजाय समाधान खोजने की आदत ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे माता-पिता के संघर्ष को समझें, उनके बुढ़ापे का सहारा बनें और स्वयं पर अटूट विश्वास रखें। श्री पटेल ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, पुरुषार्थ और जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिये निरंतर प्रयास के महत्व पर प्रेरक संदेश दिया। उन्होंने अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि सफलता किसी एक दिन का परिणाम नहीं होती, यह निरंतर प्रयास, आत्म अनुशासन और सकारात्मक सोच से बनती है। मंत्री श्री पटेल ने श्रमोदय विद्यालय में हार्टफुलनेस कार्यक्रम की सराहना करते हुये कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को मानसिक रूप से सशक्त बनाते हैं और जीवन में संतुलन सिखाते हैं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विधायक नीरज सिंह ने विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं संतुलित व्यक्तित्व विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए शुभकामनाएँ दीं। इसके पहले मंत्री श्री पटेल ने विद्यालय परिसर विद्यार्थियों में लगाई गई शैक्षणिक एवं रचनात्मक प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। प्रदर्शनी में गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, माटीकला, क्राफ्ट एवं अन्य विषयों पर विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए मॉडलों ने ध्यान आकर्षित किया। राष्ट्रीय स्तर पर चयनित माटीकला एवं पारंपरिक खिलौनों तथा राज्य स्तर पर चयनित इंस्पायर अवॉर्ड मॉडल को विशेष रूप से सराहा गया। मानसिक स्वास्थ्य और मूल्यों पर केंद्रित "हेल्प" कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती पूजन एवं कन्या पूजन के साथ हुआ। छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना के पश्चात अतिथियों का पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया। विद्यालय के प्राचार्य साहिर शेख ने विद्यालय की गतिविधियों और "हेल्प" कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक गहलोत, अनुविभागीय अधिकारी जबलपुर अभिषेक ठाकुर, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के प्रांत संयोजक नीलेष पाण्डेय, हार्टफुलनेस संस्था से श्रीमती आभा जैन, श्रम विभाग के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं शिक्षक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अमृता शुक्ला एवं श्रीमती श्रद्धा शुक्ला ने तथा आभार प्रदर्शन भूपेंद्र सलामे ने किया।

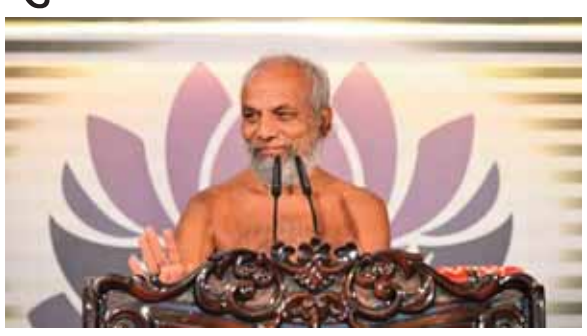

"भावनायोग मात्र कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक अभियान है" : मुनिश्री प्रमाणसागर महाराज

जबलपुर। संगम कॉलोनी में आयोजित विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए भावनायोग प्रणेता मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज ने कहा कि भावनायोग केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जीवन को सुखी बनाने का अभियान है। उन्होंने कहा कि संसार का प्रत्येक प्राणी किसी न किसी प्रकार के दुःख से ग्रस्त है—कोई तन से, कोई मन से तो कोई परिस्थितियों के कारण दुःखी है। मुनि श्री ने बताया कि मनुष्य चार प्रकार के दुःखों—कल्पनाजन्य, वियोगजन्य, अभावजन्य एवं परिस्थितिजन्य—से जूझता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य या तो अतीत की स्मृतियों में उलझा रहता है या भविष्य की कल्पनाओं में, जिससे वह वर्तमान में नहीं जी पाता और दुःखी रहता है। वर्तमान में जीने से 25 प्रतिशत दुःख स्वतः समाप्त हो जाता है।

वियोगजन्य दुःख पर प्रकाश डालते हुए मुनि श्री ने कहा कि संयोग के साथ वियोग भी निश्चित है। इसे प्रकृति का नियम मान लेने से दुःख नहीं होता। तत्वज्ञान को अपनाने से बड़े से बड़े वियोग में भी व्यक्ति स्थिर रह सकता है। अभावजन्य दुःख पर उन्होंने कहा कि धन बढ़ने के बावजूद सुख घट रहा है। उन्होंने कहा कि जो है उसे पर्याप्त मानोगे तो 75 प्रतिशत दुःख समाप्त हो जाएगा। विपरीत परिस्थितियों पर उन्होंने कहा कि जिन्हें बदला जा सकता है उन्हें बदलो और जिन्हें नहीं बदला जा सकता उन्हें स्वीकार करो, तभी आनंदपूर्वक जीवन जिया जा सकता है। प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी एवं सुबोध कामरेड ने बताया कि दोपहर का शंका समाधान कार्यक्रम संगम कॉलोनी में संपन्न हुआ। उन्होंने जानकारी दी कि 25 जनवरी को प्रातः 7:30 बजे से भावनायोग कार्यक्रम पं. रविशंकर शुक्ल स्टेडियम, राइट टाउन में प्रारंभ होगा। कार्यक्रम की समस्त तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं। आयोजन राष्ट्रीय दिगंबर जैन युवा महासंघ एवं जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

माघ मेले के विवाद के बाद शंकराचार्य के समर्थन में निकली मशाल यात्रा

हरिभूमि, जबलपुर। प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के साथ हुए विवाद के विरोध में जबलपुर में मशाल यात्रा निकाली गई। पूर्व पार्षद जितिन राज, नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा एवं कांग्रेस नेता पंकज पाण्डेय के नेतृत्व में यह मशाल यात्रा मालवीय चौक से लार्डगंज थाना तक निकाली गई, जिसमें कांग्रेस नेताओं सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं आम नागरिक शामिल हुए। पूर्व पार्षद जितिन राज ने बताया कि मौनी अमावस्या पर अमावस्या स्नान के दौरान शंकराचार्य को मेला प्रशासन द्वारा रोके जाने और उनके समर्थकों से

झड़प की घटना से जनआक्रोश है। इस घटनाक्रम के बाद शंकराचार्य धरने पर बैठ गए तथा उनकी सेहत भी प्रभावित हुई। नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा ने उत्तर प्रदेश सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि शंकराचार्य के साथ अभद्र व्यवहार किया गया और उनसे पदवी से संबंधित दस्तावेज मांगे गए, जो अनुचित है। उन्होंने योगी सरकार से सार्वजनिक माफी की मांग की। मशाल यात्रा में नगर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा, सोनू कुकरेले, अयोध्या तिवारी, संतोष दुबे, हर्षित यादव, विवेक यादव, अभिषेक पाठक, सचिन बाजपेई, राजा रैकवार, बसंत ठाकुर, देवकी पटेल, मोंटी वंशकार, ब्रजेश दुबे, मनोज सेन, दिलीप साहू, भानु यादव, रिजवान अली कोटि, विनय कछवाहा, शादाब मंसूरी, कपिल भोजक, मयूर कौशल, करण ठाकुर, आदेश चौबे सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संस्कारयुक्त समाज से ही सशक्त भारत का निर्माण : ब्रजकान्तजी

जबलपुर।

केशव बस्ती में आयोजित विराट हिन्दू सम्मेलन का शुभारंभ वैदिक परंपरानुसार गौपूजन, तुलसी पूजन एवं कन्या पूजन के साथ किया गया। इसके पश्चात भारत माता की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं राष्ट्र वंदना की गई। सम्मेलन के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक श्री ब्रजकान्त जी ने कहा कि संस्कारयुक्त समाज से ही सशक्त भारत का निर्माण संभव है। उन्होंने स्वयंसेवक को राष्ट्र और समाज सेवा के लिए समर्पित व्यक्ति बताते हुए कहा कि संघ का गणवेश केवल

वस्त्र नहीं, बल्कि अनुशासन, संस्कार और तपस्या का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हिन्दू सम्मेलन का उद्देश्य किसी के विरोध में नहीं, बल्कि बिखरे समाज को संगठित कर एकात्मता और समरसता स्थापित करना है। शिक्षा के साथ संस्कार को अनिवार्य बताते हुए उन्होंने माताओं-बहनों से बच्चों को सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने का आह्वान किया। मुख्य वक्ता ने कहा कि संघ की शताब्दी यात्रा के बाद अब समाज को राष्ट्रबोध, समाजबोध और कर्तव्यबोध के साथ आगे बढ़ना होगा, तभी भारत पुनः विश्वगुरु बनेगा। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक रूप से भारत माता की आरती, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। मंच पर प्रशांत सिंह (महाविक्ता), जगद्गुरु सुखानंद द्वाराचार्य स्वामी राघव देवाचार्य जी, पुष्पराज पटेल, आंचल मिश्रा सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे से किसानों का रास्ता बंद, कलेक्टर से शिकायत

सिहोरा। तहसील सिहोरा के ग्राम गोसालपुर स्थित पवार हाउस बायपास के पास शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। इस कब्जे के चलते क्षेत्र के करीब 10 से 12 किसानों का खेतों तक पहुंचने का मार्ग पूरी तरह बंद हो गया है। पीड़ित किसानों ने इस संबंध में जिला कलेक्टर जबलपुर को लिखित शिकायत सौंपकर त्वरित कार्रवाई की मांग की है। किसानों का आरोप है कि रामसागर तालाब की जल निकासी हेतु आरक्षित शासकीय भूमि, जो वर्षों से पानी निकासी एवं किसानों के आवागमन का मार्ग रही है, उस पर रामस्वरूप चौधरी एवं शशि भूषण दुबे द्वारा अवैध रूप से कब्जा किया जा रहा है। इससे तालाब की जल निकासी बाधित होने के साथ ही किसानों के खेतों तक पहुंच का रास्ता भी बंद हो गया है।

पीड़ितों ने बताया कि मामले की जानकारी पूर्व में तहसीलदार एवं एसडीएम सिहोरा को दी जा चुकी है। भूमि की नाप-जोख के लिए पटवारी मौके पर पहुंचे, लेकिन किसानों का आरोप है कि पूर्व नाप से अलग स्थान पर पुनः नाप की जा रही है, जिससे संदेह उत्पन्न हो रहा है। वहीं कब्जाधारी जमीन को अपनी निजी भूमि बताते हुए रास्ता देने से इंकार कर रहे हैं। किसानों ने मांग की है कि किसी वरिष्ठ राजस्व अधिकारी की उपस्थिति में निष्पक्ष नाप-जोख कराकर शासकीय भूमि से अवैध कब्जा हटाया जाए और किसानों को उनका वैध मार्ग दिलाया जाए। कार्रवाई नहीं होने पर किसानों ने आंदोलन की चेतावनी दी है।

आस्था व पर्यावरण संरक्षण की अनूठी परंपरा

हिरन नदी को अर्पित की 351 फीट चुनरी

पाटन। ग्राम कटरा बेलखेडा में बीते चार वर्षों से आस्था और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा उदाहरण देखने को मिल रहा है। अभिषेक सिंह ठाकुर उर्फ हरि भैया के नेतृत्व में बसंत पंचमी के अवसर पर हिरन नदी माता को 351 फीट लंबी चुनरी अर्पित की गई। इस अवसर पर चुनरी यात्रा निकाली गई, जिसमें कटरा बेलखेडा एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। पहले माता मंदिर में पूजा-अर्चना की गई, इसके बाद हिरन नदी के एक तट से दूसरे तट तक चुनरी अर्पित कर आरती की गई। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

इस आयोजन में विजय सिंह, सरमन सिंह, कोमल प्रसाद राजोरिया, लेखाराम पटेल, राजेश सिंह, गोपी प्रसाद दुबे, बलदेव सिंह, सर्वेश भुर्रक, संतोष करोटिया, अवधेश पांडे, वीरेंद्र सिंह, शिवकुमार गोटिया, बृजेश सिंह, रामचरण बर्मन, दिलीप सिंह, पंडित संजय, मेघराम, रज्जू सिंह, नोके सिंह, गुड्डा सिंह सहित पाटन से सचिन कोष्टा, आकाश अग्रवाल एवं विवेक सिंह ठाकुर मौजूद रहे।

श्रीश्री मां अम्बा शतचंडी महायज्ञ एवं भागवत कथा में उमड़ा जनसैलाब

मझौली। नगर मझौली में आयोजित नौ दिवसीय श्री श्री मां अम्बा शतचंडी महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा में भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से श्रद्धालु यज्ञ दर्शन एवं भागवत कथा श्रवण के लिए आ रहे हैं।

आज की भागवत कथा में श्री दत्त जी महाराज (कोनी) द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का सुंदर वर्णन किया गया तथा गोवर्धन पूजा-अर्चन संपन्न कराया गया। उन्होंने बताया कि भागवत कथा समस्त पापों का नाश करती है और इसके श्रवण से मोक्ष की प्राप्ति होती है। आयोजन के अंतर्गत प्रतिदिन यज्ञ, कन्या भोज एवं भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक भागवत कथा एवं शाम 7 बजे से भगवान श्रीराम की रामलीला का मंचन किया जा रहा है।

महायज्ञ का समापन 27 जनवरी को पूर्ण आहुति एवं विशाल भंडारे के साथ होगा। यह आयोजन भगवान विष्णु वाराह की कृपा, दादा भरभरा सरकार के आशीर्वाद एवं समस्त नगरवासियों के सहयोग से किया जा रहा है।

संत शिरोमणि गुरु रविदास सामुदायिक भवन बाई का बगीचा में हुआ विराट श्री शतचंडी महायज्ञ

एक बार गोपी बनकर के देखो...

जबलपुर। संत शिरोमणि गुरु रविदास सामुदायिक भवन बाई का बगीचा में आयोजित विराट श्री शतचंडी महायज्ञ में छठवें दिन वैदिक मंत्र उच्चारण से श्री दस महाविद्याओं को आहूतियां दी गईं। यज्ञ के मुख्य सूत्रधार परम पूज्य गुरूदेव, तपोनिष्ठ, कर्मयोगी, तंत्र साधक श्री श्री 108 महंत स्वामी कालीनंद जी महाराज के पावन सानिध्य में श्रीमद् भागवत कथा में कथा व्यास पूज्य साध्वी डॉ. महंत प्रज्ञा भारती ने रास लीला, कंस वध,

रुकमणि विवाह आदि कथा प्रसंग का अमृतमयी वाणी से रसपान कराया। कथा में महंत रामेश्वरानंद महाराज, महंत लक्ष्मी दीदी, महंत सुश्री मैत्रेयी दीदी, मुन्ना पाण्डेय की उपस्थिति रही। पूज्य गुरुदेव ने भक्तों को आशीर्वचन देते हुये कहा कि आपके पिछले सत्कर्म के उदय से ही ऐसे धार्मिक आयोजनों में तन मन अर्पण कर ईश्वरी बैंक में सत्कर्म की कमाई जमा होती है जो आपदा काल में आपके और आपके परिवार की दृश्य अदृश्य रूप में मदद करती है। स्वामी कालीनंद जनकल्याण संस्था के मुन्ना पाण्डे, विश्वनाथ सिंह ठाकुर, एड. राकेश तिवारी, विनोद डांगे, आनंद नेमा, संजय बिरहा, विकास महाराज, राजा सोनकर, बलराज सोनकर, डा. वैभव सिंह ठाकुर, सजल सिंह ठाकुर, ओमप्रकाश ठाकुर, मनीष शास्त्री, कुलदीप वर्मा, मुरली चौधरी, सतीश यादव, आदि ने सभी श्रद्धालुओं से यज्ञ और कथा में सुदामा चरित्र में पहुंचने की अपील की है।

नर्मदा जयंती पर आज जगह-जगह आयोजन

सिहोरा। माँ नर्मदा जन्मोत्सव के पावन पुनीत अवसर पर आज नगर से लेकर ग्रामीण श्रेत्रों तक में पूजन अर्चन प्रतिमा स्थापना हवन एंव विशाल भंडारे के कार्यक्रम आयोजित है।

बंजारी माता मंदिर- आज नर्मदा जयंती पर बंजारी माता मंदिर गांधीग्राम में जल कलश स्थापना पूजन,संगीतमय हनुमान चालीसा पाठ,माता की चौकी एवं प्रसाद वितरण भंडारे का आयोजन बघेल परिवार द्वारा किया गया है। भंडारे में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण करने की अपील सभी क्षेत्रवासियों से प्रताप सिंह बघेल,पुष्पराज सिंह बघेल आदि भक्तों ने की है।

कंकाली मंदिर- मां नर्मदा जन्मोत्सव के पावन अवसर पर आज रविवार को 12 बजे से कंकाली मंदिर में विशाल भंडारा एवं देवी गीत का आयोजन नयन कपूर जबलपुर द्वारा किया गया है। आयोजन में पहुंचने की अपील इशांत दुआ,आशीष सरदार आदि ने की है।

जानकी नगर में 51 रामायण मंडलों का सम्मान

जबलपुर। जानकी नगर में चौबे परिवार द्वारा 51 वर्षों से अखंड रामायण के आयोजन की परंपरा निभाने वाले रामायण मंडलों और रामायण प्रेमियों का सम्मान किया गया। समारोह में महिला रामायण मंडल जानकी नगर, राम रामायण मंडल साकेत नगर, श्रीराम रामायण मंडल स्टेट बैंक कालोनी, हनुमान रामायण मंडल कोतवाली, दादा ठनठनपाल रामायण मंडल कोतवाली, मां सिद्धेश्वरी भक्त परिवार ग्रीन सिटी, श्री रामायण मंडल विजय नगर आकाश विहार, मां भगवती त्रिनेश देवी जागरण ग्रुप, श्री राधा बल्लभ रामायण मंडल आईटीआई माढ़ोताल, नवयुवक भक्त रामायण मंडल जबलपुर, शिवबाबा भक्ति मंडल जबलपुर, श्री गणेश मंडल दीक्षित कालोनी, मानस रामायण मंडल, शिवशक्ति गणेश महिला मंडल, शिवशक्ति रामायण मंडल, हरिओम रामायण मंडल न्यू जगदम्बा कालोनी, भगवा रंग रामायण मंडल शांतिनगर, मां भगवती रामायण मंडल, आदर्श रामायण मंडल, सीताराम रामायण मंडल विवेकानंद वार्ड, शिव मंदिर महिला मंडल, कृष्णा महिला मंडल त्रिमूर्ति नगर, माता महाकाली रामायण मंदिर बजरंग नगर, श्री राम भक्त मंडल शामिल हुए। समारोह में विधायक डॉ. अभिलाष पांडे, पार्षद कीर्ति पांडे, सोनिया सिंह, रामानुज चौबे ने मंडलों का सम्मान किया। इस अवसर पर दीवाकर मिश्रा, अर्पित उपाध्याय, वैभव अमित सेन, राजू दुबे, रजनीश जायसवाल, आयुष मिश्रा, रंजीत ठाकुर, कन्हैया बलेचा, निखिल उपाध्याय और अखिलेश सोनी भी उपस्थित रहे।

श्री अर्पित सैनी- न्यू शोभापुर निवासी वरिष्ठ अधिवक्ता एवं स्टेट बार कोंसिल के उपाध्यक्ष श्री आरके सिंह सैनी के पुत्र एडवोकेट अर्पित सैनी (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती ईश्वरी बाई गुलाबानी- झामनदास चौक द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री दयालदास गुलाबानी की धर्मपत्नी श्रीमती ईश्वरी बाई गुलाबानी (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री शिशिर सिंह- घाना सोनपुर रोड निवासी श्री शरद सिंह के पुत्र श्री शिशिर सिंह (29) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मीरा बंशकार- सेठी नगर पानी की टंकी के पास निवासी श्री छोटू बंशकार की धर्मपत्नी श्रीमती मीरा बंशकार (30) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री गजानन कविश्वर- शिवनगर गढ़ा निवासी श्री गजानन कविश्वर (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रामेश्वर प्रसाद रैकवार- बढ़ई मोहल्ला दमोहनाका निवासी श्री रामेश्वर प्रसाद रैकवार (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री गिन्दू मल्लाह- पुरानी बस्ती गौरीघाट निवासी श्री गिन्दू मल्लाह का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती माया बाई पासी- शिवाजी नगर विस्थापित बस्ती रामपुर निवासी श्री अच्छे लाल पासी की धर्मपत्नी श्रीमती माया बाई पासी (91) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कृष्णा यादव- शासकीय आयुर्वेदिक कॉलेज के पास गौरीघाट निवासी श्री रंजीत यादव की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा यादव (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राकेश त्रिपाठी- चेरीताल परिजात बिल्डिंग के पास निवासी श्री राकेश त्रिपाठी (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट श्मशान भूमि में किया गया।

श्री मनोज- शक्ति नगर मानस मंदिर के पास निवासी श्री मनोज (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुनील प्यासी- श्रीनगर कॉलोनी कछपुरा गढ़ा निवासी श्री सुनील प्यासी (49) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री श्याम ठाकुर- छुई खदान मड़ैया श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड निवासी श्री श्याम ठाकुर (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती रामदुलारी पाल- इंद्रा नगर व्हीकल निवासी श्री झगड़ू पाल की धर्मपत्नी श्रीमती रामदुलारी पाल (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती साधना ठाकुर- गलगला निवासी श्री दयाशंकर ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती साधना ठाकुर (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट श्मशान भूमि में किया गया।

श्री प्रेम सिंह लोधी- बजरंग नगर करमेता निवासी श्री प्रेम सिंह लोधी (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती ममता त्यागी- नरसिंह नगर रांझी निवासी श्री राजकुमार त्यागी की धर्मपत्नी श्रीमती ममता त्यागी (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती भिवटी बाई कुचबंधिया- सिंधी कैंप मदार टेकरी निवासी श्री बिरजू कुचबंधिया की धर्मपत्नी श्रीमती भिवटी बाई कुचबंधिया (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मीरा गुप्ता- नेपियर टाउन शास्त्री ब्रिज के पास निवासी श्री महेंद्र गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती मीरा गुप्ता (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट श्मशान भूमि में किया गया।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 90/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- [illegible] से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- [illegible] से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज [illegible] से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303308294, 9407362100

नाम सुधार सूचना

मैं JAINATH SINGH YADAV पिता- MURALI YADAV निवासी- JAITPURA, VISHESHAR GANJ, GHAZIPUR, UTTAR PRADESH PIN-23300/, वर्तमान में एम.बी. एरिया, प्रोवोस्ट यूनिट में सूबेदार के पद पर कार्यरत् हूँ। मेरे सेवा रिकार्ड (SERVICE RECORD) में मेरे सरनेम की स्पेलिंग गलत दर्ज हो गई है मेरा नाम - JAINATH SINGH YADAVA के स्थान पर JAINATH SINGH YADAV पढ़ा और लिखा जाए। भविष्य में मुझे मेरे सही नाम JAINATH SINGH YADAV से ही जाना जाए। मैंने इस संदर्भ में शपथ पत्र क्रमांक 1219 दिनाँक 22-01-26 नोटरी गाजीपुर द्वारा बनवा लिया है।
नाम - JAINATH SINGH YADAV
पद- जे.सी. संख्या 820848P सूबेदार यूनिट - एम. बी. एरिया, प्रोवोस्ट यूनिट
सही नाम - JAINATH SINGH YADAV
गलत नाम- JAINATH SINGH YADAVA

जन्मतिथि सुधार सूचना

मैं भारत भूषण सिंह पत्नी मंजू देवी निवासी - बरिया, रामगढ़, चंदौली रामगढ़ उत्तर प्रदेश पिन 232107, जो वर्तमान में एम. बी. एरिया, सेना पुलिस यूनिट में सूबेदार के पद पर कार्यरत् हूँ। मेरे सर्विस रिकॉर्ड (Service Records) में मेरी पत्नी की जन्मतिथि 01-07-1976 गलत दर्ज हो गई है। कृपया नोट करें कि मेरी पत्नी की सही जन्मतिथि 12-07-1976 है भविष्य में मेरी पत्नी की सही जन्मतिथि 12-07-1976 से ही जाना व पहचाना जाए। मैने इस संदर्भ में शपथ पत्र क्रमांक 260737 दिनाँक 23-01-26 नोटरी जबलपुर (म.प्र.) द्वारा प्रस्तुत किया है।
नाम-भारत भूषण सिंह
पद-JC No. 820865 P, सूबेदार
यूनिट- एम. बी. एरिया, सेना पुलिस
सही जन्मतिथी-12-07-1976
गलत जन्मतिथी -01-07-1976

छोटी रकम, पर बड़ी सोच रखें, तैयार कर सकते हैं 25 लाख तक का फंड

सुझाव | बिजनेस डेस्क

मिडिल क्लास की सबसे बड़ी चिंता भविष्य की सुरक्षा होती है। सैलरी आती है, खर्च निकल जाता है और बचत हाथ से फिसल जाती है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि रोज की छोटी आदतें आपकी जिंदगी का बड़ा सहारा बन सकती हैं? एक ऐसा तरीका है, जो बिना भारी बोझ के मजबूत फंड बनाने की राह खोलता है। आज के समय में सिर्फ अच्छी नौकरी या ठीक-ठाक कमाई होना ही काफी नहीं है। जितनी तेजी से महंगाई बढ़ रही है, उसी तेजी से पैसे को बढ़ाना भी जरूरी हो गया है। मिडिल क्लास परिवारों के लिए यह चुनौती और भी बड़ी हो जाती है, क्योंकि आमदनी सीमित होती है और जिम्मेदारियां ज्यादा। ऐसे में ज्यादातर लोग सोचते हैं कि बड़ा फंड बनाना उनके बस की बात नहीं है, लेकिन सच्चाई यह है कि सही आदत और सही प्लानिंग से छोटी बचत भी बड़ा कमाल कर सकती है। अगर आप भी सोच रहे हैं कि ज्यादा निवेश के बिना बड़ा फंड कैसे बने, तो जवाब आपकी रोज की छोटी बचत में छिपा है।

हमेशा बड़ी सोच रखो

अक्सर हम यह मान लेते हैं कि निवेश तभी संभव है जब जेब में ढेर सारा पैसा हो। इसी सोच की वजह से लोग निवेश को टालते रहते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि बड़ा फंड एक दिन में नहीं बनता, बल्कि रोज के छोटे फैसलों से तैयार होता है। रोज 200 रुपये बचाना कोई भारी बोझ नहीं है। यह रकम हम अक्सर अनजाने में चाय, सिगरेट, फास्ट फूड या ऑनलाइन ऑर्डर में खर्च कर देते हैं। अगर यही 200 रुपये रोज बचाकर भविष्य के लिए लगा दिए जाएं, तो यही छोटी आदत कुछ सालों में आर्थिक आजादी की तरफ ले जा सकती है।

निवेश पहले से कहीं ज्यादा आसान

आज के दौर में निवेश पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है. म्यूचुअल फंड एसआईपी ने आम आदमी को भी निवेश की ताकत दे दी है. अब निवेश के लिए बड़े चेक या लंबी प्रक्रिया की जरूरत नहीं. आप हर दिन 200 रुपए भी जमा करते हैं तो महीने में 6000 रुपए म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं। इसका फायदा यह है कि आपको निवेश का दबाव महसूस नहीं होता। पैसे धीरे-धीरे कटते रहते हैं और आपको पता भी नहीं चलता कि कब एक अच्छा-खासा फंड तैयार हो गया.

रोज 200 रुपये से 25 लाख कैसे

अब सवाल आता है कि आखिर रोज की इतनी छोटी बचत से 25 लाख रुपये कैसे बन सकते हैं. अगर आप रोज 200 रुपये निवेश करते हैं, तो महीने में लगभग 6,000 रुपये और साल में करीब 72,000 रुपये का निवेश हो जाता है। अगर आप यह निवेश लगातार 14 साल तक करते हैं और औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिलता है, तो आपकी कुल जमा रकम करीब 10 लाख रुपये होगी, लेकिन कंपाउंडिंग की वजह से आपके पैसे पर पैसा बनता रहेगा और रिटर्न के रूप में लगभग 15–16 लाख रुपये जुड़ सकते हैं। इस तरह अंत में आपका फंड करीब 25 लाख रुपये तक पहुंच सकता है।

मिडिल क्लास के लिए कितनी फायदेमंद

एसआईपी मिडिल क्लास परिवारों के लिए इसलिए खास है क्योंकि यह उनकी जीवनशैली में आसानी से फिट हो जाती है। लंबी अवधि के लिए निवेश करने से बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम हो जाता है। जब बाजार ऊपर होता है, तो कम यूनिट मिलती हैं और जब बाजार नीचे होता है, तो ज्यादा यूनिट मिल जाती हैं।

निवेश को समय देना है जरूरी

यह समझना बहुत जरूरी है कि म्यूचुअल फंड कोई रातों रात अमीर बनने की स्कीम नहीं है। इसमें समय देना पड़ता है. बीच में बाजार गिर सकता है, लेकिन अगर आप घबराकर निवेश बंद नहीं करते और धैर्य बनाए रखते हैं, तो लंबे समय में इसका फायदा जरूर मिलता है। जैसे-जैसे आपकी आमदनी बढ़े, वैसे-वैसे एसआईपी की रकम बढ़ाना भी एक समझदारी भरा कदम हो सकता है। इससे आपका फंड और तेजी से बढ़ेगा।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- चांदी की कीमत इस समय करीब 3,48,647 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गई।
- पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 20,400 बढ़कर 3,23,000 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी।

लगातार कुलांचे भर रही है चांदी की कीमतें, आगे क्या रहेगा चांदी का रुख, क्या इसमें निवेश करना सही

चांदी भर रही निवेशकों की झोली, संभलकर करें निवेश

चांदी के भाव में गिरावट को लंबी अवधि के पोर्टफोलियो के लिए खरीदारी का मौका समझना चाहिए। केंद्रीय बैंकों द्वारा चांदी की खरीद, मौद्रिक नीति में नरमी और चांदी की बढ़ती औद्योगिक मांग जैसे कारणों से सोना और चांदी निवेशकों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो गए हैं। वहीं, टाटा म्यूचुअल फंड की एक रिपोर्ट के अनुसार, हाल के महीनों में रिकॉर्ड उछाल के बाद चांदी में अभी भी काफी उतार-चढ़ाव के साथ मजबूती बनी रह सकती है। इसकी वजह मजबूत मांग का अनुमान और सप्लाई में कमी या स्टॉक की कमी है, जो मौजूदा ट्रेंड को बढ़ावा दे रहे हैं।

पिछले कुछ समय से चांदी निवेशकों की पहली पसंद बनती जा रही है। जिस रफ्तार से चांदी की कीमतें बढ़ रही हैं, उसने न सिर्फ बाजार को चौंकाया है, बल्कि निवेशकों के मन में यह सवाल भी खड़ा कर दिया है कि क्या यह तेजी टिकाऊ है या फिर जल्द ही इसमें मुनाफावसूली का दौर शुरू होगा। हालिया आंकड़े बताते हैं कि चांदी ने बेहद कम समय में जबरदस्त उछाल दर्ज किया है, लेकिन हर तेजी के साथ जोखिम भी बढ़ता है। ऐसे में चांदी में निवेश से पहले ठहरकर सोचने की जरूरत है। बीते कारोबारी सत्रों पर नजर डालें तो चांदी की कीमतें थोड़े से उतार चढ़ाव के बाद लगातार कुलाचे भरती दिखाई देती हैं। ताजा भाव के मुताबिक चांदी लगभग 3,48,647 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) के स्तर पर पहुंच गई है। यानी महज तीन से चार कारोबारी दिनों में ही चांदी की कीमतों में 35 हजार रुपये से ज्यादा की उछाल देखने को मिला है। यह तेजी सामान्य नहीं कही जा सकती और इसी वजह से बाजार में चांदी को लेकर उत्साह के साथ-साथ सतर्कता भी बढ़ गई है।

चांदी में क्यों आई है इतनी तेज़ी

चांदी की मौजूदा तेजी के पीछे कई घरेलू और वैश्विक कारण हैं। सबसे बड़ा कारण वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता है। दुनिया के कई हिस्सों में मंदी की आशंका, भू-राजनीतिक तनाव और डॉलर की चाल ने निवेशकों को सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर मोड़ा है। पारंपरिक रूप से सोने के साथ-साथ चांदी भी सुरक्षित निवेश मानी जाती है, लेकिन चांदी की एक खासियत यह है कि इसका औद्योगिक उपयोग भी बड़े पैमाने पर होता है। इलेक्ट्रिक व्हीकल, सोलर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर उद्योग में चांदी की मांग लगातार बढ़ रही है। ग्रीन एनर्जी और क्लीन टेक्नोलॉजी पर वैश्विक फोकस ने चांदी की औद्योगिक मांग को और मजबूत किया है। जब निवेश और उद्योग दोनों तरफ से मांग बढ़ती है, तो कीमतों में तेजी आना स्वाभाविक है। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सप्लाई की सीमाएं भी चांदी की कीमतों को सहारा दे रही हैं। खनन लागत बढ़ना, नई खदानों की कमी और उत्पादन में सुस्ती ने सप्लाई-साइड दबाव पैदा किया है। इसका असर भारतीय बाजार में भी साफ दिखाई दे रहा है।

निवेशकों को क्यों हो रहा है बड़ा फायदा

चांदी की तेजी ने खासतौर पर उन निवेशकों को मालामाल किया है जिन्होंने इसमें समय रहते निवेश किया था। बीते एक साल में चांदी आधारित ईटीएफ ने असाधारण रिटर्न दिया है। आंकड़ों के मुताबिक, एक साल में सिल्वर ईटीएफ ने 200% से ज्यादा का रिटर्न दिया है। खासतौर पर यूटीआई सिल्वर ईटीएफ ने पिछले एक साल में करीब 206% का रिटर्न देकर निवेशकों को चौंका दिया है। ईटीएफ के जरिए निवेश करने वालों को न सिर्फ कीमतों में तेजी का फायदा मिला, बल्कि उन्हें भौतिक चांदी रखने की झंझट से भी मुक्ति मिली। यही वजह है कि हाल के महीनों में सिल्वर ईटीएफ में निवेश तेजी से बढ़ा है। छोटे निवेशकों से लेकर बड़े संस्थागत निवेशक तक, सभी की दिलचस्पी चांदी में बढ़ी है।

क्या आगे भी जारी रहेगी चांदी की तेजी

सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या चांदी की यह रैली आगे भी जारी रहेगी या अब इसमें ब्रेक लगेगा। विशेषज्ञों की मानें तो लंबी अवधि में चांदी के फंडामेंटल मजबूत बने हुए हैं। औद्योगिक मांग, ग्रीन एनर्जी ट्रांजिशन और वैश्विक अनिश्चितता जैसे कारक चांदी को सपोर्ट कर सकते हैं। हालांकि, अल्पकाल में इतनी तेज तेजी के बाद करेक्शन की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। जिस तरह से पिछले तीन दिनों में ही 35 हजार रुपये से ज्यादा का उछाल आया है, उससे साफ है कि बाजार कुछ हद तक ओवरबॉट जोन में पहुंच सकता है। अगर वैश्विक संकेत बदले, डॉलर मजबूत हुआ या मुनाफावसूली शुरू हुई, तो

निवेश से पहले किन बातों का रखें ध्यान

चांदी में निवेश करते समय सिर्फ रिटर्न देखकर फैसला करना समझदारी नहीं होगी। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि चांदी सोने की तुलना में कहीं ज्यादा अस्थिर (वोलेटाइल) होती है। इसमें तेजी जितनी तेज होती है, गिरावट भी उतनी ही तीखी हो सकती है। अगर आप नए निवेशक हैं, तो एकमुश्त बड़ी रकम लगाने से बचें। चरणबद्ध तरीके से निवेश करना बेहतर रहेगा। लॉन्ग टर्म निवेशक के तौर पर चांदी को पोर्टफोलियो में एक सीमित हिस्से के रूप में ही रखें। विशेषज्ञ आमतौर पर कुल निवेश का 5–10% से ज्यादा हिस्सा चांदी या अन्य कमोडिटी में न लगाने की सलाह देते हैं। इसके अलावा, निवेश का माध्यम भी सोच-समझकर चुनें। भौतिक चांदी, सिल्वर ईटीएफ, फ्यूचर्स या डिजिटल सिल्वर—हर विकल्प के अपने फायदे और जोखिम हैं।

मुनाफा है, लेकिन सावधानी ज़रूरी

इसमें कोई शक नहीं कि मौजूदा दौर में चांदी ने निवेशकों की झोली भर दी है। कीमतों की तेज रफ्तार और ईटीएफ के शानदार रिटर्न ने इसे चर्चा के केंद्र में ला दिया है। लेकिन बाजार का इतिहास गवाह है कि हर तेज रैली के बाद ठहराव या गिरावट भी आती है। इसलिए चांदी में निवेश करते समय उत्साह के साथ विवेक भी जरूरी है। लंबी अवधि के नजरिये से, सीमित हिस्सेदारी और सही रणनीति के साथ किया गया निवेश फायदेमंद हो सकता है। लेकिन जल्द अमीर बनने की उम्मीद में बिना जोखिम समझे किया गया निवेश भारी नुकसान भी करा सकता है। चांदी चमक जरूर रही है, लेकिन इस चमक के पीछे छिपे जोखिमों को नजरअंदाज करना निवेशकों के लिए महंगा साबित हो सकता है।

योजना बनाकर संयमित तरीके से करना होगा निवेश, भारत में अभी तक कॉपर ईटीएफ या कॉपर म्यूचुअल फंड उपलब्ध नहीं

सोना-चांदी के बाद 'कॉपर' भी बन रहा अगला बड़ा निवेश विकल्प

जानकारी | बिजनेस डेस्क

"गोल्ड और सिल्वर की चमक के बीच बेस मेटल कॉपर को निवेशकों ने काफी समय तक नजरअंदाज किया, लेकिन अब इसमें भी तेज उछाल दिख रहा है। लंदन मेटल एक्सचेंज (एलएमई) के आंकड़ों के अनुसार, कॉपर मार्च 2022 के बाद के अपने सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। भारत में भी कॉपर फ्यूचर्स ने बीते एक साल में लगभग 36% की तेजी दिखाई है, जिससे यह सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली कमोडिटीज में से एक बन गया है।

पिछले कुछ वर्षों में निवेशकों ने देखा है कि कैसे सोना और चांदी ने अनिश्चित बाजार हालात में बेहतर रिटर्न देकर खुद को सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में स्थापित किया। अब इसी कड़ी में एक और कमोडिटी निवेशकों के रडार पर तेजी से उभर रही है वह है कॉपर (तांबा)। शेयर बाजार की मौजूदा सुस्ती और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों का रुझान एक बार फिर कमोडिटी निवेश की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या कॉपर अगला बड़ा दांव बन सकता है और क्या रिटेल निवेशक भी इससे मोटी कमाई कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए योजना बनाकर संयमित तरीके से निवेश करना होगा। तभी कॉपर में निवेश कर अच्छा रिटर्न पाया जा सकता है। सोना और चांदी के बाद अब निवेशकों की नजर कॉपर (तांबा) पर टिकने लगी है। पिछले एक साल में गोल्ड और सिल्वर ने रिकॉर्ड रिटर्न दिए हैं।

इसलिए बढ़ रहा कॉपर की ओर निवेशकों का झुकाव

कॉपर को अक्सर डॉ. कॉपर कहा जाता है, क्योंकि इसकी मांग वैश्विक आर्थिक गतिविधियों का संकेत देती है। जैसे-जैसे इंडस्ट्री, इंफ्रास्ट्रक्चर और टेक्नोलॉजी सेक्टर में गतिविधियां बढ़ती हैं, कॉपर की खपत भी उसी अनुपात में बढ़ती है। मौजूदा समय में कई ऐसे स्ट्रक्चरल ट्रेंड्स हैं जो कॉपर की कीमतों को लंबी अवधि में मजबूती दे सकते हैं। सबसे बड़ा कारण है ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल) सेक्टर का विस्तार। एक इलेक्ट्रिक कार में पारंपरिक पेट्रोल-डीजल कार की तुलना

में लगभग तीन से चार गुना ज्यादा कॉपर इस्तेमाल होता है। बैटरी, मोटर, चार्जिंग सिस्टम और वायरिंग हर जगह कॉपर की अहम भूमिका है। दुनिया भर में ईवी को बढ़ावा देने के लिए सरकारें नीतियां बना रही हैं, जिससे आने वाले वर्षों में कॉपर की मांग लगातार बढ़ने की उम्मीद है। दूसरा अहम कारण है डेटा सेंटर और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का तेजी से विस्तार। क्लाउड कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और 5जी जैसी तकनीकों के कारण बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर्स बनाए जा रहे हैं। इन डेटा सेंटर्स में बिजली की खपत और केबलिंग के लिए भारी मात्रा में कॉपर की जरूरत होती है। इसके अलावा डिफेंस और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर भी कॉपर की मांग को मजबूत कर रहे हैं। सोलर पैनल, विंड टर्बाइन और इलेक्ट्रिक ग्रिड के आधुनिकीकरण में कॉपर एक प्रमुख कच्चा माल है। वैश्विक स्तर पर ग्रीन एनर्जी पर जोर के चलते यह मांग लंबे समय तक बनी रह सकती है।

सप्लाई की चुनौती: कीमतों को सहारा

कॉपर की तेजी के पीछे सिर्फ मांग ही नहीं, बल्कि सप्लाई से जुड़ी समस्याएं भी बड़ा कारण हैं। दुनिया की कई प्रमुख कॉपर माइंस पुराने चरण में पहुंच चुकी हैं, जहां उत्पादन बढ़ाना आसान नहीं है। नई माइंस विकसित करने में पर्यावरणीय नियम, लंबी मंजूरी प्रक्रिया और भारी लागत बड़ी बाधा बन रहे हैं। इसके अलावा कुछ प्रमुख उत्पादक देशों में राजनीतिक और श्रम संबंधी अनिश्चितताएं भी सप्लाई को प्रभावित करती हैं। सीमित सप्लाई और बढ़ती मांग का यह असंतुलन कॉपर की कीमतों को लंबी अवधि में मजबूती दे सकता है।

भारत में निवेश के विकल्प क्या हैं

फिलहाल भारत में कॉपर ईटीएफ या कॉपर आधारित म्यूचुअल फंड उपलब्ध नहीं हैं, जो रिटेल निवेशकों के लिए एक बड़ी चुनौती है। हालांकि, इसके बावजूद निवेश के कुछ रास्ते मौजूद हैं। पहला विकल्प है कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) के जरिए कॉपर फ्यूचर्स में निवेश, लेकिन यह विकल्प केवल उन्हीं निवेशकों के लिए उपयुक्त है, जिन्हें कमोडिटी बाजार की अच्छी समझ हो, क्योंकि इसमें वोलैटिलिटी और लीवरेज का जोखिम ज्यादा होता है। दूसरा विकल्प है कॉपर से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में निवेश। भारत और विदेशों में कई ऐसी माइनिंग, मेटल और केबल निर्माण कंपनियां हैं, जिनका बिजनेस सीधे तौर पर कॉपर की कीमतों से जुड़ा है। हालांकि, इसमें कंपनी-विशेष के जोखिम भी जुड़े होते हैं। तीसरा रास्ता है डायवर्सिफाइड कमोडिटी या इंटरनेशनल फंड्स, जो अप्रत्यक्ष रूप से बेस मेटल्स या ग्लोबल कमोडिटी मार्केट में निवेश करते हैं। हालांकि, इनमें कॉपर का एक्सपोजर सीमित हो सकता है। कॉपर में निवेश को लेकर उत्साह के साथ-साथ संयम भी जरूरी है। यह एक साइकलिकल कमोडिटी है, जिसकी कीमतें वैश्विक आर्थिक हालात से तेजी से प्रभावित होती हैं। इसलिए निवेशकों को चाहिए कि वे इसे पोर्टफोलियो का छोटा हिस्सा बनाएं, न कि पूरा दांव इसी पर लगा दें। चरणबद्ध निवेश, लंबी अवधि का नजरिया और जोखिम प्रबंधन बेहद जरूरी है।

5 लाख को 5 साल के लिए ऐसे करें निवेश

बिजनेस डेस्क

अक्सर हम अपनी मेहनत की कमाई का कुछ हिस्सा बचाकर रख लेते हैं। मान लीजिए, आपके पास इस वक्त 5 लाख रुपये पड़े हैं और आपने मन बना लिया है कि अगले 5 साल तक आप इन पैसों को हाथ नहीं लगाएंगे। अब आपके सामने सबसे बड़ी चुनौती यह आती है कि इस पैसे को ऐसी कौन सी जगह निवेश करें, जहां से यह 5 साल बाद एक भारी-भरकम रकम बनकर वापस आए।

निवेश के ये आसान तरीके

बाजार में निवेश के बहुत से रास्ते हैं, लेकिन जब बात सुरक्षा और अच्छे मुनाफे के तालमेल की आती है, तो तीन नाम सबसे पहले जेहन में आते हैं। पहला है सरकारी सुरक्षा वाला एनएससी, दूसरा है बरसों पुराना भरोसा यानी एफडी और तीसरा है आज के दौर का सुपरहिट विकल्प यानी म्यूचुअल फंड लंपसम। समझाते हैं कि आपके एक लाख रुपए इन तीनों रास्तों पर चलकर 5 साल में कहां तक पहुंचेंगे। अगर आप ऐसे शख्स हैं जिन्हें रात को सुकून की नींद चाहिए और आप अपने पैसे के साथ रत्ती भर भी रिस्क नहीं लेना चाहते, तो नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट यानी एनएससी आपके लिए सबसे मजबूत किला है।

कंपाउंड ब्याज देगा बड़ा मुनाफा

आज के समय में एनएससी पर करीब 7.7 प्रतिशत का सालाना कंपाउंड ब्याज मिल रहा है। इसका गणित बहुत सीधा है। अगर आप आज 5 लाख रुपये एनएससी में जमा करते हैं, तो 5 साल का समय पूरा होने पर आपके हाथ में लगभग 7.24 लाख रुपये होंगे, लेकिन इसकी असली खूबी सिर्फ ब्याज नहीं है। एनएससी में निवेश करने पर आपको इनकम टैक्स की धारा 80सी के तहत छूट भी मिलती है।

पश्चिम मध्य रेल
संकेत एवं दूर संचार विभाग
खुली निविदा
मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) पश्चिम मध्य रेल्वे, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्न लिखित कार्यों हेतु निर्धारित ई निविदा आमंत्रण करते है। **निविदा सूचना क्रमांक**– जबल–एन–सिग–टेण्डर–2026–6, **कार्य का नाम लोकेशन सहित**– पश्चिम मध्य रेल में जबलपुर मंडल में आ.ओ.बी./एल.एच.एस. क्रमांक 4, 16, 20, 52, 62, के निर्माण में संकेत एवं दूर संचार संबंधित कार्य (सिग्नलिंग और दूर संचार कार्य)।, **निविदा का अनुमानित मूल्य (रू. में)**– रू. 23548518.28/–, **निविदा फार्म की कीमत (रूपये)**– रू00/–, **कार्यालय का पता** – मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय, प्रथम तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, जबलपुर, **बयाना राशि**– रूपये 267800/–, **समापन की अवधि**– 11 माह, **निविदा बंद करने एवं खुलने की अंतिम तिथि एवं समय**– 16/02/2026, 15:00 बज तक बंद होगी एवं 15:00 बजे के बाद खोली जाएगी।, निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेल्वे बेबसाईट– https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। तथा मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय पश्चिम मध्य रेल जबलपुर के नोटिस बार्ड पर भी उपलब्ध है। उक्त निविदा उक्त वेबसाइट से ऑनलाईन आवेदन की जा सकती है।
(हस्ता.)
मण्डल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार)
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

यह निवेश करने का आसान और सबसे लोकप्रिय तरीका, छोटी-छोटी गलतियां करवा सकती हैं करोड़ों रुपये का नुकसान

संयम और प्लानिंग के साथ शुरू करें एसआईपी

एसआईपी शुरू या बंद करने से पहले जान लें कुछ अहम बातें, वरना हो सकता है नुकसान!

सलाह | बिजनेस डेस्क

आज के समय में एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) निवेश का सबसे आसान और लोकप्रिय तरीका बन चुका है। नौकरीपेशा लोग हों या छोटे व्यापारी, हर कोई महीने की थोड़ी-सी बचत से बड़ा फंड बनाने का सपना देखता है। लेकिन यह समझना बेहद जरूरी है कि एसआईपी जितना आसान दिखता है, उतना ही जोखिम भरा भी हो सकता है, अगर इसे सही समझ और योजना के बिना शुरू या बंद किया जाए। छोटी-छोटी गलतियां लंबे समय में लाखों नहीं, बल्कि करोड़ों रुपये तक का नुकसान करवा सकती हैं। एसआईपी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें एकमुश्त बड़ी रकम लगाने की जरूरत नहीं होती। हर महीने तय राशि अपने आप म्यूचुअल फंड में निवेश हो जाती है। बाजार गिरता है तो उसी रकम में ज्यादा यूनिट्स मिलती हैं और बाजार चढ़ता है तो निवेश की वैल्यू बढ़ती है। इसी वजह से इसे आम निवेशकों के लिए आदर्श माना जाता है। लेकिन कई लोग इसे जोखिम-मुक्त मान लेते हैं, जो सबसे बड़ी भूल है।

एसआईपी जोखिम-मुक्त नहीं, लंबे समय तक टिके रहने में ही फायदा मिलता

तार-चढ़ाव तय

एसआईपी पूरी तरह बाजार से जुड़ा होता है, इसलिए इसमें उतार-चढ़ाव तय है। दिसंबर 2025 में ही निवेशकों ने रिकॉर्ड 31,002 करोड़ रुपये एसआईपी में डाले। लेकिन अक्सर लोग बिना पूरी जानकारी के एसआईपी शुरू कर देते हैं या बीच में रोक देते हैं। आइए जानते हैं वो अहम बातें जो हर निवेशक को समझनी चाहिए

लंबे समय तक टिके रहने में लाभ

सबसे अहम बात यह है कि एसआईपी का असली फायदा लंबे समय तक टिके रहने में ही मिलता है। बहुत से निवेशक बाजार गिरते ही घबरा जाते हैं और एसआईपी बंद कर देते हैं। यही वह समय होता है जब निवेश जारी रखना चाहिए, क्योंकि गिरावट के दौरान खरीदी गई यूनिट्स भविष्य में बाजार सुधरने पर बड़ा रिटर्न देती हैं। बीच में एसआईपी रोक देना या पूरी तरह बंद कर देना कंपाउंडिंग के असर को तोड़ देता है, जिससे संभावित रिटर्न काफी कम हो जाता है।

बिना लक्ष्य निवेश शुरू न करें

एक और आम गलती है बिना लक्ष्य तय किए निवेश शुरू करना। यह जानना जरूरी है कि आप किस उद्देश्य के लिए पैसा लगा रहे हैं—बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना, शादी या रिटायरमेंट। लक्ष्य के अनुसार फंड का चुनाव और निवेश की अवधि तय की जानी चाहिए। इसके अलावा, अपनी आय और खर्चों का सही आकलन किए बिना बड़ी रकम की एसआईपी शुरू करना भी जोखिम भरा हो सकता है। अगर मासिक बजट बिगड़ता है तो मजबूरी में एसआईपी बंद करनी पड़ सकती है। इमरजेंसी फंड की कमी भी निवेशकों को नुकसान की ओर ले जाती है। अचानक मेडिकल या अन्य जरूरी खर्च आने पर लोग एसआईपी तोड़ देते हैं, जिससे न सिर्फ रिटर्न कम होता है बल्कि टैक्स का बोझ भी बढ़ सकता है। इसलिए एसआईपी शुरू करने से पहले कम से कम 6 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड बनाना बेहद जरूरी है।

निवेश का बेहतरीन जरिया

एसआईपी निवेश का बेहतरीन जरिया है, लेकिन इसे जोखिम-मुक्त समझना भारी पड़ सकता है। सही जानकारी, स्पष्ट लक्ष्य, अनुशासन और धैर्य के साथ किया गया निवेश ही लंबे समय में बड़ा फंड बना सकता है। याद रखें, एसआईपी शुरू या बंद करने से पहले लिया गया हर फैसला आपके भविष्य की आर्थिक स्थिति तय करता है।

एसआईपी जोखिम-मुक्त नहीं है

बहुतों को लगता है कि एसआईपी से जोखिम कम हो जाता है। हकीकत ये है कि एसआईपी सिर्फ निवेश का तरीका है, यह फंड की प्रकृति नहीं बदलता। अगर फंड इक्विटी या डेट मार्केट में है, तो उतार-चढ़ाव का असर एसआईपी पर भी पड़ेगा। सही फंड चुनना और अपने लक्ष्य व जोखिम क्षमता को ध्यान में रखना बेहद जरूरी है।

कम राशि से शुरुआत और लचीलापन

एसआईपी की सबसे बड़ी खूबी है कि आप सिर्फ 500 रुपये से भी शुरुआत कर सकते हैं। अगर कभी आर्थिक दबाव हो तो किस्त रोक सकते हैं या स्किप कर सकते हैं। यही वजह है कि ये नए निवेशकों और अस्थिर आय वालों के लिए भी उपयुक्त है।

किस्तें मिस करना महंगा

किस्तें मिस करना महंगा पड़ सकता है
अगर आप हर साल सिर्फ एक एसआईपी छोड़ दें, तो 20 साल में करोड़ों का नुकसान हो सकता है। उदाहरण: 20,000 मासिक एसआईपी 20 साल में 2 करोड़ बन सकती है, लेकिन हर साल एक किस्त छोड़ने से लगभग 40 लाख कम हो जाएंगे।

मार्केट टाइमिंग की जरूरत नहीं

बाजार कब ऊपर जाएगा या नीचे आएगा, ये कोई नहीं बता सकता। एसआईपी का फायदा यही है कि यह अलग-अलग स्तरों पर निवेश फैलाकर जोखिम कम करता है। जो निवेशक मंदी में भी एसआईपी जारी रखते हैं, उन्हें लंबे समय में बेहतर रिटर्न मिलता है।

एसआईपी बढ़ाना देता है दोगुना फायदा

अगर आप हर साल एसआईपी राशि 10% बढ़ाते हैं, तो नतीजे चौंकाने वाले होते हैं। उदाहरण: 5,000 रुपये मासिक एसआईपी 20 साल में 50 लाख बन सकती है, लेकिन हर साल 10% बढ़ाने पर वही एसआईपी लगभग 1 करोड़ एसआईपी तक पहुंच सकती है। एसआईपी कोई जादू नहीं, बल्कि अनुशासन और धैर्य का खेल है। जल्दी शुरू करें, लंबे समय तक टिके रहें, किस्तें मिस न करें और धीरे-धीरे राशि बढ़ाते रहें। तभी एसआईपी आपके लिए असली वेल्थ क्रिएटर साबित होगी।

भारत ने 26 जनवरी 1950 को अपने संविधान को अंगीकृत कर गणतंत्र का मार्ग चुना था। इन 77 वर्षों में भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में अपार प्रगति की है। उसने लोकतंत्र को सुदृढ़ किया, सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए और वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। भारतीय संविधान को दुनिया के सबसे प्रगतिशील और समावेशी संविधानों में गिना जाता है। सदियों से चली आ रही लैंगिक असमानता को दूर करने के उद्देश्य से, संविधान ने महिलाओं को समानता, गरिमा और सशक्तिकरण का आधार प्रदान किया है। वैश्विक परिदृश्य में आज जब दुनिया के अधिकांश छोटे-बड़े देशों में सत्ता व शासन प्रणाली को लेकर जन असंतोष व उथल-पुथल देखने को मिल रही है, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारतीय गणतंत्र अपनी उत्कृष्ट संवैधानिक व्यवस्था की मजबूत बुनियाद पर शान से परचम लहराता हुआ दिख रहा है। अपनी तमाम खूबियों के साथ इसकी प्रासंगिकता आज भी यथावत बनी हुई है। इसके बावजूद स्वस्थ गणतंत्र में राजनीतिक शुचिता से जुड़े सवाल भी खड़े होते हैं। इसके बावजूद कुछ तो ऐसा है कि जो आज भी हमारे लोकतंत्र को कायम रखे हुए है। इसमें गहरी मजबूती और अनगिनत ताकतें हैं। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

गणतंत्र में राजनीतिक शुचिता से जुड़े सवाल

विश्लेषण

मनीष कुमार चौधरी

स्वतंत्र पत्रकार

देश 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है। गणतंत्र की सेहत पर कुछ गंभीर विचार-विमर्श समय की जरूरत है। ऐसे समय में जब संवैधानिक ढांचे की नींव बनाने वाली संस्थाओं और विचारों का गहन आकलन हो रहा है, इस पर विचार करना जरूरी है कि 'हम, भारत के लोग', जिन्होंने भारत का पवित्र संविधान बनाया, अपनाया और खुद को दिया, अब इसे किस रूप में देखते-स्वीकारते हैं। ऐसे समय में जब राजनीतिक चर्चा रोजमर्रा की जिंदगी के हर पहलू में घुस गई है, सच्ची राजनीतिक लीडरशिप दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में सबसे दुर्लभ संसाधनों में से एक बन गई है।

जब देश 26 जनवरी, 2026 को एक और गणतंत्र दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है, गणतंत्र की सेहत पर कुछ गंभीर विचार-विमर्श समय की जरूरत है। ऐसे समय में जब हमारे संवैधानिक ढांचे की नींव बनाने वाली संस्थाओं और विचारों का गहन आकलन हो रहा है, इस पर विचार करना जरूरी है कि 'हम, भारत के लोग', जिन्होंने भारत का पवित्र संविधान बनाया, अपनाया और खुद को दिया, अब इसे किस रूप में देखते-स्वीकारते हैं। ऐसे समय में जब राजनीतिक चर्चा रोजमर्रा की जिंदगी के लगभग हर पहलू में घुस गई है, सच्ची राजनीतिक लीडरशिप दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में सबसे दुर्लभ संसाधनों में से एक बन गई है। यह निजी हितों को साधने का माध्यम बन गई है, जबकि लीडर की सत्ता जनता के कंधों पर सवार होकर आती है। भूटान के पांचवें और वर्तमान राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने 2008 के राज्याभिषेक में शासन की नींव रखते हुए जो नैतिक घोषणा की, यदि उसे हर देश का शासक अपने जीवन में उतार ले तो किसी भी डूबते लोकतंत्र को संजीवनी मिल सकती है।

सुशासन की भावना पनपे

भूटान के राजा ने अपने नैतिक भाषण में कहा था- 'अपने पूरे शासनकाल में मैं आप पर राजा की तरह शासन नहीं करूंगा। मैं आपकी रक्षा एक माता-पिता की तरह, देखभाल एक भाई की तरह और सेवा एक बेटे की तरह करूंगा। मैं हमेशा दया, न्याय और समानता की भावना से दिन-रात आपकी सेवा करूंगा।' लेकिन इन बातों के उलट जैसे ही कोई भारतीय राजनीतिक परिदृश्य पर दृष्टिपात करता है तो यह सवाल उठता है कि कितने राजनीतिक नेता सच में ऐसे आदर्शों को मानते हैं? सिद्धांत रूप में ज्यादातर नेता इन मूल्यों के प्रति निष्ठा जताते हैं; व्यवहार में बहुत कम लोग ऐसा करते हैं। तर्क दिया जा सकता है कि हमारे जैसे विशाल और विविध देश के लिए क्या ऐसा संभव है? भूटान के राजा की बातों को एक सैद्धांतिक कल्पना बताकर खारिज भी किया जा सकता है। फिर भी, सच्चाई यह है कि सुशासन की भावना की कोई भौगोलिक सीमा नहीं होती। सीमित संसाधनों वाले एक छोटे देश का सर्वोच्च नेतृत्व ऐसे आदर्शों में विश्वास कर सकता है और उसे फलीभूत करने का प्रयास कर सकता है तो हमारा देश दूरदर्शी नेतृत्व में क्यों पीछे रहे। खासकर तब हमारे देश में ज्यादा क्षमताएं, अवसर और रणनीतिक फायदे हैं?

बदल रही हैं प्राथमिकताएं

राजनीतिक दल- जो नागरिकों और सरकार के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं- ने अब तक सिर्फ चुनाव जीतने को प्राथमिकता दी है, जनता के दुख-दर्द दूर करना उनकी प्राथमिकताओं से लोप होते जा रहे हैं। चूंकि विधायिका की गुणवत्ता एक स्वस्थ राजनीतिक संस्कृति के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए बड़ा सवाल यह है कि क्या पार्टियों में बेईमान उम्मीदवारों को टिकट देने से मना करने का साहस होगा, चाहे वे कितने भी चुने जाने योग्य क्यों न दिखें। वे इसके बजाय ऐसे लोगों को मैदान में उतारें जो ईमानदारी का प्रतीक हों और सार्वजनिक जीवन में नए दृष्टिकोण लाएं। हमें अपने भीतर भी झांकना होगा कि क्या हम आम नागरिक के रूप में एक बीमार चुनावी राजनीति में भी उतने ही शामिल हैं जितने राजनीतिक दल। यदि हम यथास्थिति को स्वीकार करने की हद तक गिर जाते हैं तो गणतंत्र को भी बिखरने से रोक नहीं पाएंगे। हर चुनाव में हम इसी निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि पार्टियां जीतती हैं, लेकिन लोग हारते हैं। जड़ें जमाए भ्रष्टाचार, राजनीति के अपराधीकरण के कई रूप, गहरी सामाजिक-आर्थिक समानताओं की डोर और मजबूत क्यों होती जाती है। ये सवाल जस के तस रह जाते हैं कि चुनावी घोषणापत्र कानूनी रूप से लागू करने योग्य नहीं होते।

तुष्टीकरण की राजनीति

पार्टियों के लिए बड़े-बड़े वादे करना आसान होता है, बार-बार दोहराए जाने वाले वादे फिर-फिर दोहराने का क्रम क्यों जारी रहता है। कोई भी सरकार शासन संभाले, पुरानी बीमारियां फिर से सामने आ जाती हैं। सत्ता का दुरुपयोग, औसत दर्जे का प्रदर्शन, भाई-भतीजावाद और तुष्टीकरण अक्सर नए रूपों, डिजाइनों और रणनीतियों में फिर से पेश किया जाने लगता है। एक राजनीतिक विडंबना यह है कि वही पार्टी जब सत्ता में होती है तो लोकतंत्र को विजयी घोषित करती है; जब विपक्ष में होती है, तो इसे खतरे में बताती है। स्पष्ट है, नैतिक और अनैतिक के बीच की रेखा तेजी से धुंधली होती जा रही है। लोकलुभावनवाद की राजनीति को ही लें। यह सिर्फ वोट पाने के जरिए के रूप में क्यों इस्तेमाल की जाने लगी है। लंबे समय के विकास और वित्तीय स्थिरता की कीमत पर इसे क्यों नहीं अपनाया जाता? यह जानते हुए कि लोकलुभावन वादों की संस्कृति कार्य-संस्कृति को पंगु बनाती है। देश की जनता को बगैर कर्मठ बनाए बैठे-बिठाए बांटना एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए कतई उपयुक्त नहीं है। यह नीति राज्यों की अर्थव्यवस्था को इस हद तक प्रभावित कर रही है कि विकास की योजनाएं धन के लिए तरसने लगी हैं। तात्कालिक लाभ के फेर में लगातार, बड़े पैमाने पर विकास को दांव पर लगाया जा रहा है। योग्य और ईमानदारी से अपना टैक्स चुकाने वाला खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। होते-होते वे इसे अधिकार मानने लगते हैं। कोई भी पार्टी इस सिंड्रोम से पूरी तरह से अछूती नहीं है। राजनीति के दो आम लक्षण राजनीतिक फंडिंग की अपारदर्शी प्रणालियां और भ्रम वाले अभियान जगह-जगह नजर आने लगे हैं। चुनावों में पैसे का प्रभाव अक्सर संदिग्ध वित्तीय ढांचों और गुप्त राजनीतिक गठजोड़ों में निहित होता है। उतना ही चिंताजनक एक भोला-भाला मतदाता वर्ग है, जिसे अक्सर राजनेता आधे-अधूरे सच, भावनात्मक अपीलों और झूठे वादों से धोखा देते हैं।

लोकतांत्रिक मूल्य बनाए रखें

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के सदस्य होने के नाते हमारी जिम्मेदारी है कि हम लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखें और उन्हें आगे बढ़ाएं। लोकतांत्रिक सुधार का काम सरकारों, राजनीतिक पार्टियों या सिस्टम पर छोड़ देते हैं। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि राजनीतिक शुचिता में कमी के बावजूद कुछ तो ऐसा है कि जो आज भी हमारे लोकतंत्र को जिलाए है। इसमें गहरी मजबूती और अनगिनत ताकतें हैं, और यह अभी भी अपनी जगह वापस पा सकता है।

ऐसे दौर में जहां दुष्प्रचार हैरान करने वाली तेजी से सच्चाई को बिगाड़ सकते हैं, एक सशक्त राजनीतिक संस्कृति सिर्फ वांछनीय ही नहीं, जरूरी भी है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और एक प्रमुख वैश्विक आर्थिक, राजनीतिक शक्ति से हमें इतनी शक्ति तो मिलती ही है कि हम ऐसा कर सकें।

चुनौती के बावजूद हासिल की बड़ी उपलब्धियां

गणतंत्र

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

भारत देश में गणतंत्र दिवस केवल एक राष्ट्रीय उत्सव ही नहीं, बल्कि हमारी लोकतांत्रिक परंपराओं, संविधान और राष्ट्रीय एकता का उत्सव भी है। भारत ने 26 जनवरी 1950 को अपने संविधान को अंगीकृत कर गणतंत्र का मार्ग चुना था। इन 77 वर्षों में भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में अपार प्रगति की है। उसने लोकतंत्र को सुदृढ़ किया, सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए और वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

ये 77 वर्ष केवल समय का मापदंड नहीं, बल्कि उस यात्रा का प्रतिबिंब है जिसमें भारत ने चुनौतियों का सामना करते हुए विकास की राह बनाई है। इस दौरान लोगों ने राजनीतिक बदलाव देखे, वहीं विकास की ओर अग्रसर योजनाएं और कार्यक्रम भी देखे। युद्ध से दो चार होना पड़ा तो अपनी परमाणु शक्ति में भी भारत ने इजाफा किया। मेट्रो ट्रेन से लेकर कम्प्यूटर तक भारतीय नागरिकों के जीवन का हिस्सा बने। इतना ही नहीं, भारत ने बैलगाड़ी से लेकर एयर इंडिया तक का सफर तय किया है। नए-नए आविष्कारों और तकनीकी विकास से भारत विश्व में अपनी एक अलग पहचान बनाने में सफल रहा है। आज भारत की पहचान एक सशक्त राष्ट्र के रूप में है। यह अनायास नहीं है। दुनिया आज भारत की तरफ देख रही है। बीते 77 सालों में अपनी अंदरूनी समस्याओं, चुनौतियों के बीच देश ने ऐसा कुछ जरूर हासिल किया है, जिसकी तरफ दुनिया आकर्षित हो रही है। देश के पास गर्व करने के लिए उपलब्धियां हैं तो अफसोस जताने के लिए वजहें भी हैं। हमें आजादी तो मिल गई ,लेकिन वह आजादी आज किस रूप में है। हमारे पूर्वजों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, राजनेताओं ने आजाद भारत का जो सपना देखा था, उनकी नजरों में आजादी के जो मायने थे, क्या उसके अनुरूप हम आगे बढ़े हैं। संविधान में एक आदर्श देश की जो परिकल्पना की गई है, उसे हम कितना साकार कर पाए हैं। नागरिक से समाज और समाज से देश बनता है। सवाल है कि एक देश और व्यक्ति के रूप में आज हम कहां खड़े हैं, इसका एक सिंहावलोकन करना जरूरी है। भारत जीवंत लोकतंत्र का एक जीता-जागता उदाहरण है। यहां की लोकतांत्रिक संस्थाओं में लोगों की आस्था है। विरोधी विचारों का सम्मान लोकतंत्र को ताकत देता आया है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के रूप में भारत ने एक परिपक्व देश के रूप में अपनी पहचान बनाई है। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू से लेकर अब तक सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच मुद्दों पर गंभीर मतभेद रहे, लेकिन इन मतभेदों ने लोकतंत्र को कमजोर नहीं बल्कि उसे मजबूती दी है। लोग अपनी पसंद से सरकारें चुनते आए हैं। आम आदमी को सशक्त बनाने के लिए बीते दशकों में सरकारें जनकल्याणकारी नीतियां और योजनाएं लेकर आईं। योजनाओं का लाभ गरीबों एवं कमजोर वर्गों तक पहुंचाया गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, मनरेगा जैसे कार्यक्रमों एवं योजनाओं ने आम आदमी को सशक्त बनाया है। इन महात्वाकांक्षी योजनाओं से विकास की गति तेज हुई। लेकिन इन विकास योजनाओं के बावजूद देश में गरीबी, पिछड़ापन दूर नहीं हुआ है। विकास से जुड़ी समस्याएं अभी भी मौजूद हैं। उदारीकरण के दौर के बाद भारत तेजी से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ा है। आर्थिक, सैन्य और अंतरिक्ष क्षेत्र में इसने सफलता की बड़ी छलांग लगाई है।

चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ी है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है। सैन्य क्षेत्र में भारत एक महाशक्ति बनकर उभरा है। परमाणु हथियारों से संपन्न भारत के पास दुनिया की चौथी सबसे शक्तिशाली सेना है।

चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ी है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है। सैन्य क्षेत्र में भारत एक महाशक्ति बनकर उभरा है। परमाणु हथियारों से संपन्न भारत के पास दुनिया की चौथी सबसे शक्तिशाली सेना है। अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत ने नए-नए कीर्तमान गढ़े हैं। आईटी सेक्टर में देश अग्रणी बना हुआ है। इन उपलब्धियों ने देश को सुपरपावर बनने के दरवाजे पर लाकर खड़ा कर दिया है। जाहिर है कि आज भारत के पास दुनिया को देने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन इन सफलताओं एवं उपलब्धियों के बावजूद सामाजिक और नैतिक मूल्यों में ह्रास हुआ है। व्यक्ति से लेकर समाज, राजनीति सभी क्षेत्रों में मूल्यों का पतन देखने को मिला है। सत्ता, पावर, पैसा की चाह ने लोगों को भ्रष्ट और नैतिक रूप से कमजोर बनाया है। बेहतर समाज और राष्ट्र बनाने की जिम्मेदारी हम सभी की है। इसके लिए हम सभी को आगे आना होगा। तभी जाकर एक बेहतर भारत और 'न्यू इंडिया' के सपने को साकार किया जा सकेगा।

आधी आबादी को अब भी पर्याप्त अवसरों की दरकार

सशक्तिकरण

सुशील देव

वरिष्ठ पत्रकार

इस बात में कोई दो मत नहीं कि संविधान ने महिलाओं को ताकत दी, उन्हें सशक्त बनाया है। भारतीय संविधान, जो 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ, दुनिया के सबसे प्रगतिशील संविधान में से एक है। भारतीय संविधान को दुनिया के सबसे प्रगतिशील और समावेशी संविधानों में गिना जाता है। स्वतंत्रता के तुरंत बाद जब देश सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक असमानताओं से जूझ रहा था, तब संविधान निर्माताओं ने यह स्पष्ट समझ रखी कि लोकतंत्र तब तक अधूरा है, जब तक समाज की आधी आबादी-महिलाएं-समान अधिकारों और अवसरों से वंचित रहेंगी। सदियों से चली आ रही लैंगिक असमानता को दूर करने के उद्देश्य से, संविधान ने महिलाओं को समानता, गरिमा और सशक्तिकरण का आधार प्रदान किया है।

संविधान के मौलिक अधिकार : समानता का आधार

संविधान के भाग में वर्णित मौलिक अधिकार महिलाओं के सशक्तिकरण की नींव हैं। ये अधिकार सभी नागरिकों पर लागू होते हैं, लेकिन महिलाओं के संदर्भ में इन्होंने विशेष महत्त्व रखा है।

कानून के समक्ष समानता (अनुच्छेद 14): यह प्रावधान सुनिश्चित करता है कि राज्य किसी भी व्यक्ति के साथ भेदभाव नहीं करेगा। महिलाओं के लिए यह मजबूती प्रदान करता है, क्योंकि यह लैंगिक आधार पर होने वाले किसी भी भेदभाव को असंवैधानिक घोषित करता है। उदाहरणस्वरूप, संपत्ति अधिकार या शिक्षा में महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार मिलते हैं।

भेदभाव का निषेध (अनुच्छेद 15): राज्य धर्म, जाति, लिंग, जन्म स्थान या इनमें से किसी भी आधार पर भेदभाव नहीं करेगा। अनुच्छेद 15(3) विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष प्रावधान बनाने की अनुमति देता है, जैसे महिलाओं के लिए आरक्षण या विशेष योजनाएं। इससे महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में विशेष सहायता मिली है।

मातृत्व राहत (अनुच्छेद 42): राज्य को महिलाओं के लिए मानवीय कार्य स्थितियां और मातृत्व राहत प्रदान करने का निर्देश दिया गया है। इससे मातृत्व अवकाश, प्रसव सहायता और कार्यस्थल पर सुरक्षा जैसे कानून बने हैं, जैसे मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961।

शिक्षा और स्वास्थ्य (अनुच्छेद 45 और 47): ये प्रावधान महिलाओं की शिक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हैं, जिससे योजनाएं जैसे 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' और राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन संभव हुए हैं। ये सिद्धांत महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए राज्य को प्रेरित करते हैं।

पंचायती राज और राजनीतिक सशक्तिकरण: आरक्षण की शक्ति

संविधान में 73वें और 74वें संशोधन (1992) के माध्यम से महिलाओं को स्थानीय स्तर पर राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित की गई है। पंचायतों और नगर निकायों में 33 प्रतिशत आरक्षण ने ग्रामीण भारत में लाखों महिलाओं को पहली बार सत्ता और निर्णय प्रक्रिया से जोड़ा। यह एक ऐतिहासिक कदम था, जिसने महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई दिशा दी। हाल ही में, महिला आरक्षण विधेयक (2023) के माध्यम से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है, जो 2026 से लागू होने की संभावना है। लेकिन इन संवैधानिक प्रावधानों और कानूनों के बावजूद जमीनी सच्चाई कई सवाल खड़े करती है। आज भी देश में महिलाओं की श्रम भागीदारी दर चिंताजनक रूप से कम है। शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के बावजूद उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी सीमित है। कार्यस्थलों पर असमान वेतन, असुरक्षा और भेदभाव की शिकायतें आम हैं। वास्तविक सशक्तिकरण तभी संभव होगा जब कानून, प्रशासन और समाज-तीनों एक साथ आगे बढ़ें। संविधान ने रास्ता दिखाया है, अब जिम्मेदारी हमारी है कि उस रास्ते पर ईमानदारी से चला जाए, ताकि महिलाएं सिर्फ अधिकारों की धारक नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की बराबर की सहभागी बन सकें।

महिला आरक्षण विधेयक (2023) के माध्यम से लोकसभा और राज्य विधान सभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

बाबा साहेब आंबेडकर की दूरदर्शी सोच का प्रतिबिंब

मिसाल

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

दृढ़ निश्चय कैसे जीत का संकल्प होता है, यह मिसाल हमारे देश के संविधान के रूप व प्रारूप में देखने मिलती है। देश ही नहीं, विश्व में बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान की गंभीरता को सम्मान दिया जाता है। इसका कारण है कि बाबा साहब द्वारा निर्मित भारतीय संविधान आधुनिक भारत की आधारशिला है, जो समानता, स्वतंत्रता और एकता के सिद्धांतों पर आधारित है। यह संविधान न केवल देश की एकता-अखंडता को बनाए रखता है, बल्कि सभी नागरिकों को मौलिक अधिकार, न्याय और अवसर की समानता की गारंटी देकर एक लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और कल्याणकारी राष्ट्र का निर्माण करता है। हमारे संविधान में जितनी रचनात्मक चीजें हैं, उतनी कहीं नहीं देखी जाती। इसमें आश्चर्य व खुशी की बात यह है कि भारत का संविधान 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा में प्रस्तुत किया और उसे अपनाया गया, जिसके बाद यह संविधान 26 जनवरी 1950 से लागू हुआ। आज 75 वर्षों बाद भी इसका महत्व उतना ही देखने को मिला, जितना उस समय था।

संविधान, उस कालखंड में जनसंख्या व उस समय की परिस्थिति के हिसाब से बनाया गया था, लेकिन बाबा साहब की सोच इतनी तीव्र थी कि उन्होंने खाका इस तरह से तैयार किया कि वह आज तक सकारात्मक रूप से अमल में लिया जा रहा है। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि भारत जैसे देश के लिए इतना बड़ा कानूनी स्ट्रक्चर तैयार करना किसी चुनौती से कम नहीं था, चूंकि यहां प्रारंभिकता से सभी धर्मों का समावेश रहा है और मौलिक अधिकारों को लेकर हमेशा एक लडाई सी रही है। जानकारी दे दी जाए कि यह विश्व का सबसे लंबा लिखित संविधान है, जिसे तैयार करने में 2 साल, 11 महीने और 18 दिन लगे थे जिसकी विश्व पटल पर आज भी प्रशंसा होती हैं। चूंकि आकस्मिक व विषम परिस्थितियों के बावजूद देश के संविधान को धैर्य, विश्वास व ठहरावट के साथ निर्मित किया गया था। बाबा साहब ने जिस समाज का सपना देखा था, वो समता, बंधुता और न्याय पर आधारित था। यूं तो

बाबा साहेब की सोच इतनी तीव्र थी कि उन्होंने खाका इस तरह से तैयार किया कि आज 75 वर्षों बाद भी इसका महत्व उतना ही देखने को मिला, जितना उस समय था।

बाबा साहब के बचपन से लेकर भारत और विलायत में उच्च शिक्षा हासिल करने तक उन्होंने कितना संघर्ष किया, कितना अपमान सहा इसकी जानकारी ज्यादातर लोगों को हैं लेकिन ये कम ही लोग जानते हैं कि वो जितने कामयाब राजनीतिज्ञ थे, उतने ही कामयाब वकील भी थे। उन्होंने कई देशों के संविधान की पढ़ाई करने में काफी समय व्यतीत किया। उस दौर के सबसे शिक्षित व समझदार वकील होने की वजह से उन्होंने संविधान में उन तकनीक कानून का प्रयोग किया, जिसमें किसी भी धर्म व जाति के लोगों में किसी भी कोई भी नकारात्मक नहीं देखी गई। वैसे तो किसी भी देश का संविधान देश के सर्वोच्च कानून के रूप में कार्य करता है जो समाज को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों और नियमों को निर्धारित करता है। यह सत्ता के दुरुपयोग को रोकता है, न्याय और समानता को बढ़ावा देता है और नागरिकों को निर्णय लेने में भाग लेने की अनुमति देता है। बीते कुछ वर्षों में कुछ राज्य सरकारों व नेताओं ने संविधान पर बहुत राजनीति की और देश में नकारात्मकता फैलाने की कोशिश की। आज राजनीति में संविधान को एक मुद्दे के रुप में भुनाने का काम किया जा रहा है। भारत में राजनीतिक दल अक्सर संविधान का हवाला देकर अपनी विचारधारा और एजेंडे को बढ़ावा देने लगे हैं, जिसे विभिन्न आलोचक राजनीतिक दांव-पेंच के रूप में देखते हैं। सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों ही अक्सर संविधान की रक्षा या उसके उल्लंघन का आरोप लगाकर एक-दूसरे पर निशाना साधते हैं क्योंकि संविधान में राजनीतिक दलों का कोई सीधा उल्लेख नहीं है, लेकिन उनको यह समझना होगा कि उनके इस व्यवहार से हम आने वाली पीढ़ी के लिए गलत काम कर रहे हैं। जब हम ही संविधान की गरिमा को नहीं समझेंगे तो देश के युवाओं पर इसका क्या असर पडेगा, यह उनको समझना पड़ेगा। अब इसके नकारात्मक पहलू देखने को मिलने भी लगे। हमारे संविधान में भी 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के वोट देने का अधिकार है इसलिए हर किसी युवा को अपनी सोच व उपज के आधार पर अपनी सरकार चुनने का हक है। हमें यह शपथ लेनी होगी कि कोई भी बाबा साहब के बनाए हुए संविधान की आलोचना व दुरुपयोग न करें। हम स्वतंत्र भारत के वासी हैं और यह संचालन प्रक्रिया को लेकर हम उस दिशा में लेकर जाएंगे जो सब के हित के लिए कार्य करे।

भारतीय संविधान की प्रासंगिकता आज भी बरकरार

विशेषता

योगेंद्र माथुर

स्वतंत्र पत्रकार

भारत का संविधान देश के लोकतंत्र का मूल आधार है। यह भारत की जनता की आकांक्षाओं का प्रतिनिधि है। यह संविधान 26 जनवरी 1950 को देश में लागू किया गया और इसी दिन भारत को 'गणतंत्र' घोषित कर डॉ. राजेंद्र प्रसाद को भारत का प्रथम राष्ट्रपति नियुक्त किया गया। इस संविधान की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यह दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है।

वैश्विक परिदृश्य में आज जब दुनिया के अधिकांश छोटे-बड़े देशों में सत्ता व शासन प्रणाली को लेकर जन असंतोष व उथल-पुथल देखने को मिल रही है, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारतीय गणतंत्र अपनी उत्कृष्ट संवैधानिक व्यवस्था की मजबूत बुनियाद पर शान से परचम लहराता हुआ दिख रहा है। अपनी तमाम खूबियों के साथ इसकी प्रासंगिकता आज भी यथावत बनी हुई है।

संविधान निर्माण की प्रक्रिया: 15 अगस्त सन 1947 को स्वतंत्रता प्राप्ति सुनिश्चित होने के पश्चात भारत के कर्णधारों को एक ऐसे मार्गदर्शक विधान की आवश्यकता महसूस हुई जिसके प्रकाश में लोकतांत्रिक पद्धति से देश का सुचारू व निर्बाध रूप से संचालन होता रहे। अतः इसके निर्माण के लिए एक संविधान सभा का गठन किया गया। इसमें तमाम वर्गों व विचारधाराओं के बुद्धिजीवी सदस्यों को शामिल किया गया। केबिनेट मिशन योजना के प्रावधानों के अनुसार नवंबर 1946 में गठित संविधान सभा की प्रथम बैठक 9 दिसंबर 1946 को आहूत की गई।

इसकी अध्यक्षता डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा ने की थी। संविधान सभा द्वारा 22 जनवरी 1947 को पारित किया गया। संविधान निर्माण के लिए विभिन्न समितियों यथा प्रक्रिया समिति, वार्ता समिति, संचालन समिति, कार्य समिति, संविधान समिति व झंडा समिति आदि बनाई गई। इनमें प्रमुख प्रारूप समिति का गठन 19 अगस्त 1947 को किया गया और डॉ. बी.आर. अंबेडकर को इसका अध्यक्ष बनाया गया। भारत के इस संविधान की प्रमुख विशेषता यह है कि लोकतंत्र के तीनों अंगों यथा विधायिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका में टकराव न हो इसके लिए इनके अधिकारों, कर्तव्यों व सीमाओं का निर्धारण इस संविधान में स्पष्ट रूप से किया गया है। संविधान में यह व्यवस्था की गई है

आचार-व्यवहार व अनुशासित जीवन जीना हमारी प्रतिबद्धता होना चाहिए। संविधान द्वारा स्थापित आदर्शों और सिद्धांतों के प्रति समर्पण भाव रखना हमारा नैतिक कर्तव्य है।

कि कोई लोकतंत्र का कोई भी अंग अपने अधिकारों, सीमाओं व मर्यादा का उल्लंघन न करें।

शक्तियों का बंटवारा : संविधान में संघ सूची, राज्य सूची व समवर्ती सूची के द्वारा केंद्र व राज्य की शक्तियों का स्पष्ट बंटवारा किया गया है। ऐसे विषय जो तीनों सूची में न हों अर्थात अवशिष्ट विषयों पर कानून बनाने की अनन्य शक्ति संसद को दी गई है। इसमें नागरिकों को स्वतंत्रतापूर्वक जीवन यापन करने के लिए मौलिक अधिकार दिए गए हैं तो नागरिक कर्तव्यों का भी समावेश किया गया है ताकि नागरिकों में देश के प्रति जिम्मेदारी और देशभक्ति की भावना स्थापित हो। हालांकि मूल संविधान में मौलिक कर्तव्य नहीं थे। ये 1976 के 42 वें संशोधन के तहत संविधान में शामिल किए गए हैं। संविधान में कुल 11 मौलिक कर्तव्यों का समावेश किया गया है। संविधान की प्रस्तावना या उद्देश्यिका के अनुरूप एक कल्याणकारी राज्य की स्थापना के उद्देश्य से राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का प्रावधान भी संविधान में किया गया है। हालांकि इन्हें लागू करवाने के लिए कोई कानूनी या संवैधानिक दबाव नहीं है। भारत का संविधान काफी हद तक लचीला है। इसमें समय, परिस्थितियों व आवश्यकतानुसार संशोधन भी किए जा सकते हैं। संविधान में संशोधन की निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत संविधान में पहला संशोधन सन् 1951 में हुआ था। इस संशोधन में राज्यों के भूमि सुधार कानूनों को नवीं अनुसूची में रखकर न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र से बाहर कर दिया गया था। तब से अब तक संविधान में 100 से अधिक संशोधन किए जा चुके हैं, लेकिन संविधान का मूल स्वरूप यथावत बना हुआ है। हमें गर्व होना चाहिए कि हमारे पास एक ऐसा संविधान है, जिसमें दृढ़ता व लचीलेपन के बीच एक आदर्श संतुलन है। दुनिया के तेजी से बदलते आंतरिक व वैश्विक परिदृश्य में विघटनकारी, विभाजनकारी एवं विनाशकारी शक्तियों द्वारा खड़ी की जा रही चुनौतियों का सामना करने में कुछ ही देश सफल हो सके हैं। दूसरी ओर, भारत का संविधान देश के नागरिकों द्वारा अंगीकृत किए जाने के बाद से अब तक सतत गतिशीलता व प्रासंगिकता के साथ समृद्ध व सशक्त होता रहा है।

कहा जा सकता है कि संसदीय लोकतंत्रात्मक व्यवस्था के साथ भारत का संविधान दुनिया का सर्वश्रेष्ठ संविधान है। अतः संविधान के अनुसार आचार-व्यवहार व अनुशासित जीवन जीना हमारी प्रतिबद्धता होना चाहिए। संविधान द्वारा स्थापित आदर्शों व सिद्धांतों के प्रति समर्पण भाव रखना हमारा नैतिक कर्तव्य है।

बंगला लाइन में अवैध शराब बिक्री पर कार्यवाही करने पहुंची टीम पर किया था पथराव

आबकारी टीम पर हमला करने वाले 3 आरोपित गिरफ्तार, भेजे गये जेल

शराब का अवैध कारोबार करने वाले अब इतने दबंग हो चुके हैं कि कानून का भी भय नहीं रहता। बंगला लाइन में अवैध शराब बिक्री पर कार्यवाही करने पहुंची आबकारी टीम पर पथराव की घटना इसका ज्वलंत उदाहरण है। हमले की शिकायत पर पुलिस एक्शन में आई और बदमाशों को गिरफ्तार कर उनका जुलूस निकाल कर सारी हेकड़ी निकाली। कुछ फरार है, जिनकी तलाश की जा रही है

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

आबकारी टीम पर हमला करने एवं वाहनों को क्षतिग्रस्त करने के मामले में पुलिस ने तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। गौरतलब है कि दो दिन पूर्व बंगला लाइन क्षेत्र में अवैध शराब के विरुद्ध कार्यवाही करने पहुंची आबकारी टीम पर आरोपियों ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर पथराव किया था, जिसमें विभाग के तीन वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए थे।

22 जनवरी को जिला आबकारी विभाग की टीम उप निरीक्षक केशव प्रसाद उइके के नेतृत्व में बंगला लाइन इलाके में अवैध शराब की सूचना पर दबिश देने पहुंची थी। इसी दौरान स्थानीय निवासी आरोपियों ने संगठित होकर टीम को घेर लिया और ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया। इस अचानक हुए पथराव में आबकारी विभाग के तीन वाहन क्षतिग्रस्त हो गए, हालांकि टीम के सदस्य बाल-बाल बच गए। आबकारी उप निरीक्षक की शिकायत पर माधवनगर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था।

पुलिस ने मुखबिर की सूचना के बाद बंगला लाइन निवासी तीन युवकों को हिरासत में लिया जिनमें आकाश उर्फ राका वंशकार 23 वर्ष, शाहिल उर्फ गोला वंशकार 21 वर्ष, बादल वंशकार 20 वर्ष शामिल है। पूछताछ में आरोपियों ने जुर्म स्वीकार किया है। पुलिस अब इनके फरार साथियों की तलाश कर रही है। साथ ही सभी के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही भी की गई है।

यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन, एएसपी डॉ. संतोष डेहरिया व सीएसपी नेहा पच्चीसिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी संजय दुबे के नेतृत्व में की गई। टीम में सउनि राजेश बागरी, प्रआर. श्रीकान्त सेन, आरक्षक लोकेन्द्र, उमाकांत, राकेश साहू, नवीन शुक्ला, संजय सिंह और गौरव गिरी की विशेष भूमिका रही।

न्यायालय परिसर में गुंडा टैक्स मांगने वाले 7 आरोपी गिरफ्तार

सतना। पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह के निर्देशन में थाना सिविल लाइन पुलिस ने न्यायालय परिसर में दहशत फैलाने वाले अपराधियों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की है। न्यायालय जैसे संवेदनशील परिसर में अड़ीबाजी कर गुंडा टैक्स वसूलने वाले 7 शातिर आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह परिहार को सूचना मिली थी कि न्यायालय परिसर में कुछ युवक गुंडागर्दी कर रहे हैं और आपस में ही मारपीट पर उतारू हैं। पुलिस बल ने मौके पर घेराबंदी कर मन्नू उर्फ मृगेंद्र सिंह,साहिल, नारायण,आदित्य मिश्रा,विपुल द्विवेदी,देव पटरिया और कान्हा उर्फ आर्यन को अभिरक्षा में लिया। इन आरोपियों के खिलाफ धारा 119(1) व अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।पुलिस ने साफ संदेश दिया है कि सार्वजनिक स्थानों पर शांति भंग करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इस सराहनीय कार्रवाई में सउनि रोहिणी प्रसाद,प्रधान आरक्षक प्रवीण तिवारी और विवेक दुबे सहित पूरी टीम की मुख्य भूमिका रही।

बेखौफ बदमाश ने शिल्पी प्लाजा में भरे बाजार 5 वाहनों के कांच फोड़े

रीवा। शहर में अपराधियों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। शुक्रवार रात रीवा के अति व्यस्त शिल्पी प्लाजा क्षेत्र में बाइक सवार बदमाशों ने खुलेआम उत्पात मचाते हुए दहशत फैला दी। हाथ में डंडा लिए बदमाशों ने सड़क किनारे खड़ी चार पहिया वाहनों के कांच तोड़ दिए और मौके से फरार हो गए। इस घटना से पूरे बाजार क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शुक्रवार की रात करीब 9 बजे दो युवक बाइक पर सवार होकर शिल्पी प्लाजा पहुंचे। एक युवक बाइक चला रहा था, जबकि दूसरा पीछे बैठा हुआ था और उसके हाथ में डंडा था। दोनों आरोपी तेज रफ्तार में बाजार से गुजरते हुए सड़क किनारे खड़ी फोर व्हीलर गाड़ियों को निशाना बनाते चले गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पीछे बैठा युवक डंडे से वाहनों के कांच तोड़ता जा रहा था। करीब 500 मीटर के दायरे में खड़ी पांच चार पहिया गाड़ियों के कांच बदमाशों ने चकनाचूर कर दिए। अचानक हुई इस घटना से बाजार में मौजूद दुकानदारों और ग्राहकों में दहशत फैल गई।घटना की जानकारी मिलते ही वाहन मालिक मौके पर पहुंचे और अपने क्षतिग्रस्त वाहनों को देखकर आक्रोशित हो उठे। बाइक में सवार कुछ लोगों ने आरोपियों का पीछा करने का प्रयास भी किया, लेकिन बदमाश तेज गति से फरार हो गए और कुछ ही दूरी पर उनका कोई सुराग नहीं मिल सका। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई।

जिले में आदिवासी भूमि पर सुनियोजित "कन्वर्ज़न–बेनामी–माफिया" घोटाला

गैर-आदिवासी ने आदिवासियों को मोहरा बनाकर करोड़ों की जमीन हड़पी, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने किया खुलासा

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

जिले में आदिवासी भूमि की लूट का एक नया और खतरनाक मॉडल सामने आया है। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने आरोप लगाया है कि जिले में कन्वर्जन–बेनामी–माफिया का एक संगठित नेटवर्क सक्रिय है, जो गरीब और अशिक्षित आदिवासियों को आगे रखकर करोड़ों रुपये की जमीन गैर-आदिवासियों के नाम करा रहा है। पार्टी का आरोप है कि इस पूरे षड्यंत्र का मास्टरमाइंड गैर-आदिवासी अल्फाज़ शाह है, जिसने आदिवासी कानूनों को दरकिनार करने के लिए आदिवासियों को केवल "नामधारी" बनाकर जमीनों की खरीद-फरोख्त करवाई और बाद में नियमविरुद्ध कन्वर्जन करा लिया।

आदिवासी के नाम जमीन, पैसा गैर-आदिवासी का गोंडवाना गणतंत्र पार्टी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि इस घोटाले का तरीका बेहद सुनियोजित है। पहले आदिवासी के नाम से जमीन खरीदी जाती है पूरा भुगतान गैर-आदिवासी करता है (RTGS, चेक और नगद) फिर झूठे शपथपत्रों के आधार पर भूमि का कन्वर्जन गैर-आदिवासी के पक्ष में कराया जाता है। अंततः मुनाफा भी गैर-आदिवासी ही उठाता है। पार्टी ने इस पूरे प्रकरण में राजस्व अधिकारियों और तत्कालीन कलेक्टर की भूमिका को भी संदिग्ध बताया है।

गरीब बताकर करोड़ों का खेल

इस घोटाले का प्रमुख चेहरा गोकल उईके (अनुसूचित जनजाति) बताया गया है। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के अनुसार, गोकल खुद को अत्यंत गरीब और किडनी रोग से पीड़ित बताकर प्रशासन और मीडिया को गुमराह करता रहा, जबकि बैंक रिकॉर्ड कुछ और ही कहानी कहते हैं।

खाता: सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया
खाता खुला: 20 मार्च 2024
मात्र एक महीने में ट्रांजैक्शन: 1.25 करोड़ से अधिक
वर्तमान बैलेंस: मात्र 5,500

पार्टी का कहना है कि यह साफ संकेत है कि गोकल उईके केवल एक मोहरा है। नियमविरुद्ध भूमि सौदों की लंबी सूची प्रेस विज्ञप्ति में कई जमीन सौदों का जिक्र किया गया है, जिनमें नगद लेन-देन और फर्जी रजिस्ट्रियों के आरोप हैं खसरा 319/2 (0.392 हे.) 12 लाख (पूरी रकम नगद) खसरा 269/1/2 (0.809 हे., ग्राम मालनवाड़ा) 25 लाख (RTGS + नगद) खसरा 276/3 आसाराम भारती खसरा 330/5 (भानादेही) पिता-पुत्र के बीच कथित फर्जी रजिस्ट्री खसरा 57 (अतरवाड़ा) अन्य कई सौदे 10 लाख से 27 लाख तक पार्टी का दावा है कि सभी मामलों में पैसा अल्फाज़ शाह का और लाभ भी उसी का है।

बैंक ट्रांजैक्शन से नेटवर्क का खुलासा

गोकल उईके के खाते से जिन लोगों को बड़ी रकम ट्रांसफर हुई, वे सभी अल्फाज़ शाह के कथित नेटवर्क से जुड़े बताए जा रहे हैं—

(अल्फाज़ शाह) – 11 लाख
ईसाब शाह – 25 लाख
अशरफ खान – 11.58 लाख
भारत दयाल मालवी – 35 लाख
मनोज रघुवंशी – 21.38 लाख

गौमांस तस्करी का नेटवर्क सक्रिय

सिर्फ दो महिलाएं नहीं, पूरा रैकेट बेनकाब करने की रखी मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ पांढुर्णा

वरूड से पांढुर्णा तक सक्रिय गोकशी और गोमांस तस्करी के संगठित रैकेट के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर विशाल जामसांवली पदयात्रा समिति ने जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। समिति ने स्पष्ट किया कि यह मामला केवल दो महिलाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे सुनियोजित और संगठित नेटवर्क कार्यरत है, जिसे जड़ से तोड़ना बेहद आवश्यक है। ज्ञापन में समिति ने गौ तस्करी के मामले को गंभीर अपराध बताते हुए सवाल उठाया कि आखिर गौ तस्करी किसने की और इसका वास्तविक जिम्मेदार कौन है। समिति ने मांग की कि पुलिस इस पूरे प्रकरण की गहन, निष्पक्ष और तकनीकी जांच कर मुख्य आरोपियों तक पहुंचे और उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करे। समिति ने यह भी मांग की कि पांढुर्णा में मां-बेटी से गोमांस खरीदने वाले ग्राहकों की पहचान कर उनके खिलाफ भी प्रकरण दर्ज किए जाएं। समिति का कहना है कि 40 किलो गोमांस किसी छोटे दुकानदार या मामूली ग्राहक के लिए नहीं मंगवाया गया हो सकता। इससे साफ संकेत मिलता है कि इसके पीछे कोई बड़ा व्यापारी या थोक खरीदार शामिल है।ज्ञापन में यह आशंका भी जताई गई कि पकड़ी गई दो महिलाएं केवल परिवहन या मुखौटा हो सकती हैं, जबकि असली संचालक पर्दे के पीछे सुरक्षित बैठे हैं। समिति ने सवाल उठाया कि इतनी बड़ी मात्रा में गोमांस मंगवाने वाला व्यक्ति कौन है और अब तक उसकी गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई। जामसांवली पदयात्रा समिति ने मांग की कि इस पूरे मामले में शामिल सभी व्यक्तियों को सह-आरोपी बनाकर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह के अवैध और समाजविरोधी कृत्यों पर प्रभावी रोक लग सके। समिति ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो ऐसे अवैध धंधे कानून-व्यवस्था और सामाजिक शांति के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं।

चित्रकूट में अपहरण के बाद किशोर की हत्या, पुलिस मुठभेड़ में एक आरोपी ढेर

सतना। चित्रकूट के बरगढ़ कस्बे में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। कपड़ा व्यापारी अशोक केशरवानी के 13 वर्षीय पुत्र आयुष का अपहरण कर उसकी निर्मम हत्या कर दी गई।पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में एक मुख्य आरोपी ढेर हो गया है,जबकि दूसरा घायल है। गुरुवार शाम आयुष कोचिंग के लिए निकला था,तभी आरोपी उसे अपनी बाइक पर बैठाकर ले गए। अपहरणकर्ताओं ने परिजनों से 40 लाख रुपये की फिरौती मांगी। पुलिस ने जब सीसीटीवी फुटेज खंगाले, तो आरोपी इरफान और कल्लू की पहचान हुई। पुलिस ने छापेमारी कर इरफान को पकड़ा,जिसकी निशान देही पर शौचालय के टैंक से आयुष का शव बरामद हुआ। आयुष की गला घोंटकर हत्या की गई थी। जब पुलिस आरोपियों को लेकर सबूत जुटाने निकली,तो उन्होंने भागने का प्रयास किया। जवाबी फायरिंग में आरोपी कल्लू उर्फ साहिबे ईमान की मौत हो गई,जबकि इरफान गंभीर रूप से घायल है। इस घटना से क्षेत्र में भारी आक्रोश है। व्यापारियों ने झांसी-मिर्जापुर हाईवे जाम कर प्रदर्शन किया।

दिनदहाड़े एक ही परिवार पर जानलेवा हमला

रीवा। शहर के भीतर दिनदहाड़े कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाली एक गंभीर घटना सामने आई है। रीवा शहर के पीके स्कूल के पीछे स्थित इलाके में पड़ोस में रहने वाले सरहंग युवकों ने एक ही परिवार के भाई, बहन और चाचा पर जानलेवा हमला कर दिया। आरोपियों ने बिना किसी पूर्व विवाद के लाठी-डंडों से मारपीट की और पत्थरों से भी हमला किया, जिससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना में घायल ओमप्रकाश कोल ने अस्पताल में जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार दोपहर वह अपने घर के पास मौजूद था, तभी पड़ोस में रहने वाले कुछ युवकों ने अचानक उस पर हमला कर दिया। पीड़ित के अनुसार, हमलावरों ने बिना किसी बातचीत या विवाद के मारपीट शुरू कर दी। जब ओमप्रकाश की बहन पूजा रावत और चाचा श्याम सुंदर कोल बीच-बचाव के लिए पहुंचे तो हमलावरों ने उन पर भी लाठी-डंडों से हमला कर दिया।

फर्जी वर्क ऑर्डर देकर युवाओं से ठगे लाखों

दमोह। शातिर लोग रोजगार दिलाने का झांसा रोजाना अनेक युवाओ को ठगी का शिकार बना रहे हैं। कुछ इसी प्रकार का मामला पुलिस अधीक्षक दमोह के संज्ञान में लाया गया है। सागर जिले के निवासी प्रतीक तिवारी ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय जाकर गुहार लगाई और बताया है कि वह और उसके साथी शिवम राव निवासी भाटिया को उसकी जान पहचान के विजेंद्र राठौर ने उनकी मुलाकात इंदौर निवासी रोहित पटेल और प्रद्दीम पटेल से कराइ थी। रोहित पटेल और प्रद्दीम ने खुद को ट्रिक्स एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड का सीईओ और डायरेक्टर बताया था। उनका कहना था कि उनकी सरकार के मंत्रियों और अधिकारियों से अच्छी बातचीत है जिससे फार्म के नाम पर सरकारी वर्क ऑर्डर जारी करवा देते है। उनकी कंपनी देश भर में बड़े स्तर पर काम कर रही है। अस्सी लाख डिपॉजिट करने की बात कही आवेदक एवं शिवम राव व उसके अन्य साथियो ने पार्टनरशिप में पैसा जमा कर रोहित और प्रद्दीम पटेल को दे दिए थे। उसके बदले उसने गंगा ट्रेडर्स दमोह के नाम पर मंडला जिला का वर्क ऑर्डर दे दिया जब आवेदक मंडला काम लेने गया तो जिला प्रबंधक मंडला ने उक्त वर्क ऑर्डर को फर्जी बताया।

प्रशासन सख्त, एसडीएम ने किया निरीक्षण

बुंदेलखंड गौशाला में गोवंशों की भूख-ठंड से मौत

नौगांव।

नगर स्थित बुंदेलखंड गौशाला में हाल के दिनों में भूख एवं ठंड के कारण गोवंशों की मौत के गंभीर मामले के बाद जिला प्रशासन तत्काल सक्रिय हो गया है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए जिला कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने तुरंत संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए।

शनिवार को नौगांव के एसडीएम गोपाल शरण पटेल एवं तहसीलदार रमेश कॉल ने गौशाला का पुनः निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि गौशाला की लगभग 86 एकड़ भूमि में से बड़े हिस्से पर संचालक द्वारा खेती एवं वृक्षारोपण किया गया है, जबकि गौशाला में निवासरत गोवंशों के लिए पर्याप्त चारे एवं ठंड से सुरक्षा की कोई उचित व्यवस्था नहीं की गई थी। एसडीएम गोपाल शरण पटेल ने बताया कि गौशाला में वर्तमान में 700 से 800 गोवंश मौजूद हैं। उनके ठहरने हेतु स्थान उपलब्ध है, किंतु भोजन एवं शीतकालीन सुरक्षा की व्यवस्थाओं में गंभीर लापरवाही उजागर हुई है। इसी लापरवाही के फलस्वरूप हाल ही में दो दर्जन से अधिक गोवंशों की मृत्यु हो चुकी है।

प्रारंभिक जानकारी में गौशाला प्रबंधन ने मृत्यु का कारण ठंड बताया था, परंतु पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट हुआ कि मृत गोवंशों के पेट खाली थे तथा मुख्य मृत्युकारण भूख एवं शारीरिक कमजोरी था। निरीक्षण के समय एसडीएम द्वारा उन भूमि खंडों पर गोवंशों को छोड़ने की व्यवस्था की गई, जिन्हें संचालक ने पूर्व में उपयोग से बाहर रखा हुआ था। अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए निर्देश दिए कि भविष्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एसडीएम गोपाल शरण पटेल ने आगे जानकारी देते हुए कहा कि अब गौशाला परिसर में हरी घास की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, चारा उत्पादन स्वयं गौशाला में ही कराया जाएगा तथा गोवंशों को ठंड से बचाव हेतु समुचित प्रबंध किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि गौशाला संचालक द्वारा कुछ निर्माण कार्य तो कराए गए हैं, किंतु गोवंश संरक्षण एवं उनकी उचित देखभाल की मूल जिम्मेदारी का पालन नहीं किया गया। मामला जिला एवं प्रदेश स्तर तक पहुंचने के पश्चात जिला प्रशासन ने सख्त रवैया अपनाते हुए व्यवस्थाओं को सुधारने की ठोस पहल आरंभ कर दी है।

पेट्रोल पंप पर रंगदारी दिखाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

दमोह। ओम समृध्दि पेट्रोल पंप पुरेनयाऊ के मैनेजर से रंगदारी से शराब पीने के लिये पैसा मांगना पैसा न देने पर गालिया देकर मारपीट करने वाले दो आरोपियों को थाना जबेरा पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 19.01.2026 को ओम समृध्दि फिलिंग स्टेशन पेट्रोल पंप पुरनयाऊ के मैनेजर राकेश जैन पिता भागचंद जैन उम्र 50 साल निवासी नेमी नगर कालोनी दमोह हाल ओम समृध्दि फिलिंग स्टेशन पेट्रोल पंप पुरनयाऊ ने थाना जबेरा में आरोपी निखलेश मिश्रा निवासी जबेरा, सौरभ झारिया निवासी डेलनखेडा के विरुध्द शराब पीने के लिये पैसा मांगने पैसा न देने पर मां बहिन की गालिया देकर चाटा से मारपीट करना एवं लोहे के पाईप से आफिस के कैबिन पर तोड फोड करने एवं जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट पर आरोपियान उक्त के विरुध्द थाना जबेरा में प्रकरण पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया।

माघ मेले प्रयाग में गूंजा "नर्मदे हर"

गंगा-यमुना-सरस्वती संगम पर माँ नर्मदा का दिव्य समन्वय

प्रयागराज। संगमनगरी प्रयागराज में आयोजित माघ मेले के दौरान अध्यात्म और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। गंगा-यमुना-सरस्वती के पावन त्रिवेणी संगम पर जहाँ सैकड़ों शिविर, विशाल पंडाल, अखाड़े लगे हुए है उनके साथ ही एक ओर माँ नर्मदा की आध्यात्मिक उपस्थिति भी श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रही है।

जल संरक्षण की अलख जगा रहीं वाटर वुमेन शिप्रा पाठक द्वारा माघ मेले में स्थापित पर्यावरण शिविर में नित्य "नर्मदे हर" का जाप गूंज रहा है। शिविर में स्थापित माँ नर्मदा की दिव्य प्रतिमा, जिसे मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले के वगरई ग्राम के कुशल शिल्पकारों द्वारा निर्मित किया गया है, श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। प्रतिमा के दर्शन के लिए माघ मेले में आए श्रद्धालुओं एवं कल्पवासियों की निरंतर भीड़ उमड़ रही है। वाटर वुमेन शिप्रा पाठक इन दिनों प्रयागराज की पावन संगमधरा पर कल्पवास कर रही हैं। उनके शिविर में माँ नर्मदा की

विधिवत स्थापना कर प्रतिदिन भोग अर्पण एवं प्रसाद वितरण किया जा रहा है। संगम क्षेत्र में कल्पवास कर रहे अनेक संत-महात्मा भी माँ नर्मदा के दर्शन हेतु शिविर में पहुंच रहे हैं। उल्लेखनीय है कि शिप्रा पाठक ने 2018 में माँ नर्मदा की पैदल परिक्रमा कर जल संरक्षण का संकल्प लिया था। इसी आध्यात्मिक यात्रा के दौरान उन्होंने यह विचार किया कि जल संरक्षण का संदेश केवल एक नदी तक सीमित न रहकर पूरे देश में फैलना चाहिए। माँ नर्मदा के आशीर्वाद से उन्होंने गोमती, शिप्रा सहित अयोध्या से रामेश्वरम पैदल चलकर लगभग 13 हजार किलोमीटर की दिव्य पदयात्रा कर देशभर में पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।माघ मेले में भी शिप्रा ने सैकड़ों संतों के साथ पर्यावरण पद यात्रा निकालकर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया। माघ मेले में स्थापित यह पर्यावरण शिविर गंगा-यमुना-सरस्वती के त्रिवेणी संगम के साथ माँ नर्मदा के समन्वय का प्रतीक बन गया है। यह शिविर यह संदेश दे रहा है कि देश की सभी नदियाँ हमारी संस्कृति, आस्था और पर्यावरण संरक्षण की साझा धरोहर हैं। अध्यात्म के माध्यम से पर्यावरण चेतना का यह प्रयास माघ मेले में विशेष चर्चा का विषय बना हुआ है।

बड़े हनुमान मंदिर के पुजारी पर हमला, रास्ते में जानवर बांधने से टोकने पर दबंग ने फोड़ा सिर

सतना। शनिवार को मझगवां थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुरवा में उस समय सनसनी फैल गई,जब सुप्रसिद्ध 'बड़े हनुमान मंदिर' के पुजारी पर एक स्थानीय दबंग ने जानलेवा हमला कर दिया। विवाद की जड़ मंदिर मार्ग पर जानवरों को बांधकर रास्ता अवरुद्ध करना बताया जा रहा है। शनिवार होने के कारण मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ थी। मंदिर के पुजारी अमित गौतम 40 वर्ष सुबह लगभग 10 बजे मंदिर पहुंचे थे। मंदिर मार्ग पर स्थित दामोदर उरमलिया नामक व्यक्ति ने अपने मवेशियों को मुख्य रास्ते पर बांध रखा था,जिससे श्रद्धालुओं के आने-जाने में काफी परेशानी हो रही थी। जब पुजारी अमित गौतम ने व्यवस्था सुधारने के उद्देश्य से दामोदर से मवेशियों को घर के अंदर या किनारे बांधने का आग्रह किया,तो आरोपी भड़क गया। प्रत्यक्षदर्शियों और दर्ज एफआईआर के अनुसार,टोकने पर आरोपी दामोदर उरमलिया अपना आपा खो बैठा और पुजारी को भद्दी-भद्दी गालियां देने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने पास ही पड़ा एक पत्थर उठाकर पुजारी के सिर पर दे मारा,जिससे वह लहूलुहान हो गए। आरोपी ने उन्हें लात-घूंसों से भी पीटा और शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। पुजारी ने बताया कि मैंने सिर्फ रास्ता साफ करने को कहा था ताकि भक्तों को दिक्कत न हो,लेकिन दामोदर ने गाली-गलौज करते हुए पत्थर से हमला कर दिया। बीच-बचाव के लिए शुभम गौतम और सचिन गौतम आए, वरना अनहोनी हो सकती थी।घटना के तुरंत बाद घायल पुजारी मझगवां थाना पहुंचे और मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।पुलिस ने मारपीट और गाली-गलौज की सुसंगत धाराओं के तहत केस दर्ज किया है।

भारत की नई अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में सशक्त भूमिका निभाएगा मप्र

स्पेस टेक नीति-2026 से मप्र बनेगा भारत का नया 'स्पेस टेक' हब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र स्पेस टेक नीति-2026 राज्य की वैज्ञानिक और खगोलीय विरासत को फ्यूचर रेडी टेक्नॉलोजिकल लीडरशिप में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह नीति नवाचार, अनुसंधान और आधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से युवाओं के लिए नए अवसर सृजित करेगी। इससे मप्र भारत की नई अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में सशक्त भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य स्पेस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीप-टेक जैसे उभरते सेक्टर्स में निवेश को प्रोत्साहित करना, उच्च-कौशल रोजगार सृजित करना और मप्र को एक अग्रणी स्पेस टेक हब के रूप में स्थापित करना है।

ऐतिहासिक रूप से प्राचीन भारत का ग्रीनविच कहे जाने वाले उज्जैन (डोंगला) की खगोलीय विरासत को आधुनिक विज्ञान और एआई तकनीक से जोड़कर राज्य को अंतरिक्ष अनुसंधान के नए केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। नीति का क्रियान्वयन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा किया जाएगा, जिसमें एमपीएसईडीसी नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगी।

नवाचार और अनुसंधान से युवाओं के लिए सृजित होंगे नए अवसर

भारतीय अंतरिक्ष नीति व इन स्पेस सुधारों के अनुरूप निजी क्षेत्र की भागीदारी को देंगे बढ़ावा: सीएम

नीति के तहत डिजाइन-लिंक्ड इंसेंटिव, प्रोटो टाइप विकास अनुदान, बौद्धिक संपदा (आईपी) प्रतिपूर्ति सहायता और स्टार्ट-अप और एमएसएमई को प्रोत्साहित करने के लिए संरचित मैचिंग-फंड मॉडल शामिल किया गया है। इसके साथ ही भारतीय अंतरिक्ष नीति और इन स्पेस सुधारों के अनुरूप निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा दिया जाएगा। नीति की विशेष उपलब्धि उज्जैन में खगोल भौतिकी एवं अंतरिक्ष विज्ञान के लिए अनुसंधान एवं विकास केंद्र की स्थापना है। इस केंद्र से उज्जैन की समृद्ध खगोलीय विरासत को आधुनिक विज्ञान और एआई तकनीक से जोड़ा जाएगा। निवेशकों, स्टार्ट-अप्स और अनुसंधान संस्थानों को सिंगल-विंडो सुविधा उपलब्ध कराने के लिए एक समर्पित सुविधा प्रकोष्ठ भी स्थापित किया जाएगा। स्पेस टेक नीति से मध्यप्रदेश देश के अग्रणी टियर-2 स्पेस टेक हब के रूप में उभरेगा।

अनुसंधान एवं विकास को विशेष प्राथमिकता

नीति में इन्फ्रास्ट्रक्चर और अनुसंधान एवं विकास को विशेष प्राथमिकता दी गई है। इसके अंतर्गत स्पेस टेक मैन्युफैक्चरिंग पार्क, पर्यावरणीय एवं ईएमआई, ईएमसी परीक्षण सुविधाएं, प्रणोदन एवं वाइब्रेशन परीक्षण प्रयोगशालाएं, क्लीन रूम तथा सैटेलाइट सिमुलेशन, एआई मॉडलिंग और बिग-डेटा एनालिटिक्स के लिए उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग केंद्र स्थापित किए जाएंगे। पात्र स्पेस-ग्रेड अधोसंरचना के लिए 40 प्रतिशत तक पूंजी अनुदान और फोकस सेक्टर्स के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन का भी प्रावधान किया गया है।

स्पेस टेक नीति-2026

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मप्र स्पेस टेक नीति-2026 का शुभारंभ हाल ही में मप्र क्षेत्रीय एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस-2026 में किया था। यह नीति राज्य को अंतरिक्ष और उन्नत प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। स्पेस टेक नीति-2026 एक समग्र और एंड-टू-एंड तकनीकी ढांचा प्रदान करती है, जिसमे अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र के अपस्ट्रीम, मिडस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम सभी चरणों का विकास किया जाएगा। नीति में उपग्रह एवं प्रक्षेपण यान निर्माण, प्रणोदन प्रणाली, एवियोनिक्स, उन्नत सामग्री, असेंबली-इंटीग्रेशन-टेस्टिंग,मिशन संचालन, ग्राउंड स्टेशन, स्पेस सिचुएशनल अवेयरनेस एवं एआई-आधारित उपग्रह डेटा विश्लेषण को शामिल किया गया है।

रोटरी क्लब जबलपुर एवं बालको मेडिकल सेंटर, रायपुर का संयुक्त प्रयास

गीता भवन कन्वेंशन सेंटर घंटाघर में निःशुल्क कैंसर जांच शिविर आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

जबलपुर। रोटरी क्लब जबलपुर एवं बालको मेडिकल सेंटर, रायपुर (छत्तीसगढ़) के संयुक्त तत्वावधान में रविवार, 25 जनवरी को गीता भवन कन्वेंशन सेंटर, घंटाघर के पास, जबलपुर में एक निःशुल्क कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। रोटरी क्लब जबलपुर की अध्यक्ष श्रीमती मिताली बनर्जी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य आमजन में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं समय रहते जांच के माध्यम से जीवन की रक्षा करना है। बालको मेडिकल सेंटर, रायपुर से आए विपेन्द्र सिंह एवं पुनीत तिवारी ने बताया कि शिविर में बालको मेडिकल सेंटर की ओर से मैमोग्राफी मशीन की विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिसके माध्यम से महिलाओं की स्तन कैंसर जांच की जाएगी। इसके साथ ही शिविर में निम्नलिखित कैंसरों की निःशुल्क जांच की जाएगी— मुख एवं गले का कैंसरस्तन (ब्रेस्ट) कैंसरगर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर आदि बीमारियों की जाँच निःशुल्क की जावेगी ।इस जाँच शिविर में प्रसिद्ध बालको मेडिकल सेंटर, रायपुर के वरिष्ठ कैंसर विशेषज्ञ डॉ. गौरव गुप्ता एवं डॉ. जय राय विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे, जो मरीजों को परामर्श प्रदान करेंगे। जिन मरीजों ने पूर्व में किसी अस्पताल में उपचार कराया है, वे अपनी पुरानी जांच रिपोर्ट एवं फाइलें साथ लेकर आ सकते हैं।कैंसर की प्रति जागरूकता शिविर के आयोजन की विस्तृत जानकारी मीडिया को डिस्ट्रिक्ट मीडिया चेयरमैन रोटे नितिन जैन द्वारा प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटे अमित जायसवाल, अस्टिटेंट गवर्नर रोटे अंकुर माहेश्वरी, रोटे हरीश रिझवानी, रोटे अभिषेक केशरवानी,पूर्व प्रांतपाल रोटे सुनील फाटक, रोटे अखिल मिश्रा, रोटरी क्लब संस्कारधानी के अध्यक्ष रोटे अरुण गुप्ता, रोटरी क्लब वेस्ट के अध्यक्ष रोटे राजेश गुप्ता, रोटे एन. के. श्रीवास्तव, रोटे लोकेश चौबे एवं जबलपुर के समस्त रोटरी क्लबों के अध्यक्ष, सचिव एवं पदाधिकारियों ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस निःशुल्क शिविर का लाभ उठाएं और कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की समय रहते जांच कराएं।

नचिकेता इंस्टीट्यूट में मतदाता दिवस पर स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखने की ली शपथ

जबलपुर। 16 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को नचिकेता इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. अनुपम राव, श्रीमती श्रद्धा राव, प्राचार्या डॉ. गरिमा चौबे, मतदाता साक्षरता नोडल अधिकारी श्रीमती कीर्ति नायडू, सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों द्वारा लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखने तथा स्वतंत्र,निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए बिना किसी प्रलोभन के मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ ली।

बकाया भुगतान पर करो दो माह में विचार : हाईकोर्ट

जबलपुर। मण्डला के रानी दुर्गावती कॉलेज के एक पूर्व सहायक प्राध्यापक के बकाया भुगतान देने पर हाईकोर्ट ने 60 दिनों के भीतर विचार करने के आदेश वित्त विभाग के एडिशनल डायरेक्टर को दिए हैं। इस निर्देश के साथ जस्टिस विशाल धगट की सिंगल बेंच ने मामले का निराकरण कर दिया। पूर्व प्राध्यापक संजीव कुमार उईके की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता प्रभात कुमार असाटी ने बताया कि 7 साल 8 माह की ग्रेच्युटी, जीआईएस भुगतान और बकाया राशि पर 34 माह का ब्याज अनावेदकों द्वारा नहीं किया जा रहा, जो अवैधानिक है। मामले का निराकरण करते हुए अदालत ने याचिकाकर्ता को कहा कि वह 7 दिन के भीतर नया आवेदन एडिशनल डायरेक्टर को दे, जिस पर 60 दिनों के भीतर उचित आदेश पारित किया जाए।

भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने सौंपा ज्ञापन

20 लाख मतदाता नाम जुड़ने से वंचित, मौका देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े गंभीर एवं जनहित से संबंधित विषयों पर भारतीय जनता पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने फॉर्म-6, 7 एवं 8 के अंतर्गत की जा रही कार्यवाही में पूर्ण पारदर्शिता, प्रक्रियागत एकरूपता तथा विधि-सम्मत एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किए जाने की मांग की है।

फॉर्म-6, 7 एवं 8 के विधिवत, पारदर्शी एवं समयबद्ध निराकरण की मांग

प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि 23 दिसंबर 2025 को प्रारूप निर्वाचन नामावली के प्रकाशन के दौरान दी गई जानकारी के अनुसार एएसडीआर में कुल 42,74,160 मतदाताओं को अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर नहीं दिया गया। इनमें से दिवंगत एवं पूर्व में सम्मिलित मतदाताओं को छोड़ने के बाद भी अनुपस्थित एवं स्थाई रूप से स्थानांतरित मतदाताओं की संख्या 31,21,070 है। ऐसे सभी मतदाताओं को विधिवत नोटिस भेजने एवं जिनके मोबाइल नंबर उपलब्ध हों, उन्हें एसएमएस के माध्यम से सूचना देकर अपना पक्ष रखने का अवसर दिए जाने का सुझाव दिया। स्थल पर भौतिक जांच कर पुनरीक्षण किया जाए, क्योंकि ऐसी जानकारी मिल रही है कि अनेक मतदाता वास्तव में उपलब्ध हैं, इसके बावजूद उन्हें अनुपस्थित या स्थानांतरित दर्शाया गया है। लापरवाही के कारण अनुमानित 20 लाख मतदाता नाम जुड़ने से वंचित रह गए हैं, जिसके लिए जिम्मेदार कर्मचारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने एवं अतिरिक्त फॉर्म-7 की प्रक्रिया को लेकर एआरओ, एईआरओ एवं बीएलओ स्तर पर व्याप्त भ्रम पर चिंता जताते हुए एकरूप दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में एसआईआर के प्रदेश संयोजक एवं विधायक भगवानदास सबनानी, पार्टी के प्रदेश मंत्री एवं सह-संयोजक रजनीश अग्रवाल तथा सह-संयोजक एसएस उप्पल उपस्थित रहे।

मतदान केंद्रों पर ही सुनवाई करें

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि एसआईआर के अंतर्गत नो-मेपिंग श्रेणी के 8.65 लाख मतदाता सुनवाई के लिए उपस्थित हो रहे हैं, किंतु विशेषकर नगरीय क्षेत्रों में सुनवाई में देरी के कारण मतदाताओं को अत्यधिक प्रतीक्षा करनी पड़ रही है। इससे हतोत्साहित होकर अनेक मतदाता बिना सुनवाई के वापस लौट रहे हैं। इसके अतिरिक्त एक ही परिवार के सदस्यों को अलग-अलग तिथियों पर बुलाए जाने से हो रही असुविधा का भी उल्लेख किया गया। सुझाव दिया कि अधिकृत ईआरओ एवं एईआरओ शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रवास कार्यक्रम बनाकर मतदान केंद्रों पर ही सुनवाई करें।

नर्मदा प्राकट्योत्सव की संध्या पर भेड़ाघाट में निर्झरणी उत्सव का आयोजन आज शाम

जबलपुर। नर्मदा जयंती पर 25 फरवरी की शाम भेड़ाघाट में सांस्कृतिक महोत्सव निर्झरणी महोत्सव का आयोजन किया जायेगा। माँ नर्मदा के प्रति धन्यता के उत्सव निर्झरणी महोत्सव का शुभारंभ शाम 6 बजे से होगा। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन तथा जबलपुर पुरातत्व एवं संस्कृति परिषद द्वारा आयोजित किये जा रहे इस सांस्कृतिक महोत्सव में नरसिंहपुर के श्री राजेश दुबे एवं उनके साथियों द्वारा बुंदेली लोकगायन की प्रस्तुति दी जायेगी। इसके बाद भुवनेश्वर की सुश्री शर्मिष्ठा रानी पाण्डा एवं उनके साथियों द्वारा नर्मदा केनद्रित नृत्यनाटिका की प्रस्तुति दी जायेगी। अंतिम प्रस्तुति भक्ति गायन की होगी, जिसे नर्मदापुरम की युवा गायिका सुश्री दामिनी पठारिया एवं ग्रुप द्वारा प्रस्तुत किया जायेगा। कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

अमखेरा और नई बस्ती गोहलपुर में पैदल घूमें निगमायुक्त

जबलपुर। शहर को स्वच्छता की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुँचाने और आम नागरिकों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर निगम प्रशासन अब पूरी तरह से 'एक्शन मोड' में नजर आ रहा है। इसी कड़ी में, निगमायुक्त आर.पी. अहिरवार ने स्वयं अमखेरा और नई बस्ती गोहलपुर जैसे क्षेत्रों में पैदल भ्रमण कर सफाई व्यवस्था का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने केवल मुख्य मार्गों का ही नहीं, बल्कि बस्तियों के भीतर की गलियों का भी बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने अमले को निर्देशित किया कि सफाई व्यवस्था में और अधिक सुधार लाएं। निगमायुक्त अहिरवार ने मौके पर मौजूद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और सफाई अमले को कड़े निर्देश दिए कि स्वच्छता के निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप ही कार्य जमीनी धरातल पर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सफाई कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कचरा संग्रहण से लेकर नालियों की सफाई तक, हर स्तर पर गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए ताकि जनता को एक स्वच्छ और स्वस्थ परिवेश मिल सके। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अरविन्द शाह, देवेन्द्र सिंह चौहान, उपायुक्त संभव अयाची, स्वास्थ्य अधिकारी अंकिता बर्मन, सहायक नोडल अधिकारी अभिनव मिश्रा, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अर्जुन यादव, सी.एस.आई. मोनिका तुकाराम आदि उपस्थित रहे।

---

12 मेडल जीते, 6 गोल्ड, 5 सिल्वर और 1 ब्रोंज मेडल शामिल

क्वांन की डो मार्शल आर्ट चैंपियनशिप में सरगुजा के खिलाड़ियों का जलवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सरगुजा

जिले के खिलाड़ियों ने सातवीं राष्ट्रीय स्तरीय क्वांन की डो मार्शल आर्ट चैंपियनशिप 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 12 मेडल अपने नाम किए हैं। इनमें 6 गोल्ड, 5 सिल्वर और 1 ब्रोंज मेडल शामिल हैं। इस सफलता के साथ सरगुजा के इन युवा खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय पटल पर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। यह उपलब्धि जम्मू-कश्मीर के इंडोर स्टेडियम में 16 से 18 जनवरी तक आयोजित प्रतियोगिता में हासिल हुई, जिसमें देशभर से 700 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया था।

छग से 62 खिलाड़ियों ने लिया था हिस्सा

यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता जम्मू-कश्मीर क्वांन की डो संघ और क्वांन की डो फेडरेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई थी। एशिया क्वांन की डो फेडरेशन के सीईओ सतीश धुल और फेडरेशन ऑफ इंडिया के रेफरी चेयरमैन सुनील दत्त के मार्गदर्शन में हुई इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की ओर से 62 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था, जिनमें से 8 खिलाड़ियों ने डबल इवेंट में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सरगुजा जिले से 15 खिलाड़ियों की टीम कोच अमन गुप्ता, पल्लवी, साकेत द्विवेदी और शशी प्रभा लकड़ा के नेतृत्व में प्रतियोगिता में शामिल हुई।

खिलाड़ियों ने बढ़ाया जिले का मान

सरगुजा जिले के खिलाड़ियों ने फुल कॉन्टैक्ट, सेमी कॉन्टैक्ट फाइट, क्वांनस और वेपनस (हथियार) जैसे विभिन्न इवेंट्स में अपना दमखम दिखाया। जिले से केशव अग्रवाल, राघवी जयसवाल, पहल अग्रवाल, एंजल रोज खाखा, प्रगति सिंह पैंकरा और रौनिका तिग्गा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीतकर गौरव बढ़ाया। वहीं, दिव्या राजवाड़े, विनीत राजवाड़े, संजना सूर्यवंशी, श्यामांश अग्रवाल और वाणी जयसवाल ने सिल्वर मेडल हासिल किए। सृष्टि साहू ने ब्रोंज मेडल जीतकर टीम की सफलता में योगदान दिया। पूरे प्रदेश की टीम ने कुल 19 गोल्ड, 11 सिल्वर और 19 ब्रोंज मेडल जीते।

मुख्यमंत्री साय ने किया फिल्म सिटी और आदिवासी कन्वेंशन सेंटर का भूमिपूजन

लगभग 93 एकड़ भूमि पर विकसित होगी फिल्म सिटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में फिल्म उद्योग को नई पहचान मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि राज्य में लंबे समय से फिल्म सिटी की मांग की जा रही थी, जो अब पूरी होने जा रही है। फिल्म सिटी और आदिवासी कन्वेंशन सेंटर का विधिवत भूमि पूजन किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह परियोजना छत्तीसगढ़ के कलाकारों और फिल्म जगत से जुड़े लोगों के लिए एक बड़ा अवसर साबित होगी। उन्होंने कहा कि आने वाले दो वर्षों में यहां एक आधुनिक और सुविधाओं से युक्त फिल्म सिटी का निर्माण किया जाएगा। यह फिल्म सिटी लगभग 93 एकड़ भूमि पर विकसित की जाएगी। परियोजना को दो चरणों में पूरा किया जाएगा। पहले चरण में राज्य सरकार खुद विकास कार्य कराएगी, जिसके लिए 150 करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है।

सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा देकर दिया वारदात को अंजाम

मंत्रालय में पहचान होने का दावा कर ठगे 20 लाख से ज्यादा, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायगढ़

जिले में मंत्रालय से अच्छी जान-पहचान होने का झांसा देकर सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ित कुंजबिहारी पटेल की शिकायत पर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना पुसौर थाना क्षेत्र की है, जहां आरोपियों ने कुल 20 लाख, 4 हजार रुपये की ठगी को अंजाम दिया।

मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम घुघवा निवासी कुंजबिहारी पटेल ने पुसौर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि ग्राम गोपालपुर चंद्रपुर निवासी दुर्गा पाणिग्राही का परिवार उनके गांव का कुल पुरोहित है, जिससे उनका आना-जाना लगा रहता है। दुर्गा पाणिग्राही के पुत्र सितेश पाणिग्राही ने अप्रैल 2022 में कुंजबिहारी पटेल को बताया कि उसका मंत्रालय में परिचय है और एक रिश्तेदार अपर कलेक्टर है। सितेश ने सरकारी नौकरी लगवाने की बात कहते हुए अपने भाई का ऑनलाइन जॉइनिंग लेटर भी दिखाया, जिस पर कुंजबिहारी पटेल ने भरोसा कर लिया। इसके बाद सितेश लगातार संपर्क में रहा।

जमीन बेचकर दिए पैसे, चैक बाउंस हुआ

पीड़ित ने बताया कि उसने सितेश पाणिग्राही को 22 अप्रैल 2022 को अपनी जमीन बेचकर 4 लाख 58 हजार 300 रुपये दिए। इसके दो महीने बाद उसने फिर से 3 लाख 69 हजार रुपये सितेश को दिए। नौकरी न लगने पर जब पीड़ित ने पैसे वापस मांगे तो सितेश के परिजनों ने टालमटोल करते हुए कहा कि धीरे-धीरे पैसे वापस कर देंगे या फिर जमीन की रजिस्ट्री करा लेंगे। बाद में पीड़ित को पता चला कि सितेश पाणिग्राही ने नौकरी लगाने के नाम पर गांव के ही मुन्ना प्रसाद डनसेना से 3 लाख 77 हजार रुपये और देवकुमार पटेल से 8 लाख रुपये की ठगी की है। जब तीनों ने पैसे मांगे तो सितेश उन्हें दुर्ग ले गया। वहां रेलवे स्टेशन के पास विवेक कुमार नामक व्यक्ति मिला, जिसने तीनों को चेक दिए। जब यह चेक बैंक में जमा किए गए तो वे बाउंस हो गए। इस प्रकार सितेश पाणिग्राही और विवेक कुमार ने मिलकर तीनों युवकों से कुल 20 लाख, 4 हजार रुपये की ठगी की। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 और 34 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कांग्रेस के भीतर अनुशासन समिति के फैसलों को लेकर उठते रहते हैं सवाल

कई मामलों में नोटिस जारी हुआ, लेकिन एक्शन नहीं

कांग्रेस के बड़े नेताओं के सामने बेबस हुए अनुशासन समिति की अध्यक्ष सिंह बोले, शिकायत करने वाले कोई आवेदन तो दें तब तो करें कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश कांग्रेस नेताओं की शिकायतों को लेकर अनुशासन समिति की अध्यक्ष बेबस नजर आ रहे हैं। कई बार कांग्रेस के नेताओं ने पार्टी के भीतर मौजूद भितरघातियों को लेकर सवाल उठाए हैं, लेकिन किसी ने भी लिखित में शिकायत नहीं की है तो फिर भला कैसे अध्यक्ष कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई के लिए अनुशंसा करें। यह बात अनुशासन समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह ने कही है। राजेंद्र सिंह ने अनुशासन समिति की बैठक को लेकर कहा कि जब भी कोई शिकायत आती है हम बैठक करते हैं। नोटिस देकर जवाब लेते हैं, लेकिन अगर कोई नेता शिकायत ही नहीं करेगा तो हम किस आधार पर कार्रवाई करेंगे। हालांकि उन्होंने कहा कि उन्हें तो सिर्फ मटेरियल चाहिए। मटेरियल मिलेगा तो आगे कोई कार्रवाई होगी। राजेंद्र सिंह ने कहा कि हमारी अनुशासन समिति की बैठक होती है। हम लगातार शिकायतों पर काम करते हैं। हालांकि कई ऐसे मामले हैं, जिन पर नोटिस तो जारी हुआ जवाब भी लिया गया, लेकिन एक्शन नहीं हुआ है। कांग्रेस के भीतर अनुशासन समिति के फैसलों को लेकर अक्सर सवाल उठाते रहे हैं। इससे पहले कांग्रेस के नेता ही सवाल उठाए थे। चुरहट से विधायक अजय सिंह ने अनुशासन समिति के कामकाज को लेकर सवाल उठाया। उन्होंने कहा था कि शिकायत होने के बाद भी कोई कदम नहीं उठाया जाता है और वही कार्यकर्ता या फिर नेता पार्टी के खिलाफ चुनाव में नुकसान पहुंचता है।

फाइल फोटो

कैलाश के स्वागत पर अध्यक्ष बदले, नए का भी हुआ विवाद

साल 2024 में कैलाश विजयवर्गीय के स्वागत पर कांग्रेस के नेताओं ने आपत्ति जताई थी। इसके बाद तत्कालीन अध्यक्ष सुरजीत सिंह चड्ढा को नोटिस जारी किया गया बाद में सुरजीत सिंह चड्ढा को हटा दिया गया। चिंटू चौकसे अध्यक्ष बन गए. इसके बाद चिंटू चौकसे का दिग्विजय सिंह के स्वागत को लेकर बयान आया। दोनों नेताओं को नोटिस जारी हुआ, लेकिन आज तक किसी पर भी कोई पार्टी की तरफ से एक्शन नहीं लिया गया है।

उज्जैन में बवाल मचा, नेताओं की शरण में पहुंचे कार्यकर्ता

संगठन सृजन अभियान के जरिए उज्जैन शहर का जिला अध्यक्ष घोषित किया गया। उज्जैन के शहर अध्यक्ष महेश परमार को लेकर स्थानीय कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही जिला अध्यक्ष के बजाय कार्यकर्ताओं ने अकेले ही किसी मामले को लेकर प्रदर्शन किया। इस मामले में महेश परमार ने शिकायत दर्ज कराई। उसके बाद पार्टी ने नोटिस जारी किया। जिन कार्यकर्ताओं के खिलाफ एक्शन लेना था। वह कार्यकर्ता बड़े नेताओं के घर पहुंच गए और कार्रवाई पर ब्रेक लग गया। 30 दिसंबर 2025 को गांधी भवन नीमच में कार्यक्रम के दौरान अब मर्यादित आचरण के मामले में यूथ कांग्रेस को नोटिस मिला। जिला युवा कांग्रेस के सचिव राहुल अहीर और विधानसभा युवा कांग्रेस के अध्यक्ष सरवन कुमार सेन को नोटिस मिला। जवाब देने के लिए कहा गया फिर भी कोई एक्शन नहीं हुआ है।

बार्बी डॉल से लेकर जीआईजो सहित कई ऐसे खिलौने जो करोड़ों में बिके

नई दिल्ली। आप सोचते होंगे कि खिलौने केवल बच्चों के लिए बनते हैं। हालांकि, कुछ वयस्कों को उनमें इतनी दिलचस्पी होती है कि वे उन्हें संग्रहित करना पसंद करते हैं। इसके चलते वे लाखों क्या, करोड़ों रुपये खर्च करने से भी पीछे नहीं हटते हैं। आज के लेख में हम आपको नीलामी में बिकने वाले अब तक के 5 सबसे महंगे खिलौनों के बारे में बताएंगे। इन्हें बच्चों के बजाय वयस्कों के खरीदा है और ये सभी ऐतिहासिक हैं।

स्टेफानो कैंटुरी बार्बी

सन 2009 में बार्बी की 50वीं वर्षगांठ के लिए ऑस्ट्रेलिया में मैटल ने जेवर डिजाइनर स्टेफानो कैंटुरी के साथ हाथ मिलाया था। उन्होंने एक ऐतिहासिक बार्बी बनाई, जो दुनिया की सबसे महंगी है। स्टेफानो ने 4 हफ्तों तक बार्बी का शरीर, हेयर-स्टाइल, मेकअप, ड्रेस, जूते और सुंदर आभूषणों डिजाइन किए थे। इस बार्बी ने सफेद और दुर्लभ गुलाबी हीरे से बना चोकर पहना है। इसे 2010 में क्रिस्टीज द्वारा नीलाम किया गया था और इसकी कीमत 2.59 करोड़ रुपये लगी थी।

मिक्की माउस मोटरसाइकिल

टिप एंड कंपनी की मिकी माउस मोटरसाइकिल 1930 के दशक का एक दुर्लभ जर्मन टिन खिलौना है। इसमें एक मोटरसाइकिल है, जिस पर विंटेज मिक्की और मिनी माउस बैठे हुए हैं। आज के समय में इसके केवल 18 फिगर ही उपलब्ध हैं, जिससे पता चलता है कि यह कितना दुर्लभ है। एक फिगर को 2000 में बर्टोइया नीलामी नामक नीलामीघर ने 2 करोड़ रुपये से ज्यादा की कीमत पर बेचा था।

स्टार वार्स का रॉकेट फायरिंग बोबा फेट

स्टार वार्स से जुड़ी सभी चीजें करोड़ों में बिकती हैं तो इसके खिलौने कैसे पीछे रह सकते हैं। इस सूची में पहला स्थान रॉकेट फायरिंग बोबा फेट एक्शन फिगर का है। इसे 2024 में नीलाम किया गया था और इसकी कीमत 12 करोड़ रुपये से ज्यादा थी। यह 1979 में बनाया गया एक्शन फिगर है, जो नए जैसी हालत में है। यही कारण था कि इसे इतनी कीमत पर खरीदा गया और यह दुनिया का सबसे महंगा खिलौना बन गया।

विरासत

आज भी दिखता है पुराना ठाठ-बाट

दिलचस्प है मैसूर महल की कहानी, सोने से हुआ है काम

मैसूर। मैसूर शहर कर्नाटक की विरासत को सहेजे हुए है जो खूबसूरत महलों, रियासत कालीन स्थलों, रंगीन त्योहारों, मंदिरों और प्राकृतिक सुंदरता के लिए पूरे देश में मशहूर है। मैसूर महल का निर्माण सर्वप्रथम 14वीं शताब्दी के दौरान किया गया था। यहां का पहला निर्माण चंदन की लकड़ी से हुआ था। एक दुर्घटना के कारन यह लकड़ी का पैलेस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था जिसके बाद 1897 के दौरान कृष्णराजा वाडियार चतुर्थ और उनकी मां ने यहां महल के रूप में दूसरा निर्माण कराने का जिम्मा वास्तुकार लॉर्ड हेनरी इरविन को सौंपा।

खास बातें

- 1912 ईस्वी के दौरान बनकर हुआ तैयार
- 15 साल का समय लगा इसे बनाने में
- 42 लाख रुपए की लागत आई थी उस समय

मैसूर महल निर्माण की पूरी कहानी

यहां पर दूसरा मैसूर महल 1912 ईस्वी के दौरान बनकर तैयार हुआ। इसे बनने में करीब 15 साल का समय लगा। उस समय के दौरान इस पैलेस को तैयार करने में तकरीबन 42 लाख रुपए की लागत आई थी। इसे अंबा विलास के नाम से भी जाना जाता है।

बेहद खास और अद्भुत है मैसूर महल

मैसूर महल बेहद खास और अद्भुत है। इस पैलेस के ऊपरी भाग में स्थित गुंबद को गुलाबी रंग के स्लेटी पत्थर से बनाया गया है। महल के अंदर बने एक बड़े दुर्ग का गुंबद सोने की पॉलिश से तैयार किया गया है। मैसूर पैलेस दविड़, पूर्वी और रोमन कला का अद्भुत संगम है। मैसूर महल में राजाओं के रहने के लिए अलग कक्ष एवं आम लोगों के लिए अलग कक्ष बने हुए हैं।

महल में लगे हैं 97 हजार से ज्यादा बल्ब इस महल में कई पौराणिक गुड़ियों का संग्रह भी देखने को मिलता है। मैसूर पैलेस में वर्तमान समय में तकरीबन 97000 से ज्यादा बल्ब लगे हुए हैं, जिनकी चमचमाती रोशनी रात के समय में महल की खूबसूरती को निखार देती है।

मैसूर का पुराना नाम क्या है ?

कर्नाटक के ऐतिहासिक शहर मैसूर का उल्लेख महाभारत में 'माहिष्मती' के रूप में किया गया है। वहीं, मौर्य काल में इसे 'पुरीगेरे' के नाम से जाना जाता था, जो बाद में 'महिषापुर' और फिर मैसूर में बदल गया।

यदुवीर कृष्णदत्त हैं वर्तमान संरक्षक

यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार मैसूर के रॉयल हाउस के 27वें और वर्तमान संरक्षक हैं। वे बेट्टादा कोटे उर्सु परिवार के एचएच राजमाथा डॉ. प्रमोदा देवी वाडियार के इकलौते बेटे हैं। वाडियार राजघराने ने 1399 से मैसूर पर राज करना शुरू किया था। पिछली बार यहां 1974 में राजतिलक हुआ था। तब यदुवीर के चाचा श्रीकांतदत्ता नरसिम्हाराजा वाडियार को गद्दी पर बैठाया गया था। जिनकी साल 2013 में मौत हो गई थी। दो साल गद्दी खाली रहने के बाद यदुवीर को राजा बनाया गया। श्रीकांतादत्ता नरसिम्हा राजा वाडियार और रानी गायत्री देवी को संतान नहीं थी।

मैसूर महल खुलने और बंद होने का समय

मैसूर महल में पर्यटकों के लिए घूमने का समय निश्चित किया गया है। यह महल पर्यटकों के लिए सुबह 10:00 बजे खुलता एवं शाम 5:30 बजे बंद हो जाता है। इस समय में यहां आने वाले आगंतुक यहां की विरासत को जान सकते हैं।

लंदनः दुर्लभ अंडे की हुई नीलामी, 273 करोड़ से ज्यादा में बिका

सेंट पीट्सबर्ग। आमतौर पर एक अंडा 6 से 10 रुपये का मिलता है, लेकिन बीती 2 दिसंबर को एक अंडा करोड़ों रुपये में बिका है। दरअसल, रूस के शाही परिवार का हीरा जड़ित क्रिस्टल फैबरगे अंडा लंदन की एक नीलामी में रिकॉर्ड 2.29 करोड़ पाउंड यानी करीब 273 करोड़ से ज्यादा रुपये में बिका। यह एक दुर्लभ अंडा है, जिसे जौहरी की सबसे खूबसूरत कृतियों में से एक माना जाता है।

4,500 हीरों से सजा हुआ है यह अंडा

इस दुर्लभ अंडे की नीलामी लंदन स्थित क्रिस्टीज नीलामीघर द्वारा की गई है। हालांकि, अभी खरीदार का नाम सामने नहीं आया है। 4,500 हीरों से सजे इस अंडे को रूस के अंतिम शासक सम्राट जार निकोलस द्वितीय ने साल 1913 में अपनी मां मारिया फियोदोरोव्ना को उपहार के रूप में बनवाया था। 8.2 सेमी (3.2 इंच) ऊंचा यह अंडा कार्ल फैबर्जे द्वारा बनाया गया था। इस अंडे का डिजाइन सेंट पीटर्सबर्ग की आभूषण कंपनी की केवल दो महिला कारीगरों में से एक अल्मा थेरेसिया पिहल द्वारा तैयार किया गया था। इस अंडे को कीमती क्रिस्टल और गुलाब के आकार के हीरों के साथ-साथ प्लैटिनम से सजाया गया था, वहीं अंडा खोलने पर इसके अंदर सफेद क्वार्ट्ज फूलों की एक छोटी टोकरी दिखाई देती है। बता दें कि इससे पहले यही अंडा साल 2007 में 8.9 मिलियन पाउंड (106 करोड़ से ज्यादा रुपये) में बिका था। फैबर्जे परिवार ने रूस के शाही रोमानोव परिवार के लिए केवल 50 अंडे बनाए थे, लेकिन उनमें से महज 7 अंडे ही निजी हाथों में हैं। बाकी अंडे या तो गायब हैं या संस्थानों और संग्रहालयों के स्वामित्व में हैं। क्रिस्टीज नीलामीघर के मुताबिक, ये अंडे साल 1885 से लेकर साल 1917 में जार निकोलस द्वितीय को पद छोड़ने के लिए मजबूर किए जाने तक बनाए जाते रहे थे।

डॉ. ए.के. द्विवेदी भारत सरकार की एनइआइएएच वैज्ञानिक सलाहकार समिति में मनोनीत

इंदौर। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र में मध्य प्रदेश को गौरवान्वित करने वाली उपलब्धि सामने आई है। इंदौर निवासी डॉ. ए.के. द्विवेदी को भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अंतर्गत संचालित नॉर्थ ईस्टर्न इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद एंड होम्योपैथी (एनइआइएएच), शिलांग की वैज्ञानिक सलाहकार समिति में सदस्य (होम्योपैथी विशेषज्ञ) के रूप में मनोनीत किया गया है। डॉ. द्विवेदी वर्तमान में केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् के वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड के सदस्य एवं मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय में होम्योपैथी संकाय के बोर्ड ऑफ स्टडी के सदस्य हैं। साथ ही वे एसकेआरपी गुजराती होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, इंदौर में फिजियोलॉजी एवं बायोकैमिस्ट्री विभागाध्यक्ष हैं।

संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) विजय कुमार द्वारा जारी पत्र के अनुसार यह मनोनयन 3 वर्ष की अवधि के लिए किया गया है, जो 23 जनवरी 2026 से प्रभावी होगा। डॉ. द्विवेदी ने इस उपलब्धि को मध्य प्रदेश और इंदौर के चिकित्सा जगत के लिए गर्व का विषय बताया तथा कहा कि उनके द्वारा संचालित एनीमिया जागरूकता अभियान को अब राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार मिलेगा। उन्होंने स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित आहार एवं सही जीवनशैली को आवश्यक बताया।

पानी में गायब हो गए दुनिया के ये पांच रहस्यमयी शहर

लंदन। दुनिया में कई प्राचीन शहर हैं, जो अब पानी में समा चुके हैं। प्राचीन शहरों के गायब होने की समुद्र या अन्य प्राकृतिक आपदाओं का वजह माना जाता है। माना जाता है कि कुछ शहर भूकंप और सुनामी के कारण डूब गए, जबकि कुछ धीरे-धीरे भूमि धंसने की प्रक्रिया से पानी में डूब गए।

पोर्ट रॉयल

मैका में पोर्ट रॉयल 17वीं सदी का एक प्रसिद्ध शहर था। यह भूकंप और सुनामी की वजह से समुद्र में डूब गया। बताया जाता है कि 7 जून 1692 को यह घटना घटी थी। उस दौरान यहां तबाही आई थी और सबकुछ तबाह हो गया था। 1950 के दशक में पोर्ट रॉयल में पानी के नीचे खुदाई शुरू की गई। इसमें सदियों पुरानी पॉकेट वॉच मिली, जो ठीक 11:43 के समय पर बंद हो गई थी। पोर्ट रॉयल पानी में समाने से पहले 7 हजार लोगों का निवास था, जिनमें 2,500 गुलाम भी शामिल थे।

थोनिस-हेराक्लियन

एक रिपोर्ट के मुताबिक, मिस्र का थोनिस-हेराक्लियनस शहर नील नदी के पास करीब 2,000 वर्षों तक पानी और रेत में दबा था। इसे हेराक्लियन नाम दिया गया। 1990 के दशक में फ्रैंक गोडियो और उसकी टीम ने पानी के नीचे खोज की शुरुआत की, जिसमें कई चौंकाने वाले रहस्यों का खुलासा हुआ है। गोडियो के मुताबिक, पहली बार उन्होंने शहर को खोजने की कोशिश की तो उनको सिर्फ रेत मिली। लेकिन खुदाई शुरू होते ही चौकाने वाली चीजें मिलीं। उन्हें वहां राजा और रानी की 15 फीट की मूर्तियां मिलीं। इसके साथ ही कीमती काले ग्रेनोडियोराइट का पत्थर और कई अन्य चीजें भी बरामद हुईं।

एटलिट-याम : इजराइल के हाइफा के पास उथले समुद्री जल में एटलिट-याम को 1984 में खोजा गया था। माना जाता है कि करीब 6900बीसी में यह शहर बसाया गया था। यहां के निवासी किसान और मछुआरे थे। करीब 600 साल तक यह शहर बसा रहा। इसके बाद यह 30 फीट अंदर पानी में डूब गया।

पावलोपेट्री

ग्रीस के पावलोपेट्री शहर की सबसे पहले 1960 में खोज हुई थी। यहां पर अब तक खुदाई में पत्थरों से बनी गलियां, चट्टानों में काटे गए समाधि स्थल, और अनुष्ठानिक इमारतों खोजी गई हैं। हालांकि, पूरी तरह से यह जानकारी नहीं मिल पाई है कि शहर पानी में कैसे डूब गया था पर। कहा जाता है कि यहां तेज भूकंप और समुद्र के बदलाव की पानी में समा गया था।

बाइए

इटली के बाइए शहर के बारे में बताया जाता है कि यह धीरे-धीरे धंस रहा था। ऐसी धीमी भूमि धंसने की प्रक्रिया को ब्रैडिसिज्म कहा जाता है। करीब दो हजार साल पहले, बाइए की सजावटी विला और थर्मल स्नानगृह समुद्र तल पर थे, लेकिन अब सभी चीजें पोओजुली की खाड़ी में 20 से 30 फीट गहरे पानी में डूब चुकी हैं।

समंदर के नीचे मिला 10 हजार साल से भी पुराना शहर!

टोक्यो। जापान के योनागुनी द्वीप के पास समुद्र में एक बड़ा रहस्य छिपा है। आज इस द्वीप का नाम योनागुनी स्मारक है, दरअसल पानी से 20 फीट नीचे से शुरू होकर 24 मीटर नीचे गहराई तक फैला पुराना खंडहर मिला है जो कि किसी शहर की तरह लगती है। कुछ लोग इसे समुद्र में खोया अटलांटिस या प्राचीन सभ्यता का अवशेष मानते हैं। वहीं वैज्ञानिकों का तर्क अलग है। जापान के समुद्र के नीचे रहस्यमयी पत्थरों से बनी संरचना मिली है। जापान के योनागुनी द्वीप के पास पानी की गहराई में सीढ़ीदार पत्थरो से बनी संरचना मिली है। जिसे कुछ लोग प्राचीन शहर के खंडहर बता रहे हैं। कुछ लोगों का कहना है कि ये संरचना 10000 साल पुरानी इंसानों द्वारा बनाई संरचना है, वहीं वैज्ञानिकों का कहना है कि यह नेचुरल है। समुद्री हलचल, भूकंप और दरारों से ऐसी संरचना बनी है। जापान के समुद्र के नीचे मिला ये खंडहर अपने आम में रहस्यमयी है।

वैवाहिकी

वधु चाहिए - 49 वर्षीय अपना बिजनेस वर हेतु विधवा तलाक शुदा (संतान ना हो) गरीब परिवार मान्य, जाती बंधन नही, बिलासपुर को प्राथमिकता सम्पर्क 8815579810

आवश्यकता

आवश्यकता है - सुरक्षागार्ड, गनमैन, सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फील्ड ऑफिसर कामवाली बाई। वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री। पता- श्रीसाई सिक्युरिटी सर्विस, साई निवास कॉम्पलेक्स, जेजे हॉस्पिटल के बाजू में तोरवा बिलासपुर 9301186703, 8253010291 (रायपुर/03/फरवरी 25)

आवश्यकता है- कुत्ते के आश्रम में जिम्मेदार स्टाफ चाहिए । कुत्तों को खाना देना, देख - भाल, मल मूत्र सफाई का कार्य, रू 10,000 मासिक वेतन, रहना खाना उपलब्ध । चंदखुरी रायपुर, छत्तीसगढ़ 7225888800 (रायपुर/29/जन. 25)

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

पश्चिम मध्य रेल

सामग्री प्रबंधन विभाग
(भंडार आपूर्ति हेतु ई-निविदा सूचना, संख्या/ईपीएस/117/2025)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते है। कोई भी हस्तलिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नही किए जाएगे। पूर्ण विवरण/विनिर्देशन के लिए वेबसाईट https://ireps.gov.in" पर 'ई' निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

क्र.	टेंडर नं.	संक्षिप्त वर्णन	निविदा मात्रा	नियत तारीख
1	38254189B	3/4 इंच (19.1 MM) DIA BULL लॉक बोल्ट पिन	260486 नंबर	09/02/2026
2	40251393	सिलिकॉन रबर कंपाउंड/ RTV सिलिकॉन सीलेंट	27570 नंबर	16/02/2026

50 लाख रुपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए इच्छुक फर्मो को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है। (हस्ता.)
कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पमरे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती

मिथुन — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय

धनु — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

शब्द पहेली - 6119

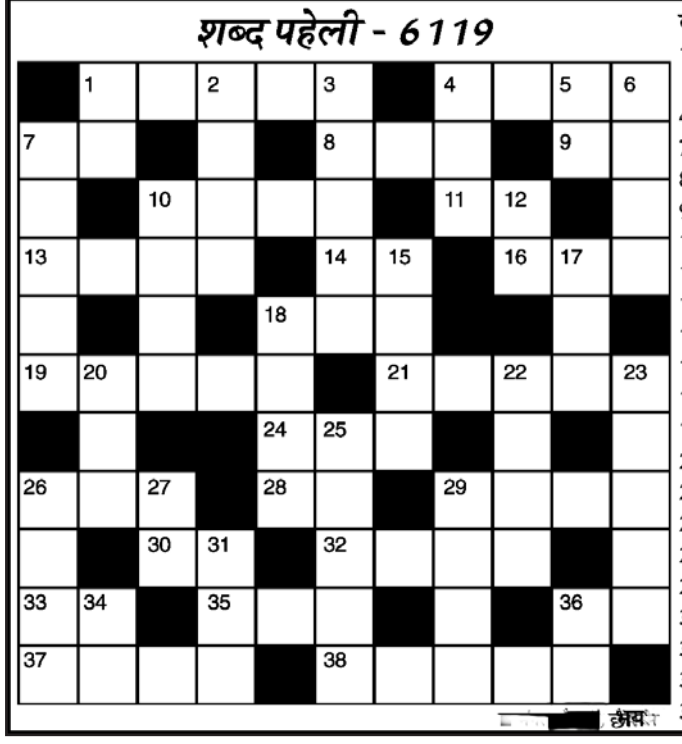

बाएँ से दाएँ
1.फिल्म 'बॉबी' के निर्माता-निर्देशक -2,3
4.आश्चर्य, विलक्षणता-4
7.जीत, फतेह-2
8.आकाश रेखा, छोर-3
9.तल, पैंदा-2
10.थाती, धरोहर-4
11.मोटा आटा-2
13.सलाह, मशवरा-4
14.अन्य, वो, तिन-2
16.घर,गृह-3
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.नाम रखना-2,3
21.परामर्शदाता-5
24.सुनसान, नीरव-3
26.वन, जंगल-3
28.मिट्टी, रेत-2
29.चेतनाहीन-4
30.पराग कण-2
32.भयभीत होना-4
33.छोटी सवारी गाड़ी-2
35.फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं,वेणी-3
36.द्वार,किवाड़-2
37.जनता की राय-4
38.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.मत, सलाह-2
2.करतब-4
3.वह जंगल जो संरक्षित हो-3,2
4.अनश्वर, चिरयुवा-3
5.लीन, मग्न-2
6.जलाऊ लकड़ी-4
7.रनिवास 3,2
10.मूर्ख (उर्दू-4)
12.बांया-2
15.आनंदित होना-4
17.शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म-3
18.योद्धा-4
20.अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म-3
22.मुआवजा-4
23.चित्रपट, फिल्मी दुनिया-3,2
25.राज वंश-2,3
26.काम, कार्य-4
27.मादा का विलोम-2
29.उपद्रव फैलाने वाला-4
31.दुनिया, जहान-3
34.क्रिकेट में बनते हैं-2
36.पंख, पराया-2

शब्द पहेली- 6118 का हल

अ	रा	ज	क	ता	■	■	म	वा	ली	■
स	म	■	ल	■	चा	ला	न	■	ख	त
मा	■	■	प	ना	ह	■	न	■	■	म
न	ज	रा	ना	■	■	म	■	क	या	स
ता	■	व	■	ना	ला	य	क	■	प	■
■	प्रा	ण	■	म	■	खा	■	जा	न	■
■	रु	■	आ	ज	मा	ना	■	हि	■	म
स	प	ना	■	द	■	■	ब	ल	वा	न
र	■	■	स	■	ल	की	र	■	■	भा
ल	व	■	न	सी	ब	■	सा	■	दा	व
■	ध	म	की	■	■	इ	त	मी	ना	न

सूडोकु नवताल - 6129

***** कठिनतम

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6128 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

MANGAL SENACHA, BANGALORE

haribhoomi.com

गणतंत्र दिवस विशेष

हरिभूमि रविवार भारती

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली और हरियाणा से एक साथ प्रकाशित

जबलपुर, रविवार
25 जनवरी 2026

P-12

जब सबके मन में सभी धर्मों के लिए आदर होगा तभी देश-समाज में शांति आएगी

प्रोफेसर अशोक चक्रधर, साहित्यकार

धर्म-जाति के नाम पर सामाजिक विघटन को लेकर मेरा मानना है कि यदि पूरी दुनिया का धर्म एक होता तो लोगों के बीच जाति, धर्म के नाम पर कड़वाहट का प्रश्न नहीं उठता। कोई किसी धर्म का विरोध न करता, पूरी मानवता का एक धर्म होता। धर्म ज्यों-ज्यों वैयक्तिकता की ओर बढ़ता है, त्यों-त्यों उसका स्वरूप खराब हो जाता है। जब समाज के हर व्यक्ति के मन में सभी धर्मों के लिए आदर होगा, तभी देश-समाज में शांति आएगी। यही समस्या भाषा को लेकर भी है। अपनी मातृभाषा सभी को अच्छी लगती है। ऐसे में देश की भाषा कौन-सी है? राजभाषा, राष्ट्रभाषा है या व्यवहार की भाषा है, उसमें भी लोगों को भ्रम है। दरअसल, भाषा का मुद्दा स्थानीयता से जुड़ा हुआ मामला है।

जहां तक राजनीति और राजनेताओं में द्वेष की समस्या का सवाल है तो यह केवल हमारे देश की चिंता नहीं है, अब यह एक वैश्विक चिंता बन चुकी है। अलग-अलग दल हैं, उनके अपने विधान हैं, विचारधाराएं हैं, अलग-अलग किस्म की लड़ाइयां हैं। ऐसे में जाति, धर्म, भाषा आदि उनके हथियार बन जाते हैं। सच तो यह है कि राजनीति का शुद्ध स्वरूप कभी रहा ही नहीं। हमारे यहां लोकतंत्र है, उसमें संख्या बल है। अब संख्या बल जुटाने के लिए येन-केन प्रकारेण यानी साम, दाम, दंड, भेद किसी भी तरह के प्रयास किए जाते हैं, क्योंकि सत्ता में आने के लिए जीतना जरूरी है। बेशक सभी दल देश की भलाई के लिए जीतना चाहते हैं, सब अच्छा करना चाहते हैं, देश का विकास करना चाहते हैं। लेकिन जब तक तिकड़म नहीं करेंगे तब तक संख्याबल कैसे मिलेगा? संख्याबल के लिए (सत्ता में आने के लिए) ही दलों में राजनीतिक द्वेष होता है। यह दुनिया में सब जगह है।

दुष्प्रचारित भले ही किया जाता है लेकिन हमारा संविधान खतरे में नहीं है। संविधान हम सबको आजादी देता है। अब सवाल यह है कि यह आजादी अपनी नाक बचाने की देता है तो क्या दूसरे की नाक तोड़ने की भी देता है? इसका जवाब है कि आपकी आजादी वहां समाप्त हो जाती है, जहां दूसरे की नाक आ जाती है। चाहे वह नाक फिजिकल, वैचारिक, अपने ईगो की नाक हो या अपने अस्तित्व की। आपको अपने हाथ मर्यादा में रखने होंगे, आपको इतना हाथ फैलाकर अंगड़ाई लेने का अधिकार भी नहीं है कि दूसरे की नाक टूट जाए। कुछ लोग कहेंगे कि अंजाने में टूट गई, क्षमा करें! सच्चाई यह है कि जितने भी अंजाने में नाक तोड़ने के प्रयत्न हैं, वे जान-बूझकर किए जा रहे हैं। आज लोगों को भ्रमित करने के सशक्त माध्यम मौजूद हैं, जो लोगों को विश्वसनीय लगते हैं। आप जिस दल पर विश्वास करेंगे, वही विश्वसनीय लगेगा। लेकिन कोई भी दल पूरी तरह विश्वसनीय नहीं है, वह रह ही नहीं सकता। यह उसकी मजबूरी है। ऐसे में हमें चाहिए ऐसा संविधान, जैसा मुक्तिबोध कहते हैं, 'समस्या एक-मेरे सभ्य नगरों और ग्रामों में सभी मानव सुखी, सुंदर व शोषणमुक्त कब होंगे?' इसलिए ऐसा संविधान बने, जो सबको सुखी, शोषणमुक्त और सुंदर बना दे। सुंदर आदमी तब होता है, जब वह अंदर से तृप्त हो, अभावग्रस्त न हो, बल्कि भावों से संपन्न हो। *

भारतीय गणतंत्र के समक्ष
वर्तमान चुनौतियां और समाधान

गणतांत्रिक देश बनने के बाद बीते 76 वर्षों में आर्थिक, सामरिक और प्रौद्योगिकी जैसे कई क्षेत्रों में तो हमारे देश ने शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। लेकिन धर्म, जाति, भाषा और क्षेत्र के नाम पर समाज में विघटन भी नजर आता है। राजनीतिक दलों में आपसी मतभेद और द्वेष तो दिखता ही है। बात-बात पर संविधान को खतरे में बताया जाता है, जबकि ऐसा कहने वाले भी अकसर संविधान का उल्लंघन करने से नहीं कतराते। देश के समक्ष उपस्थित इन तमाम चुनौतियों के पीछे कौन से कारण जिम्मेदार हैं? इनके समाधान के लिए किस स्तर पर कैसे प्रयास किए जाने की जरूरत है? इस बारे में अलग-अलग क्षेत्रों की नामचीन शख्सियतों ने साझा किए अपने विचार।

{ विचार }

नैतिकता और देश प्रेम को शिक्षा का हिस्सा बनाना जरूरी है

राकेश सक्सेना, पूर्व न्यायाधीश, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय

आजादी के समय भारत का बंटवारा धर्म के आधार पर हुआ। उसके बाद संविधान में कुछ ऐसी बातें आईं कि बहुसंख्यक बैकफुट पर आता चला गया। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने संविधान में दस साल के लिए आरक्षण की बात कही, जो आज भी चल रहा है। हाल यह है कि अब न सुप्रीम कोर्ट कुछ कर सकता है न किसी भी राजनीतिक दल का कोई नेता, जबकि आरक्षण आर्थिक आधार पर होना चाहिए था। लोगों को धर्म और जाति के आधार पर बांटने से भले देश कमजोर होता हो लेकिन नेताओं को फर्क नहीं पड़ता। समाज को वसुधैव कुटुंबकम और मानवता की बात सिखाई जानी चाहिए। हमारी प्राचीन शिक्षा प्रणाली के जो मूलभूत सिद्धांत थे (छात्रों को नैतिकता, राष्ट्रभक्ति, सहिष्णुता के संस्कार देना) वो आज की शिक्षा व्यवस्था में गौण हो चुके हैं। बस ज्यादा कमाने की होड़ है, ऐसे में नैतिकता, सामाजिक हित और देश प्रेम को शिक्षा का हिस्सा बनाना जरूरी है। शिक्षा ग्रासरूट पर काम करके नैतिकता व जीवन मूल्यों को सिखाने का सशक्त माध्यम है।

यह सही है कि गांधीजी का अपना सिद्धांत था। लेकिन देश को आजाद कराने में अहिंसात्मक आंदोलन और क्रांतिकारियों के द्वारा शक्ति प्रदर्शन दोनों की भूमिका रही। आजादी के बाद एक वर्ग के लोगों को सत्ता मिली, लेकिन वे लोग जिन्होंने देश को आजाद कराने में अपनी जान लगा दी। जैसे भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, बटुकेश्वर दत्त, चंद्रशेखर आजाद, सुभाषचंद्र बोस जैसे अनेक स्वतंत्रता सेनानियों को देश में वह मान-सम्मान नहीं मिला, जो मिलना चाहिए था। ये बातें देश के लोग जानते हैं इसलिए समाज में मतभेद है।

हालांकि देश में कुछ लोग सच में राष्ट्रहित चाहते हैं, राष्ट्रप्रेमी हैं। लेकिन यह बड़ी विडंबना है कि कुछ लोगों को देश के खिलाफ बोलने में ही एक वर्ग विशेष का समर्थन मिल रहा है। इससे राजनीतिक द्वेष बढ़ रहा है। अब यह द्वेष केवल देश का आंतरिक मामला नहीं रहा, इसे बाहर से भी बढ़ावा मिल रहा है, जो स्पष्ट दिखाई देता है। बाहर से नैरेटिव आते हैं और फिर कुछ लोग उस नैरेटिव के अनुसार देश के खिलाफ बोलने में खुद को बहुत एडवांस समझते हैं, देश की एकता और अखंडता के लिए यह बहुत खतरनाक स्थिति है।

मेरा मानना है कि संविधान में बदलाव की जरूरत है। कुछ संशोधन राष्ट्रहित को ध्यान में रखकर किए जाने चाहिए। सबसे मुख्य बात यह है कि संविधान में यदि सभी को बोलने की आजादी दी गई है तो उसका दुरुपयोग नहीं किया जा सकता। आज संविधान में नागरिक कर्तव्यों को दरकिनार कर संविधान को एक शील्ड की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। कोई आजादी के नाम पर अभद्र भाषा व देशविरोधी धमकी तक दे देता है। उसके साथ कुछ नहीं होता जबकि ऐसे में राष्ट्रसुरक्षा से जुड़ा केस तक चलाया जा सकता है, यह कानून में है। लेकिन ऐसा नहीं होता। संविधान की आड़ में राष्ट्र विरोध में काम करने वालों को सपोर्ट मिल रहा है। चिंताजनक है कि वे लोग संविधान खतरे में है, ऐसा बोलकर अपनी स्वार्थ की रोटियां सेंक रहे हैं। *

शिक्षा-जागरूकता से ही खत्म हो सकता है धर्म-जाति भेद

ऋतु सारस्वत, समाजशास्त्री

यह चिंताजनक बात है कि भारत में जो सामाजिक असमानताएं हैं, वो निरंतर प्रयास के बाद भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुईं। दरअसल, अधिकांश क्षेत्रीय हों या राष्ट्रीय दल, सभी में राजनीतिक स्वार्थ इतना गहरा है कि धर्म, जाति व क्षेत्रवादी राजनीति करते हैं। भाषा की राजनीति ने तो भारत की आत्मा को छलनी कर दिया है। युवा पीढ़ी इस राजनीति की इस कदर शिकार हो रही है कि वह अपनी पहचान तक के लिए लड़ रही है कि क्या मैं भारत का ही निवासी हूं? यह स्थिति पीड़ादायक है। इस भाषा की राजनीति को जल्द रोकना बहुत जरूरी है। इसके अलावा सोशल मीडिया के वो इंफ्लूएंसर, जो बिना तथ्यों को समझे गलत जानकारी, भ्रम, अफवाहें फैलाकर समाज में नकारात्मक और ध्रुवीकरण की भावना को फैला रहे हैं, वे भी हमारी गणतांत्रिक व्यवस्था के लिए बहुत बड़े बाधक हैं। इनके अलावा हमारी शिक्षा नीति में नैतिक व नागरिक मूल्यों की चर्चा बहुत कम है। ऐसे में विद्यार्थी रोजगार के लिए प्रोफेशनल रूप से तो तैयार हो रहे हैं लेकिन नैतिक आचरण के मूल भाव को नहीं सीख पाते। हमारी शिक्षा नैतिक मूल्यों, सहिष्णुता और वैज्ञानिक सोच को मजबूत करने वाली होनी चाहिए। विकास की योजनाएं ऐसी हों, जो असमानता को दूर कर अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचे, तभी विघटन दूर होगा। हालांकि मुझे समाज में जाति भेद जल्दी खत्म होता नहीं दिख रहा है। इसमें अभी समय लगेगा और यह काम केवल शिक्षा व जागरूकता से ही संभव है। सत्ता ऐसा नशा है, जिसे व्यक्ति छोड़ना ही नहीं चाहता और इसे पाने के लिए साम, दाम, दंड, भेद जैसे सभी हथियारों का प्रयोग करता है। आज कुछ लोग इसके लिए राष्ट्रहितों की तिलांजलि देने तक से पीछे नहीं हटते हैं। संवाद की जगह आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति चल रही है। इस समस्या का समाधान यही है कि जो लोग पीढ़ी दर पीढ़ी सत्ता में आ रहे हैं, उनके बजाय पढ़े-लिखे नेता राजनीति में आएं। राजनीति के लिए भी एक न्यूनतम शिक्षा होना अनिवार्य है। जिस प्रकार बाकी क्षेत्रों में ओरिएंटेशन होता है, वैसे ही राजनीति में भी हो, ताकि उन्हें आभास हो सके कि जिस व्यवस्था में वे आए हैं, वहां उनसे क्या अपेक्षा है और क्या उनकी भूमिका होनी चाहिए? इसके साथ ही राजनीतिक समाजीकरण की भी बहुत आवश्यकता है। यह पाठ्यक्रम का हिस्सा होना चाहिए। इससे लोगों को पता चलेगा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के कौन-कौन से साधन हो सकते हैं। साथ ही ऐसी कौन-सी अवधारणाएं, विचारधाराएं हैं, जो व्यवस्था में कुठाराघात कर रही हैं?

संविधान खतरे में है, यह कहना हास्यास्पद है। जब कोई नेतृत्व में बैठा व्यक्ति यह कहता है तो एक बार वह स्वयं यह विश्लेषण भी कर ले कि संविधान में नागरिकों के अधिकारों के साथ कर्तव्यों की बात भी है। अगर संविधान खतरे में है तो इसका स्पष्ट तात्पर्य यह हुआ कि उसने अपने कर्तव्यों के निर्वहन में कमी रखी है, तभी संविधान खतरे में है। *

समाज बांटने वालों का जनता स्वयं तिरस्कार करे

प्रोफेसर जगमोहन सिंह राजपूत, पूर्व निदेशक-एनसीईआरटी

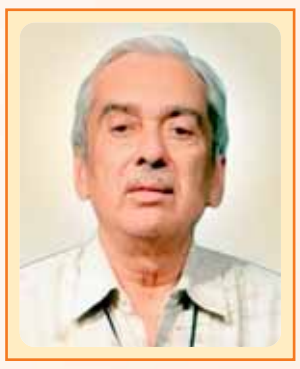

धर्म, जाति व भाषा के विवाद को मैंने लंबे समय से देखा है। यह देश में धीरे-धीरे राजनीति के कारण फैलाया गया। मैंने सभी शिक्षा नीतियों का अध्ययन किया है। सन 1974 से देश-विदेश की महत्वपूर्ण शिक्षा बैठकों का हिस्सा रहा हूं। आजादी के शुरुआती 3-4 दशकों में जो सरकारें बनीं, वे भाषा की समस्या का ऐसा समाधान नहीं निकाल पाईं, जिससे इन प्रवृत्तियों को रोका जाता। देश में अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक का जो कॉन्सेप्ट आया, वह लोगों को अलग करने और अविश्वास पैदा करने में भागीदार रहा। अब अगर आप गांव के स्कूल में कुछ बच्चों को साइकिल, कुछ को वजीफा देंगे और कुछ बच्चों को कुछ भी नहीं देंगे, तो उन मासूम छोटे बच्चों के अंदर कैसी भावना पैदा होगी? हमें इस बात की कोई आवश्यकता नहीं थी कि हम इस तरह का कोई भेदभाव बच्चों के बीच करते। सहायता दीजिए लेकिन उस तरीके से दीजिए कि एक वर्ग के लोगों को ऐसा न लगे कि मैं ही क्यों छूट गया? मैं जापान का उदाहरण अकसर देता हूं। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद वह देश मनोबल और भौतिक स्तर पर टूट गया था। लेकिन उन्होंने अपने स्कूलों के अध्यापकों को तैयार किया और उन्होंने बच्चों को कहा कि अब तुम्हें देश बनाना है। जब तक आपके अध्यापकों को यह पता न चले कि मैं देश का निर्माता हूं, देश का भविष्य बना रहा हूं, तब तक यह अविश्वास बढ़ता रहेगा। यदि हम आजादी के बाद यह भेदभाव न करते तो यह स्थिति न होती। हमने संवेदनशीलता के साथ इस पक्ष का विवेचन नहीं किया। वास्तव में समाज के अलग-अलग वर्गों में बढ़ती दूरी जैसी समस्याएं, आज पैदा नहीं हुई हैं, इनका इतिहास है। जब आपको पिछला पता नहीं होगा, तो आप एक तरफा ही देख सकेंगे। पहले वे लोग, जिन्होंने देश को धर्म और जाति में बांटा, वे जिम्मेदार हैं और आज जो बांट रहे हैं, वे भी जिम्मेदार हैं।

मेरा मानना है कि बच्चों और युवाओं को यह बताना चाहिए कि दुनिया की सभी समस्याओं के पीछे कहीं न कहीं धर्म आ ही जाता है और दुनिया की सारी समस्याओं का समाधान भी धर्म ही है। समाधान यह है कि हर नागरिक के मन में यह भाव पले कि मेरे लिए मेरा धर्म सबसे अच्छा और आपके लिए आपका। इसके अलावा कोई रास्ता नहीं है। जब छोटे बच्चों को हम यह सिखाएंगे कि आपके बगल में बैठे बच्चे का धर्म भी उतना ही महान है, जितना आपका तो उसके मन में सभी धर्मों को लेकर सम्मान रहेगा। यही एक तरीका है, जो सामाजिक विघटन को रोक सकता है। इसके साथ यह भी जरूरी है कि जो नेता किसी भी आधार पर समाज को बांटने की कोशिश करे, जनता स्वयं उसका तिरस्कार करे। आज का एक बड़ा विरोधाभास यह है कि जो संविधान की मर्यादाओं को स्वयं नहीं मानते, वही कहते हैं कि संविधान खतरे में है। संविधान खतरे में है, ऐसा भ्रम फैलाने वालों को जनता अच्छी तरह जानती-समझती है। इसलिए वही ऐसे लोगों को सबक सिखा सकती है। *

प्रस्तुतिः रेनू खंतवाल

{ गीत }

प्रो. शरद नारायण खरे

शूरवीर भारत की सेना

जिसने हर मुश्किल में भी कर डाला शत्रु-दमन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।
नहीं जान की कोई फिक्र की, बस सीमा देखी।
निज गृह की परवाह नहीं की, बस हिम्मत देखी।।
भारत की सेना देख करें घुसपैठी त्वरित गमन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।।
आशाओं के दीप जलाकर, हमको राहत नित दी।
सर्दी, गर्मी, बारिश में भी, हमको हिम्मत नित दी।।
हे सेना! भारत की अनुपम, तुमने किया चमन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।।
अंधकार में प्रखर रोशनी, रहते सीना ताने।
सचमुच में हम विश्वविजेता, भले न कोई माने।।
भारत की सेना का अर्पित हरदम तन और मन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।।
तीज और त्योहार सभी ही सीमा पर हैं मनते।
अगर पड़ोसी आंख दिखाए, पलट प्रहार फिर सहते।।
सदा तिरंगा हाथों में, अधरों पर जन-गण-मन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।।
ईद, दिवाली, होली तुमसे, ओ' भारत की सेना।
तुमने तो सीखा है हरदम, केवल सेवा देना।।
वजह तुम्हीं हो, जिसके कारण महक रहा गुलशन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।।

{ व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय }

अब सेल्फ सर्विस ही देश सेवा

आज के दौर में देश सेवा के नाम पर अधिकांश अंतरी से लेकर संतरी तक सेल्फ सर्विस करने की ही जुगाड़ में लगे रहते हैं। यही वजह है कि वास्तव में देश सेवा करने वाले लोग खुद को बेबस और असमंजस में महसूस करते हैं। ऐसे ही टेंशनियाए हुए भाई जी की दास्तान।

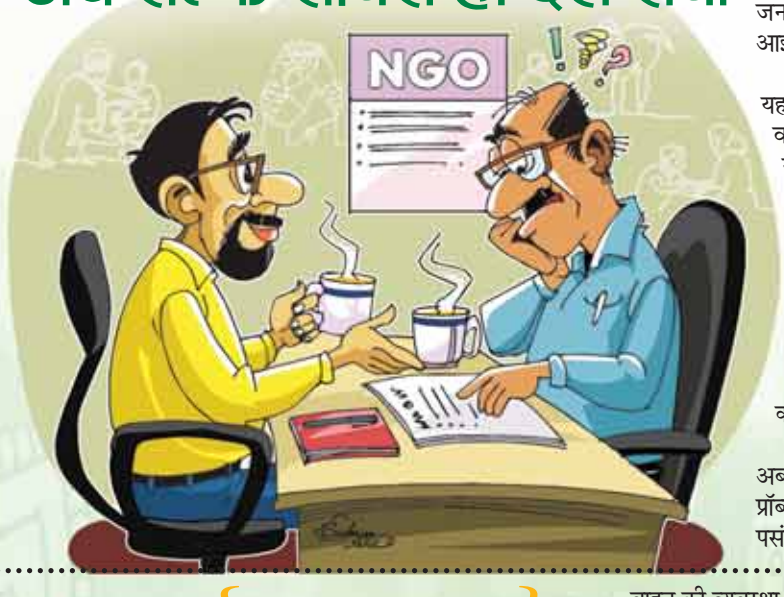

भाई जी को देश की चिंता है। वह अपना दुःखड़ा किसे सुनाएं? समाज व्यक्तिवादी होता जा रहा है। नई जनरेशन अपने में मगन है। पुरानी का आचरण अनुकरणीय नहीं रहा। देश की राजनीति लाफ्टर शो हो चुकी है और मीडिया सनसनीखेज न्यूज परोसने में व्यस्त है।

भाई जी का कहना है, यहां हर कोई मनमानी कर रहा है। अंतरी से संतरी तक इसे लूटने में लगे हैं। पगले की भैंस ब्याई है, सब बाल्टी लेकर दौड़ रहे हैं। लोगों के हाथ लंबे और जेबें चौड़ी हो चुकी हैं। अब कोई 'अंडरलैंड डीलिंग' नहीं होती। खुला खेल फरक्खाबादी है।

भाई जी को टेंशनित पाकर मैंने उन्हें सुझाव थमाया, 'आप स्वयं की एक संस्था बना लीजिए, चंद बचे-खुचे समर्पित लोगों को जोड़िए, देश के लिए सार्थक काम कीजिए। तमाम लोग यही कर रहे हैं। जिनके पास खुद के एनजीओज हैं, वे मौज में हैं। उग-पनप रहे हैं। आप भी सरकारी एड हथियाइए और फलिए-फूलिए। इन दिनों स्वयंसेवा ही देश-सेवा है। भुक्खड़ रहनुमा हो गए हैं। 'भूखे भजन न होहिं गोपाला, इस नाते वे अपना पेट भर रहे हैं। पहले स्वयं खा-पीकर मुटा लें, इस लायक तो हो लें कि चल-फिर सकें, तब करेंगे कुछ काम। यों भी कड़ी मेहनत का काम है देश-सेवा। इसके लिए पर्याप्त एनर्जी की आवश्यकता होती है। लोग वैकल्पिक ऊर्जा प्राप्त कर रहे हैं। प्राकृतिक और भौतिक रिसोर्सेज को दुह रहे हैं। ऊर्जा की मलाई चांपते इन जनसेवकों को आप भी अपना आइडियल बनाइए।'

भाई जी की फिक्रमंद खोपड़ी में मेरी यह एडवाइस लगभग-लगभग घुसी। वह कहने लगे, 'मैंने एक बार एक संस्था बनाई थी। चंदा-वंदा भी कलेक्ट किया था। सरकारी अनुदान की जुगत भी भिड़ाई थी। सारा गुड़-गोबर हो गया। चंदे में चींटे लग गए। इसका एक बड़ा हिस्सा सरकारी अनुदान प्राप्त करने में खप गया। भैये, यह संस्था वाला धंधा अपने बूते का नहीं है। कुछ नया करना होगा।'

भाई जी की चिंता कैसे सॉल्व हो, अब यह देश की चिंता का विषय है। प्रॉब्लम यह है कि भाई जी को खुला खेल पसंद नहीं है। *

{ लघुकथा / विनय कुमार पाठक }

बेबसी

फी देर से बिंदी प्रसव पीड़ा से छटपटा रही थी। गांव में पक्की सड़क थी नहीं। शहर को जाने वाली मुख्य सड़क ढाई किलोमीटर दूर थी। बिंदी का पति मंगरू घबरा रहा था। क्या उपाय किया जाए, उसकी समझ में नहीं आ रहा था। फिर गांव के लोगों ने आनन-फानन में बहंगी बनाई और बिंदी को लेकर किसी तरह पक्की सड़क तक पहुंचे। ढाई किलोमीटर की दूरी तय करने में काफी समय लग गया। इस बीच बिंदी दर्द से कराहती रही। सड़क तक पहुंचने के बाद किसी तरह एक वाहन की व्यवस्था कर उसे नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार कर उसे सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। यह सब करने में काफी देर हो गई। सदर अस्पताल पहुंचते-पहुंचते अधिक रक्तस्राव होने के कारण बिंदी और उसके गर्भ में पल रहे अजन्मे बच्चे की सांसें थम गईं। मंगरू बदहवास-बेबस सा अपनी पत्नी के शव के बगल में सिर थाम कर बैठ गया। उसका मुख एकदम से मलिन हो गया था। वहीं बगल की दीवार पर एक पोस्टर चिपका था, जिस पर लिखा था, 'आपका स्वास्थ्य, हमारी जिम्मेवारी।' पोस्टर पर ही राज्य के मुख्य मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री के मुस्कुराते चेहरे ऐसे प्रतीत हो रहे थे, जैसे मंगरू की बेबसी पर मुस्कुरा रहे हों। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

रोशनी की शिनाख्त

वर्तमान हिंदी साहित्य के परिदृश्य में शीर्षस्थ व्यंग्यकारों में ज्ञान चतुर्वेदी भी प्रतिष्ठित हैं। उनकी व्यंग्यात्मक दृष्टि इतनी गहरी और पैनी है कि अपने आस-पास के समाज में पैबस्त सूक्ष्म से सूक्ष्म विद्रूप की भी वे शिनाख्त करके हमारे सामने ले आते हैं। उनके ऐसे ही कुछ धारदार व्यंग्यों का संकलन 'रोशनी की शिनाख्त' हाल में छपकर आया है। हिंदुस्तान में हिंदी और हिंदी दिवस की दुर्दशा पर करारा कटाक्ष 'साहब और हिंदी' में किया गया है। 'दरअसल आज हिंदी डे है। आज से सरकारी दफ्तरों में हिंदी सेलिब्रेशन पखवाड़ा शुरू होगा।' वर्तमान स्वतंत्र-गणतंत्र भारतवर्ष में गांधीजी कितने प्रासंगिक हैं, इसे समझने के लिए 'गांधी जी की गवाही' व्यंग्य को पढ़ा जा सकता है। इसकी ये पंक्तियां देखने योग्य हैं, 'गांधी जी को मरा बोलते शर्म नहीं आती? वे जिंदा हैं और रहेंगे। अपने पर्स में झांक कर देख। गांधी जी हैं कि नहीं?' देश की नसों में समायी भ्रष्टाचार की प्रवृत्ति को लेखक ने पूरी निर्ममता से 'घोटालों का गणित' में उजागर किया है। एक सवाल में ही इसकी बानगी देखी जा सकती है, 'यदि कोई मंत्री खनिज खोदने और रेत बिकवाने से हजार करोड़ बनाने की ठान ले तो सारा प्रदेश खोद डालने में उसे कितने साल लगेंगे?'

पुस्तकः रोशनी की शिनाख्त, लेखकः ज्ञान चतुर्वेदी, मूल्यः 350 रुपए, प्रकाशकः राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

इस पुस्तक से गुजरते हुए स्पष्ट तौर पर कह सकते हैं कि इन व्यंग्यों के कटाक्षों से उत्पन्न होने वाली रोशनी इतनी तेजमय है, जिनसे हमारे देश-समाज की राजनीति, शासन-प्रशासन और तंत्र के अंधेरे-कोनों में भी ढंकी-तुपी विडंबनाओं और विसंगतियों की शिनाख्त आसानी से की जा सकती है। *

सीरीज जीत की दहलीज पर भारत, किशन के प्रदर्शन से संजू पर बढ़ा दबाव

गुवाहाटी में आज शाम 7 बजे से भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा टी20

एजेंसी ▶▶| गुवाहाटी

पहले दोनों मैच आसानी से जीतने के बाद भारत रविवार 25 जनवरी को होने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत हासिल करके पांच मैच की श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगा, जिसमें संजू सैमसन के प्रदर्शन पर सभी की निगाह टिकी रहेंगी क्योंकि ईशान किशन ने पिछले मैच में शानदार वापसी करके उन पर दबाव बढ़ा दिया है।

किशन की शानदार पारी से इस बात पर बहस फिर से शुरू हो जाएगी कि अभिषेक शर्मा का पसंदीदा सलामी जोड़ीदार कौन होना चाहिए, क्योंकि सैमसन अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने के लिए जूझ रहे हैं। टी20 विश्व कप के शुरू होने में अब केवल दो सप्ताह का समय बचा है और इससे पहले भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ बाकी बचे तीन मैच खेलने हैं। ऐसे में भारत की टीम संयोजन काफी हद तक तय लग रहा है।

सैमसन मौके का फायदा उठाने में नाकाम

भारत बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। केवल कुछ स्थान को लेकर ही टीम चिंतित होगी, जिनमें से एक स्थान फिलहाल सैमसन के पास है। किशन की 32 गेंदों पर खेली गई शानदार 76 रनों की पारी ने संजू पर दबाव बढ़ा दिया है। टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल की जगह अभिषेक के साथ सलामी बल्लेबाज के रूप में बहाल किए गए सैमसन मौकों का पूरा फायदा उठाने में नाकाम रहे हैं, जबकि उन्हें काफी मैच खेलने का मौका मिला है। गिल तकनीकी रूप से मजबूत होने के बावजूद टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में कोई खास प्रभाव नहीं डाल पाए थे और इसलिए संजू को अंतिम एकादश में शामिल करने के साहसिक फैसले के तहत उन्हें बाहर कर दिया गया।

सूर्यकुमार फॉर्म में लौटे

भारत के लिए यह अच्छी खबर है कि कप्तान सूर्यकुमार यादव अपनी चिर परिचित फॉर्म में लौट आए हैं। उन्होंने 37 गेंद पर 82 रन बनाकर पिछले 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियों के बाद अपना पहला अर्धशतक जड़ा। भारत पांच मैच की श्रृंखला में 2-0 से आगे है लेकिन उसे किसी तरह के मुगालते में नहीं रहना चाहिए क्योंकि न्यूजीलैंड की टीम वापसी करने में माहिर है जैसा उसने इससे पहले खेली गई वनडे श्रृंखला में किया था। पिछले मैच में सलामी बल्लेबाज अभिषेक पहली गेंद पर आउट हो गए थे और वह यहां बड़ी पारी खेलने की कोशिश करेंगे।

रणनीतिक बदलावों पर विचार कर सकती है न्यूजीलैंड

मिचेल सैंटनर की अगुवाई वाली टीम कुछ रणनीतिक बदलावों पर विचार कर सकती है। वह शानदार फॉर्म में चल रहे डैरिल मिचेल को ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी के लिए भेज सकता है। न्यूजीलैंड की आमतौर पर मजबूत मानी जाने वाली फील्डिंग इस बार बेहद निराशाजनक रही। सैंटनर और ईश सोढ़ी सहित उसके खिलाड़ियों ने कई कैच छोड़े। न्यूजीलैंड को इस विभाग में तुरंत सुधार करने की जरूरत है।

टीमें इस प्रकार

भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन, जिमी नीशम, ईश सोढ़ी, जैक फॉक्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी।

खबर संक्षेप

दुबई डेजर्ट क्लासिक : शुभंकर और युवराज कट से चूके

दुबई। भारत के शुभंकर शर्मा और युवराज सिंह संधू ने दूसरे दौर में भी खराब प्रदर्शन किया, जिससे वह हीरो दुबई डेजर्ट क्लासिक गोल्फ टूर्नामेंट के कट में जगह नहीं बना पाए। प्रतिष्ठित रोलेक्स सीरीज प्रतियोगिता में पदार्पण कर रहे संधू ने 73 और 73 के राउंड खेले, जबकि शर्मा लय हासिल करने के लिए संघर्ष करते रहे और शुरुआती 74 के बाद उन्होंने दूसरे दौर में निराशाजनक 77 का स्कोर बनाया। इस बीच पूर्व मास्टर्स चैंपियन पैट्रिक रीड ने दूसरे दौर में 66 का स्कोर बनाकर एक शॉट की मामूली बढ़त हासिल कर ली। इस अमेरिकी खिलाड़ी ने अब कुल नौ-अंडर का स्कोर बना लिया है और वह इंग्लैंड के एंडी सुलिवन से एक शॉट आगे हैं, जिन्होंने सात-अंडर 65 का स्कोर बनाया।

सूर्या ने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टी20 बल्लेबाज : शिवम दुबे

रायपुर। भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में इस स्टार बल्लेबाज ने धमाकेदार

पारी खेलकर दिखा दिया कि वह खेल के सबसे छोटे प्रारुप में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। सूर्यकुमार ने 23 पारियों के बाद पहली बार 50 से अधिक का स्कोर बनाया, जिससे अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उनके आलोचकों का मुंह बंद हो गया। दुबे ने कहा , 'कुछ समय पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुझसे सूर्यकुमार यादव की फॉर्म के बारे में पूछा गया था। तब मैंने कहा था कि वह उस तरह का खिलाड़ी है कि जब वह अपनी फॉर्म दिखाएगा तो तब दुनिया को पता चलेगा कि वह किस तरह का खिलाड़ी है।

फाइनल में जगह पक्की करने के लिए भिड़ेंगे हैदराबाद और रांची रॉयल्स

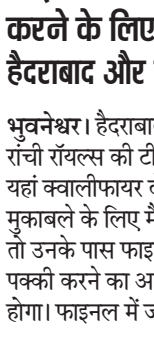

भुवनेश्वर। हैदराबाद तूफान्स और रांची रॉयल्स की टीमें रविवार को यहां क्वालीफायर दो के करो या मुकाबले के लिए मैदान पर उतरेगी तो उनके पास फाइनल में जगह पक्की करने का आखिरी मौका होगा। फाइनल में जगह बनाने की

जंग निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है और इस मुकाबले को जीतने वाली टीम क्वालीफायर एक और तालिका में शीर्ष पर रही कलिंगा लांसर्स के खिलाफ सोमवार को खिताबी मुकाबला खेलेगी। हारने वाली टीम सोमवार को एचआईएल जीसी के खिलाफ तीसरे-चौथे स्थान के मैच में खेलेगी। हैदराबाद तूफान्स ने एलिमिनेटर में एचआईएल जीसी को 2–0 से हराकर क्वालिफायर-दो में जगह बनाई। इस मुकाबले में टीम ने सधी हुई रक्षात्मक खेल दिखाया और मिले मौकों का भरपूर फायदा उठाते हुए खिताबी दौड़ में खुद को बनाए रखा।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : गर्मी के कारण रोके गए आउटडोर गेम

भीषण गर्मी से जूझे टेनिस सितारे, सिनर, कीज पेगुला और अनिसिमोवा जीते, ओसाका बाहर

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

यानिक सिनर ने भीषण गर्मी से जूझने के बावजूद ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में प्रवेश करके खिताबी हैट्रिक बनाने की अपनी कवायद जारी रखी। सिनर जब हाथ पैरों में ऐंठन को दूर करने के लिए जूझ रहे थे और तीसरे सेट में 1-3 से पिछड़ रहे थे तब भीषण गर्मी के नियमों ने उन्हें बचा लिया। शनिवार दोपहर को रॉड लेवर एरिना में खेल कुछ मिनटों के लिए रोक दिया गया और छत बंद कर दी गई। इसके बाद सिनर ने नई ऊर्जा के साथ कोर्ट पर कदम रखा। उन्होंने अगले छह गेम में से पांच जीतकर 85वीं रैंकिंग के खिलाड़ी इलियट स्पिजिर्री को 4-6, 6-3, 6-4, 6-4 से पराजित किया।

सिनर अगले दौर में इटली के हमवतन खिलाड़ी लुसियानो डार्डेरी का सामना करेंगे। इटली के तीन खिलाड़ी अंतिम 16 में पहुंच गए हैं। इनमें तीसरे खिलाड़ी पांचवीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेटी हैं, जिन्होंने जॉन केन एरिना में खेले गए मैच में टॉमस माचक को 5-7, 6-4, 6-2, 5-7, 6-2 से हराया। इस मैच को भी पांचवें सेट में छत बंद करने के लिए थोड़ी देर के लिए रोकना पड़ा था। विश्व में आठवें नंबर के खिलाड़ी बेन शेल्टन भी आगे बढ़ गए हैं। उन्होंने मार्गरेट कोर्ट एरिना पर मोनाको के वैलेंटीन वाचेरोट को 6-4, 6-4, 7-6 (5) से पराजित किया। वहीं ओसाका ने टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है।

अमांडा ने बनाई अंतिम 16 में जगह

अमेरिका की एक अन्य खिलाड़ी और चौथी वरीयता प्राप्त अमांडा अनिसिमोवा ने हमवतन पेटन स्टर्न्स को 6-1, 6-4 से हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई। सातवें दिन खेल निर्धारित समय से एक घंटा पहले शुरू हुआ, क्योंकि पूर्वानुमान में 40 डिग्री सेल्सियस (104 फ़ारेनहाइट) तक के तापमान की आशंका थी। शुरुआती मैचों के दौरान तापमान उस स्तर तक नहीं पहुंचा। इस दौरान तापमान 32 डिग्री सेल्सियस (89 फ़ारेनहाइट) रहा।

कीज और जेसिका की चौथे दौर में एंट्री

महिला वर्ग में मौजूदा चैंपियन मैडिसन कीज और उनकी हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने भी सीधे सेटों में जीत दर्ज करके चौथे दौर में प्रवेश किया, जहां उनका आमना सामना होगा। नौवीं वरीयता प्राप्त कीज ने रोड लेवर एरिना में खेले गए पहले मैच में कैरोलिना प्लिस्कोवा को 6-3, 6-3 से हराया, जबकि छठी वरीयता प्राप्त पेगुला ने मार्गरेट कोर्ट एरिना में खेले गए पहले मैच में ओक्साना सेलेखमेतेवा को 6-3, 6-2 से पराजित किया।

चोट के कारण हटीं ओसाका

जापानी खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर से मैच से पहले हटने का फैसला किया। चार बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन ओसाका को तीसरे दौर में ऑस्ट्रेलियाई

क्वालिफायर मैडिसन इंग्लिस के खिलाफ खेलना था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया कि अपने पिछले मैच के बाद उन्हें 'अपने शरीर की एक ऐसी समस्या पर ध्यान देना है, जिसे इलाज की जरूरत है।' ओसाका ने पोस्ट किया, 'मैं आगे बढ़ने के लिए बहुत उत्साहित थी और यह सफर मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने रखता था इसलिए यहां रुकना मेरे दिल तोड़ने वाला है। लेकिन मैं और नुकसान का जोखिम नहीं उठा सकती ताकि मैं कोर्ट पर वापस आ सकूं।' टूर्नामेंट द्वारा बाद में जारी किए गए बयान में ओसाका ने कहा कि उन्हें पेट के बाईं ओर दिक्कत थी।

भांबरी तीसरे दौर में, बालाजी बाहर

भारत के युकी भांबरी ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के तीसरे दौर में जगह बनाई लेकिन एक अन्य भारतीय खिलाड़ी एन श्रीराम बालाजी दूसरे दौर से बाहर हो गए। भांबरी और उनके स्वीडिश साथी आंद्रे गोरानसन की 10वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने दूसरे दौर के मुकाबले में सैंटियागो गोंजालेज और डेविड पेल की गैर-वरीयता प्राप्त जोड़ी को 4-6, 7-6(5), 6-3 से हराया। इससे पहले बालाजी और ऑस्ट्रिया के उनके जोड़ीदार नील ओबरलीट्नर को अल सल्वाडोर के मार्सेलो अरेवालो और क्रोएशिया के माटे पाविच की चौथे वरीयता प्राप्त जोड़ी से 5-7, 1-6 से हार का सामना करना पड़ा, जिन्होंने मेलबर्न पार्क के शो कोर्ट पर अपनी निरंतरता और बड़े मैचों के खेलने का अच्छा नमूना पेश किया।

क्रिकेट

टी20 विश्व कप से बांग्लादेश बाहर, स्कॉटलैंड की हुई एंट्री

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आधिकारिक तौर पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को सूचित कर दिया है कि आगामी टी20 विश्व कप में बांग्लादेश की जगह अब स्कॉटलैंड खेलेगा। यह फैसला बांग्लादेश की ओर से सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए भारत यात्रा से इनकार करने के बाद लिया गया। पता चला है कि चेयरमैन जय शाह सहित आईसीसी के वरिष्ठ अधिकारी शुक्रवार को दुबई में मौजूद थे। इसी दिन देर शाम बीसीबी अध्यक्ष अमिनुल इस्लाम बुलबुल को एक ईमेल भेजकर वैश्विक संस्था के फैसले से अवगत कराया गया।

स्कॉटलैंड के ग्रुप चरण में चार मुकाबले

वहीं क्रिकेट स्कॉटलैंड ने कहा है कि उसे अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं मिली है। हालांकि ऐसा लगता है कि औपचारिक सूचना मिलना अब केवल समय की बात है। इस तरह स्कॉटलैंड ग्रुप चरण में अपने चार मुकाबले वेस्टइंडीज (सात फरवरी), इटली (नौ फरवरी) और इंग्लैंड (14 फरवरी) के खिलाफ कोलकाता में खेलेगा जबकि नेपाल के खिलाफ उसका मैच 17 फरवरी को मुंबई में होगा।

बीसीबी के अध्यक्ष को भेजा ईमेल

आईसीसी के एक सूत्र ने कहा, 'कल शाम बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष को ईमेल भेजकर सूचित किया गया कि उनके बोर्ड ने भारत आने या नहीं आने के फैसले पर 24 घंटे की समय-सीमा के भीतर आधिकारिक रूप से आईसीसी को कोई जवाब नहीं दिया, इसलिए यह निर्णय लिया गया। ' सूत्र ने कहा, 'बीसीबी ने आईसीसी को औपचारिक जानकारी देने से पहले ढाका में प्रेस कॉन्फ्रेंस की जो प्रोटोकॉल का उल्लंघन था। उन्हें स्पष्ट रूप से बता दिया गया है कि उनकी जगह अब किसी और टीम को शामिल किया जा रहा है।

भारतीय टीम का ऐलान

ऑस्ट्रेलिया से टेस्ट के लिए प्रतिका वैष्णवी और क्रांति टीम में शामिल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पिछले साल महिला वनडे विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाली सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल के अलावा बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा और तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ को 6 से 9 मार्च तक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारत की 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी।

यह टेस्ट मैच 15 फरवरी से शुरू होने वाले सीमित ओवरों के मैचों (तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन वनडे) के बाद खेला जाएगा। युवा विकेटकीपर कमलिनी चोट के कारण भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर हो गई हैं और चयनकर्ताओं ने उनकी जगह उमा छेत्री को टी20 और वनडे टीमों में शामिल किया है।

टेस्ट टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप कप्तान), शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अमनजोत कौर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, दीप्ति शर्मा, रेणुका ठाकुर, स्नेह राणा, क्रांति गौड़, वैष्णवी शर्मा, सयाली सतघरे।

राइजिंग स्टार के लिए टीम

हुमैरा काजी, वृंदा दिनेश, अनुष्का शर्मा, दीया यादव (फिटनेस पर निर्भर), तेजल हसब्निस, नंदनी कश्यप (विकेटकीपर), ममता एम (विकेटकीपर, फिटनेस पर निर्भर), राधा यादव (कप्तान), सोनिया मेंढिया, मिन्नू मणि, तनुजा कंवर, प्रेमा रावत, साइमा ठाकोर, जिन्तामणि कलिता, नंदनी शर्मा।

राइजिंग स्टार एशिया कप के लिए टीम का ऐलान

चयनकर्ताओं ने एसीसी राइजिंग स्टार एशिया कप के लिए भारत ए टीम का चयन भी कर लिया है, जिसकी कप्तानी बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव करेंगी। प्रतिभाशाली बल्लेबाज अनुष्का शर्मा को उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन के कारण टीम में शामिल किया गया है। यह टूर्नामेंट 13 से 22 फरवरी के बीच थाईलैंड में खेला जाएगा। भारत इस टूर्नामेंट में यूएई (13 फरवरी), पाकिस्तान ए (15 फरवरी) और नेपाल (17 फरवरी) के खिलाफ खेलेगा।

स्प्राट चैंपियंस स्क्वाश के दूसरे दौर में अनाहत

नई दिल्ली। भारत की शीर्ष महिला स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने अंतिम क्षणों में कुछ विषम परिस्थितियों का सामना करने के बावजूद लूसी टरमेल को हराकर न्यूयॉर्क में चल रहे स्प्राट टूर्नामेंट ऑफ चैंपियंस के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। विश्व में 31वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत ने पीएसए प्लैटिनम प्रतियोगिता में इंग्लैंड की टरमेल को 11-3, 11-6, 9-11, 13-11 से हराया। अब उनका मुकाबला जापान की छठी वरीयता प्राप्त सतोमी वातानाबे से होगा। इस बीच पुरुषों की विश्व रैंकिंग में 29वें स्थान पर काबिज भारत के अभय सिंह स्पेन के इकर पजारेस के सामने कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद 4-11, 11-4, 7-11, 11-3, 3-11 से हार गए।

धोनी ने की नेट प्रैक्टिस, आईपीएल की तैयारी को लेकर अटकलें

एजेंसी ▶▶| रांची

भारत और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने अभ्यास शुरू कर दिया है, जिससे उनकी आईपीएल 2026 की तैयारियों को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) ने सोशल मीडिया पर एक छोटा वीडियो साझा किया, जिसमें धोनी को नेट सत्र के लिए पैड पहनते हुए देखा जा सकता है।

इस पोस्ट के साथ शीर्षक में लिखा गया, देखो कौन वापस आया है। वीडियो के साथ एक अन्य शीर्षक में लिखा गया, /"जेएससीए का गौरवः महेंद्र सिंह धोनी/"। नेट सत्र से पहले धोनी को भारत और झारखंड के पूर्व बल्लेबाज और

जेएससीए अधिकारी सौरभ तिवारी के साथ बातचीत करते हुए भी देखा गया। आईपीएल 2026 की 'विंडो' (आयोजन की तारीख) को तय कर दिया गया है जो 26 मार्च से 31 मई तक चलेगा।

धोनी ने 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया था संन्यास

धोनी ने वर्ष 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था लेकिन वह अब भी आईपीएल में सक्रिय हैं। चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी फिलहाल रुतुराज गायकवाड़ संभाल रहे हैं लेकिन धोनी अब भी टीम का बेहद अहम हिस्सा बने हुए हैं। आईपीएल में 2008 से अब तक धोनी ने 278 मैचों में 38.30 की औसत और 137.45 के स्ट्राइक रेट से 5,439 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 24 अर्धशतक लगाए हैं, जबकि उनका सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर नाबाद 84 रन रहा है।

एसए20 में सनराइजर्स ईस्टर्न केप का चमत्कार

लगातार चौथी बार फाइनल में काव्या मारन की सनराइजर्स

एजेंसी ▶▶| जोहानिसबर्ग

सेनुरान मुथुसामी की फिरकी के जादू के बाद जेम्स कोल्स की तूफानी पारी से सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने क्वालीफायर दो में पार्ल रॉयल्स पर सात विकेट की एकतरफा जीत के साथ लगातार चौथी बार एसए20 क्रिकेट लीग के फाइनल में जगह बनाई।

रॉयल्स की टीम मुथुसामी (15 रन पर तीन विकेट) और एनरिच नोर्किया (31 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने काइल वेरेने (नाबाद 52, 46 गेंद, पांच चौके, एक छक्का) के नाबाद अर्धशतक के बावजूद सात विकेट पर 114 रन ही बना सकी। इसके जवाब में दो बार के चैंपियन और गत उप विजेता सनराइजर्स ने कोल्स की 19 गेंद में तीन छक्कों और चार चौकों से नाबाद 45 रन की पारी की बदौलत 11.4 ओवर में तीन विकेट पर 117 रन

बनाकर आसान जीत दर्ज की। वांडरर्स स्टेडियम की धीमी और स्पिन की अनुकूल पिच पर मुथुसामी और कोल्स (15 रन पर एक विकेट) की बाएं हाथ की स्पिन जोड़ी ने मिलकर आठ ओवर में 30 रन पर चार विकेट लेकर रॉयल्स की टीम को हमेशा दबाव में रखा।

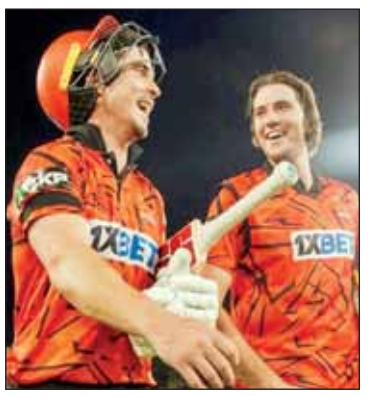

सनराइजर्स को डिकॉक ने दिलाई तेज शुरुआत

रविवार को केपटाउन में होने वाले फाइनल में अब सनराइजर्स की भिड़ंत प्रिटोरिया कैपिटल्स से होगी और टीम क्वालीफायर एक में इस टीम के खिलाफ मिली सात विकेट की हार का बदला चुकता करके तीसरी बार खिताब जीतने की कोशिश करेगी। लक्ष्य का पीछा करने उतरे सनराइजर्स को क्विंटन डिकॉक ने तेज शुरुआत दिलाई। डिकॉक (25 रन, 12 गेंद, तीन चौके, दो छक्के) ने बाएं हाथ के स्पिनर ब्योर्न फोर्टुइन पर दो चौकों के साथ शुरुआत की और फिर हार्डस विलजोएन की लगातार गेंदों पर दो छक्के और एक चौका मारा। डिकॉक हालांकि फोर्टुइन के अगले ओवर में सीधी गेंद को चूककर बोल्ड हो गए।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

नागपुर मंडल में इलेक्ट्रिकल सम्बंधित कार्य के लिए ई-निविदा सूचना

निविदा सं.: ईएल-जी-ई-ओटी-25-26-29
दिनांक: 19.01.2026
कार्य का नाम: विभिन्न इलेक्ट्रिकल काम - **ADEN/NAB के अंतर्गत: (A)** चांदा फोर्ट में SSE (P.Way), CAF के लिए नई ऑफिस बिल्डिंग का निर्माण। **(B)** MME, AJU और SNV स्टेशनों पर JE (P.Way) ऑफिस और स्टोर का प्रावधान। **(C)** नागपुर मंडल के राजोली, नागभीड़, देवलगांव, गोंगली, ब्रह्मपुरी, वड़सा, गोबेरवाही स्टेशनों पर ओवर-हेड पानी की टंकियों का प्रावधान।
निविदा मूल्य: ₹ 73,52,418/-
बिड सुरक्षा राशि: ₹ 1,47,100/-
निविदा प्रस्तुति की तारीख एवं समय: दिनांक **06.02.2026** से **20.02.2026** के दोपहर **3:00** बजे तक।
निविदा का खोलना: दि. **20.02.2026** को।
अधिक जानकारी के लिए कृपया वरिष्ठ डीईई (आरएसएंडजी)/नागपुर के कार्यालय से संपर्क करें या वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध निविदा दस्तावेज देखें/डाउनलोड करें।
वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (जी), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर
FL/65-288
स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

हाई कोर्ट ने याचिका पर मांगा जवाब

डीआरडीए कर्मियों को पेंशन का अधिकार क्यों नहीं

हरिभूमि जबलपुर।

हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विशाल धगट की एकलपीठ ने जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, डीआरडीए कर्मियों को पेंशन का अधिकार न होने के रवैये को चुनौती संबंधी याचिका पर जवाब-तलब कर लिया है। इस सिलसिले में केंद्र व राज्य शासन सहित अन्य को नोटिस जारी किए गए हैं।

याचिकाकर्ता छतरपुर निवासी सेवानिवृत्त कर्मी अशोक कुमार रावत की ओर से अधिवक्ता असीम त्रिवेदी, विनीत टेहेनगुनिया, शुभम पाटकर, प्रशांत व पूर्णिमा तिवारी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता 1981 में केंद्र सरकार के गरीबी उन्मूलन हेतु सृजित एजेंसी जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, डीआरडीए में नियुक्त हुआ था। कालांतर में सरकार ने डीआरडीए कर्मियों को जिला पंचायत में विलय कर दिया, जहां पेंशन की कोई व्यवस्था नहीं है। यह रवैया इसलिए अनुचित है क्योंकि केंद्र शासन की गाइडलाइन के अनुसार डीआरडीए कर्मियों को ग्रामीण विकास विभाग में

संविलयन करना था। दरअसल, केंद्र सरकार के कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय ने 1975 में काम्पेंडियम आफ इंस्ट्रक्शंस आन प्रोजेक्ट्स जारी किया था, जिसमें डीआरडीए कर्मचारियों को चिकित्सा सुविधा, अवकाश वेतन, पेंशन और भविष्य निधि योगदान जैसे लाभ देने की बात कही गई है। इसमें स्पष्ट है कि राज्य सरकार को इन प्रस्तावों के लिए केंद्र से अनुमति लेने की जरूरत नहीं है।

अनुकंपा नियुक्ति पर तीन माह में निर्णय लेने हाई कोर्ट के निर्देश

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विशाल धगट की एकलपीठ ने एक याचिका का इस निर्देश के साथ निराकरण कर दिया कि याचिकाकर्ता के अनुकंपा नियुक्ति के आवेदन पर तीन माह के भीतर निर्णय लिया जाए। याचिकाकर्ता कटनी निवासी आशीषा सिफा कीरो की ओर से अधिवक्ता नर्मदा प्रसाद चौधरी, अमित कुमार चौधरी, राजकुमार चौधरी व रूपलाल चौधरी ने दलील दी कि याचिकाकर्ता के पिता जान कीरो, सेंट्रल बैंक आफ इंडिया में कार्यरत थे। सेवाकाल में 20 जुलाई, 2020 को उनका निधन हो गया। याचिकाकर्ता की मां ने पूर्व में ज्येष्ठ पुत्री को अनुकंपा नियुक्ति देने का आवदेन दिया था। उस पर बैंक की ओर से कोई निर्णय नहीं लिया गया। लिहाजा, कनिष्ठ पुत्री की ओर से याचिका दायर की गई है। एक वर्ष बीतने के बावजूद अनुकंपा नियुक्ति के आवेदन पर निर्णय नहीं लिया गया। जबकि अनुकंपा नियुक्ति का प्रविधान है। हाई कोर्ट ने तर्क से सहमत होकर राहतकारी आदेश पारित कर दिया।

रेस्टोरेंट्स पर बड़ी कार्रवाई

चलित कोर्ट में 8 हजार रुपये का जुर्माना वसूला

जबलपुर। शहर में स्वच्छता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर नगर निगम प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। संभाग क्रमांक 13 में आयोजित चलित कोर्ट की कार्यवाही के दौरान गंदगी पाए जाने पर तीन रेस्टोरेंट्स के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। मजिस्ट्रेट अरुण गोयल, विधि अधिकारी राजीव अनभोरे एवं मुख्य स्वच्छता निरीक्षक संदीप पटेल ने बताया कि निरीक्षण के दौरान दरबार रेस्टोरेंट, दाल चीनी रेस्टोरेंट एवं इंदौर स्वीट्स के किचन व परिसर में गंदगी पाई गई, जिस पर संबंधित प्रतिष्ठानों पर कुल 8 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। कार्रवाई के दौरान नगर निगम के विधि अधिकारी राजीव अनभोरे, मुख्य स्वच्छता निरीक्षक संदीप पटेल, सौरभ, पुलिस प्रशासन से एसआई अभिषेक एवं उनकी टीम, साथ ही खाद्य विभाग के खाद्य सुरक्षा अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान मजिस्ट्रेट अरुण गोयल ने व्यापारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि रेस्टोरेंट एवं खाद्य संस्थानों में स्वच्छता मानकों का पालन अनिवार्य है। जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की आकस्मिक जांच एवं चालानी कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही क्षेत्र के सुपरवाइजर्स को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित स्वच्छता मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए।

एनजीटी ने पचमढ़ी स्थित चंपक झील में पर्यावरणीय क्षति के आरोपों की जांच हेतु संयुक्त समिति गठित की

हरिभूमि जबलपुर।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी), केंद्रीय क्षेत्र पीठ, भोपाल ने मूल आवेदन संख्या 09/2026 (सीज़ेड) में सुश्री राखी बाला सिंगारे, निवासी भोपाल द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई की। यह मामला मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम जिले के पचमढ़ी स्थित चंपक झील से संबंधित है। इस पीठ में माननीय श्री न्यायमूर्ति श्यो कुमार सिंह (न्यायिक सदस्य) एवं माननीय श्री सुधीर कुमार चतुर्वेदी (विशेषज्ञ सदस्य) शामिल थे। आवेदिका ने अधिकरण के समक्ष प्रस्तुत किया कि 43.400 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाली चंपक झील, आर्द्रभूमि (वेटलैंड) की श्रेणी में आती है और आर्द्रभूमि (संरक्षण एवं प्रबंधन) नियम, 2017 के अंतर्गत संरक्षित है। इसके बावजूद झील के आसपास एडवेंचर स्पोर्ट्स, जिपलाइन, पर्यटन गतिविधियाँ, अस्थायी ढांचे, बिना उपचारित सीवेज का प्रवाह एवं कचरा फेंकने जैसी गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं, जिससे झील की पारिस्थितिकी को गंभीर नुकसान पहुंच रहा है। अधिकरण ने माना कि इस मामले में गंभीर पर्यावरणीय प्रश्न उठाया गया है और प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया। एनजीटी ने एक संयुक्त समिति गठित करने का निर्देश दिया, जिसमें निम्नलिखित विभागों के प्रतिनिधि शामिल होंगेः प्रमुख सचिव, पर्यावरण, मध्य प्रदेश शासन, राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण, संभागीय वन अधिकारी, नर्मदापुरम, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड। समिति को चार सप्ताह के भीतर स्थल निरीक्षण कर तथ्यात्मक एवं कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। इस समिति के लिए राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को नोडल एजेंसी नियुक्त किया गया है। मामले की अगली सुनवाई 27 मार्च 2026 को निर्धारित की गई है।

पिस्टल, कारतूस, चाकू के साथ 2 गिरफ्तार

जबलपुर। अधारताल पुलिस ने तालाब मेन गेट के पास हथियार लेकर खड़े दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से एक देशी पिस्टल, एक कारतूस और एक चाकू जब्त कर लिया है। अधारताल थाना प्रभारी प्रवीण कुमरे ने बताया कि गत रात पेट्रोलिंग के दौरान तालाब मेन गेट के पास देशी पिस्टल और चाकू लेकर खड़े ग्राम बगौड़ी चौकी बेलखाडू निवासी 20 वर्षीय शनि बर्मन और ग्राम भर्रा चौकी बेलखाडू 23 वर्षीय शनि चौधरी को गिरफ्तार कर उनके पास से एक देशी पिस्टल, एक लोडेड कारतूस और एक बटरनदार चाकू जब्त करते हुए आरोपी शनि बर्मन के विरूद्ध धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट तथा आरोपी शनि चौधरी के विरूद्ध धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत पृथक पृथक कार्यवाही की गई।

जबलपुर में 16 लाख के पाईप लूटने वाले गुजरात के आरोपी भोपाल में पकड़े गये

जबलपुर। पाटन पुलिस ने जल आपूर्ति योजना के पाइप चोरी करने वाले गुजरात निवासी 3 अरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह ने पिछले दिनों यार्ड में गार्ड को पिस्टल अड़ा कर 16 लाख के पाईप लूट लिये थे. पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त तीन ट्रक भी जप्त किये. पुलिस के मुताबिक गत 19 जनवरी की रात में एफकन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के रौसरा स्थित यार्ड में वारदात को अंजाम दिया था। पाटन पुलिस ने औबेदुल्लागंज के पास दबिश देकर 3 ट्रकों को पकड़ा लिया। जिसमें चोरी के 65 पाइप बरामद हुए। पुलिस ने इस मामले में गुजरात के कछ निवासी आरोपी संजय कोली, रविराज मकवाना और रामजी भीमानी को गिरफ्तार किया है।

पांच मजदूरों की जान लेने वाला फरार कार चालक गिरफ्तार

जबलपुर। बरेला थाना क्षेत्र के सालीवाड़ा इलाके में हुए भीषण सड़क हादसे में पांच मजदूरों की मौत के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। घटना को अंजाम देने के बाद फरार चल रहे कार चालक लखन सोनी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। क्राइम ब्रांच और बरेला थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में आरोपी को जबलपुर रेलवे स्टेशन के पास उस समय पकड़ा गया, जब वह शहर छोड़कर भागने की कोशिश कर रहा था। बताया गया है कि यह दर्दनाक दुर्घटना 18 जनवरी 2026 को नेशनल हाईवे पर सिग्मा कान्हा कॉलोनी के पास हुई थी। सड़क किनारे सुरक्षा के लिए लगाए गए साइन बोर्ड और स्टॉपर के पीछे मजदूर लोहे की ग्रिल की सफाई का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान मंडला से जबलपुर की ओर आ रही सफेद रंग की निसान कार तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाते हुए सीधे मजदूरों के समूह में जा घुसी। हादसे में 11 मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिनमें से इलाज के दौरान पांच की मौत हो गई। क्राइम ब्रांच ने मुखबिर की सूचना पर रेलवे स्टेशन में फरार कार चालक लखन सोनी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 281, 125(ए), 125(बी), 105 सहित मोटरयान अधिनियम की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

गणतंत्र दिवस पर हाई अलर्ट : चप्पे-चप्पे की तलाशी

स्टेशन, स्टैण्ड और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में कड़ी चौकसी

जबलपुर। राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के मौके पर शहर में चौकसी बढ़ा दी गई है। गणतंत्र दिवस पर रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड, भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिस ने अतिरिक्त चौकसी की संदिग्धों की तलाशी ली। पुलिस द्वारा सभी दुपहिया और चार पहिया वाहनों की सघन चैकिंग की जा रही है। राष्ट्रीय महत्व के भवनों और सार्वजनिक स्थानों पर पुलिस द्वारा सघन छानबीन की जा रही है। पुलिस के साथ-साथ डॉग स्क्वाड, बम निरोधक दस्ता और दंगा निरोधक वाहन वज्र भी जांच दल में चल रहा है। रात में पुलिस के इस दल ने शहर के प्रमुख चौराहों पर प्रत्येक वाहनों की चैकिंग की। दुपहिया वाहनों के साथ-साथ कार, बस, मिनी बस, जीप आदि वाहनों की भी सघन तलाशी

ली गई। इसके अलावा रात में पुलिस ने मॉल, होटलों, लॉजों, बाग बगीचों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सघन जांच पड़ताल की। शहर को जोड़ने वाली सीमाओं (नाकों) और सुरक्षा संस्थानों के आसपास चौकसी बढ़ा दी गई थी। हर संदिग्ध दिखने वालों की तलाशी ली गई तथा शहर की सीमा में प्रवेश करने वाले भारी वाहनों की भी जांच पड़ताल की गई। देर रात तक यह सिलसिला चलता रहा।

जिला पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय ने बताया कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। ऐहतियात के तौर पर सभी संदिग्ध वाहनों की तलाशी ली जा रही है। सार्वजनिक और राष्ट्रीय महत्व के स्थलों पर चौकसी बढ़ा दी गई है। शहर को जोड़ने वाली सीमाओं पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह स्थल पर भी कड़ी चौकसी की व्यवस्था की गई है।

सुखसागर वैली पोलीपाथर में सनसनी

आधा घंटे में करोड़ों के जेवर और 6 लाख नगद ले भागे चोर

जबलपुर। गौरीघाट थाना अतंर्गत सुखसागर वैली पोलीपाथर निवासी एक ट्रांसपोर्टर कारोबारी के घर में तड़के सूने घर का ताला तोड़कर करोड़ों रुपए के सोने चांदी के जेवर व 6 लाख नगद रुपए चोरी कर ले गए। इस घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना उस वक्त हुई जब ट्रांसपोर्ट व्यापारी अपनी पत्नी के साथ जबलपुर हॉस्पिटल में भर्ती अपनी मां के पास 22 जनवरी की शाम को ताला लगाकर गया था। दूसरे दिन दोपहर ढाई बजे पड़ोसी ने उसे घटना की सूचना दी। चोरी गए माल में 6 लाख नगद के अलावा 70 तौला सोने व चांदी के जेवर शामिल हैं। माना जा रहा है चोरों ने पूरी रैकी करने के बाद वारदात को अंजाम दिया। सीसीटीव्ही कैमरे में चार नकाबपोश आरोपी वारदात करते हुए दिखे। कैमरे में दिख रहा है कि सुबह 3.45 बजे आरोपी घर में घुसे थे और 4.15 बजे घर से निकल गये थे। आधा घंटे में करोडो रुपयों का माल साफ कर दिया।

गौरीघाट पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार सुखसागर वैली पोलीपाथर निवासी 38 वर्षीय ट्रांसपोर्ट व्यापारी सागर वर्मा गत 22 जनवरी की शाम लगभग 4.30 बजे घर पर ताला लगाकर अपनी पत्नी के साथ जबलपुर हॉस्पिटल में भर्ती अपनी मां के पास गया था। दूसरे दिन 23

जनवरी की दोपहर लगभग 2.30 बजे पड़ोस अरूण जायसवाल ने फोन पर चोरी की सूचना दी। सूचना पाकर दोनों पति पत्नी घर पहुंचे तो देखा कि बेडरूम के आलमारी का ताला टूटा था जिसमें रखे सोने के 9 नग सेट (प्रत्येक में 1 हार एवं 2 कान के हैं), 1 हार, 2 ब्रेसलेट, 5 चैन, 8 कंगन, 8 अंगूठी, 2 बेंदी, 14 नग कान के जेवर, 1 नथ, चांदी के 4 कंगन, 12 जोड़ी बिछिया, 5 जोड़ी पायल, 1 हाथ का मंगलसूत्र, 1 सिंदूरदानी, 12-12 सिक्के, 1 चांदी का लोटा, 3 चैन, 2 जोड़ी कड़े, वजनी लगभग 70 तोला सोना एवं 1 किलो चांदी तथा नगदी 6 लाख रूपये अज्ञात चोर चोरी कर ले गए है। सीसीटीव्ही कैमरा देखने पर चार अज्ञात नकाबपोश लड़के 3.45 बजे घर में घुसे थे और 4.15 बजे घर से निकल गये थे।

विजयनगर में ठेकेदार के घर चोरी

इसी तरह विजयनगर में कचनार सिटी निवासी 50 वर्षीय नगर पालिका ठेकेदार जितेंद्र सिंह 8 जनवरी को पिता का देहांत हो जाने पर अपने पैतृक गांव मंगरौठ जिला हमीरपुर उप्र अपने परिवार सहित गए थे। गत रात लगभग 9.30 बजे जबलपुर घर लौटे तो इस बीच चोरों ने उनका घर साफ कर दिया था। अंदर रखी लोहे की आलमारी को तोड़कर अज्ञात चोर सोने की 3 चैन वजनी लगभग 35 ग्राम, टाप्स वजनी 12 ग्राम, चांदी की कटोरी, सिक्के, पायल चोरी कर ले गए। चोरी गए जेवरों की कीमत लगभग 4 लाख रूपये बताई गई है।

बरगीनगर में भी वारदात

इसी तरह बरगी चौकी नगर अतंर्गत घंसौर रोड बरगीनगर निवासी 19 वर्षीय करन बाल्मीक के सूने घर का ताला तोड़कर चोर अलमारी मे रखे बैग में रखा सोने का हार, झुमकी, टाप्स, सोने के परत के कंगन, अंगूठी, चांदी की पायल, मोती वाला हार बाजूबंद, पैर हाथ की मेंहदी, तथा नगदी 2 हजार रूपये अज्ञात चोर चोरी कर ले गये। पुलिस ने सभी अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

फ्री स्मार्ट मीटर लगाने का खर्च भी उपभोक्ताओं से वसूला जाएगा

जबलपुर। नागरिक मार्गदर्शक उपभोक्ता मंच के अध्यक्ष डॉ पीजी नाजपांड ने कहा है कि उपभोक्ताओं के परिसरों में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों का एडीशनल ऑपरेशनल का खर्च भी उपभोक्ताओं से वसूलने तैयारी कर ली गई है। डॉ नाजपांडे ने कहा है कि विद्युत नियामक आयोग के समक्ष विद्युत दर वृद्धि का जो प्रस्ताव जो भेजा है उसमें 307.8 करोड़ रुपए की अनुमति मांगी है। कंपनी के इस प्रस्ताव से ऊर्जा मंत्री के उस दावे की पोल खुल गई, जिसमें उन्होंने स्मार्ट मीटर फ्री लगाने का दावा किया था। इधर बिजली कंपनियों का कहना है कि इस वर्ष आयोग ने पहले ही "मल्टीईयर टेरिफ" आदेश में प्रदान कर दी, अब सिर्फ अनुमति मिलना बाकी है। इस मामलें में उपभोक्ता मंच के अध्यक्ष डॉ पीजी नाजपांडे ने आयोग के समक्ष आपत्ति दर्ज कराई है। जिसमें कहा गया है कि आरडीएसएस योजना के अतंर्गत लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर हेतु पूरी योजना का 15 प्रतिशत तथा 7.5 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि भारत सरकार दे रही है। साथ ही बिलिंग डाटा तथा अन्य कार्यों का खर्च केंद्र सरकार उठा रही है। ऐसे में एडीशनल ऑपरेशनल खर्च उपभोक्ताओं से क्यों वसूलना चाहिए। उन्होंने नियामक आयोग से मांग की है कि बिजली कंपनी को दी गई अनुमति खारिज करनी चाहिए। गौरतलब है कि आज 25 जनवरी रविवार को आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तिथि है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No. : MPHIN/2008/24240